राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नमामि भारत

RNI NO.- UPHIN/2015/65215

पेज 06 | मां श्रीदेवी के लिए इमोशनल हुई जान्ह्वी कपूर | भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 8 विकेट से हराया | पेज 07

वर्ष 08 | अंक 59 | लखनऊ, सोमवार 18 दिसंबर 2023 | पृष्ठ 08 | मूल्य 1.50

/namamibharat.com | @namamibharat.com | namamibharat@gmail.com

गुजरात में बोले पीएम मोदी, कहा-

2024 के चुनाव में बीजेपी को मिलेगी ऐतिहासिक जीत

एजेंसी

सूरत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूरत में स्थित सूरत डायमंड बोर्स का उद्घाटन कर दिया है। सूरत शहर की भव्यता में इसी के साथ एक और हीरा जुड़ गया है जो की दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूरत डायमंड बोर्स के उद्घाटन समारोह के मौके पर कहा कि यह बोर्स मोदी की गारंटी का उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दुनिया में कहीं भी डायमंड बोर्स का जिक्र होगा तो इसमें सूरत का नाम जरुर लिया जाएगा और भारत का नाम भी इसके साथ लिया जाएगा। उन्होंने सूरत स्थित डायमंड बोर्स के संबंध में कहा कि यह बोर्स भारतीय डिजाइन, भारतीय डिजाइनर, भारतीय पदार्थ और भारत के कॉन्सेप्ट की समर्थता को दर्शाता है। सूरत डायमंड बोर्स बिल्डिंग एक नए भारत के नए समर्थ और इसके नए संकल्प को दर्शा रही है और इसका जीता जागता प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सूरत डायमंड बॉस के तौर पर इंटरनेशनल ट्रेड का एक बड़ा केंद्र गुजरात की सूरत में बनकर तैयार हो गया है। इसका फायदा है कि कच्चे डायमंड से लेकर फाइनल पॉलिश्ड डायमंड हो या फिर लैब ग्राउंड डायमंड या फिर डायमंड की किसी भी तरह की ज्वेलरी हर प्रकार का हीरे का व्यापार एक ही छत के नीचे ग्राहकों को मिल सकेगा। ये सेंटर कामगार, कारिगर, व्यापारी सभी के लिए वन साटॉप सेंटर के तौर पर उभरा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश भर में मोदी की गारंटी की चर्चा जोरों पर है। खासतौर से पांच राज्यों के चुनाव नतीजे आने के बाद मोदी की गारंटी की चर्चा और अधिक होने लगी है। उन्होंने कहा कि परिश्रमी लोगों ने देखा है कि मोदी की गारंटी सच्चाई में बदलती है, जिसका उदाहरण है सूरत डायमंड बॉस जिसकी पहचान अब पूरी दुनिया भर में होने वाली है। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों के दौरान भारत ने दसवें नंबर की आर्थिक ताकत से ऊपर उठकर पांचवें नंबर पर पहुंचने में सफलता हासिल की है। प्रधानमंत्री ने पूरे देश को गारंटी दी है कि अपनी चीज सी परी में भारत दुनिया में शीर्ष के तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि आज के समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर माहौल भारत के पक्ष में है। दुनिया भर में भारत की साख बुलंदियां छू रही है।

दुनिया में कहीं भी डायमंड बोर्स का जिक्र होगा तो इसमें सूरत का नाम जरुर लिया जाएगा और भारत का नाम भी इसके साथ लिया जाएगा। यह बोर्स भारतीय डिजाइन, भारतीय डिजाइनर, भारतीय पदार्थ और भारत के कॉन्सेप्ट की समर्थता को दर्शाता है।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

पीएम मोदी का जम्मू कश्मीर पर बड़ा बयान, कहा-

अनुच्छेद 370 की वापसी कराने की ताकत ब्रह्मांड में किसी के पास नहीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को लेकर विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला है। एक अखबार को दिए इंटरव्यू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आर्टिकल 370 की वापसी ब्रह्मांड की कोई भी ताकत नहीं करवा सकती। सुप्रीम कोर्ट का जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को लेकर आए फैसले की बात प्रधानमंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट भी इस बात पर मोहर लगा चुका है। सुप्रीम कोर्ट से साफ कर चुका है कि एक देश में दो कानून नहीं चलाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाना किसी राजनीतिक से ज्यादा जम्मू कश्मीर और लद्दाख के लोगों के लिए जरूरी था। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में विकास और जम्मू कश्मीर की जनता के जीवन को आसान बनाने के लिए वहां से अनुच्छेद 370 को हटाना हम और महत्वपूर्ण कदम था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीडीपी और नेशनल कांफ्रेंस पर भी जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कुछ परिवारों ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए जम्मू को मुट्ठी में बंद कर लिया था। मगर जम्मू कश्मीर की जनता और जम्मू कश्मीर किसी राजनीति का हिस्सा नहीं है और ना ही बनना चाहता है। आज के समय में जम्मू कश्मीर की जनता अपनी पुरानी परेशानियों से बाहर निकाल कर देश के आम नागरिक की तरह बिना भेदभाव के जीवन जीना चाहती है और अपने बच्चों की भविष्य को सुरक्षित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 जब से जम्मू कश्मीर से जाता है उसके बाद से जम्मू कश्मीर और लद्दाख की तस्वीर एकदम अलग हो चुकी है। आज जम्मू कश्मीर में सिनेमा हॉल चलाए जा रहे हैं जिसे जनता को एंटरटेनमेंट का एक नए साधन मिला है। पूरे क्षेत्र में टेररिस्ट की जगह टूरिस्ट का मेला लगने लगा है। जम्मू कश्मीर का इलाका उन क्षेत्रों में तब्दील हो चुका है जहां फिल्मों की शूटिंग हो रही है और अब उस इलाके में पत्थरबाजी की घटनाएं देखने को नहीं मिलती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक स्वार्थ के कारण पूरे इलाके में भ्रम फैलाने वालों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग हैं जो राजनीतिक लाभ के लिए अनुच्छेद 370 को लेकर लोगों में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उनसे मैं कहना चाहता हूं कि अब ब्रह्मांड की कोई ताकत अनुच्छेद 370 की वापसी नहीं कर पाएगी।

उपराष्ट्रपति ने स्वास्थ्य मेले का किया शुभारंभः बोले

स्वास्थ्य तभी अच्छा रहेगा जब शासन व्यवस्था ठीक रहेगी

नमामि भारत संवाददाता

लखनऊ। स्वास्थ्य तभी अच्छा रहेगा जब शासन व्यवस्था ठीक रहेगी। स्वास्थ्य पर सबसे अधिक कुठाराघात भ्रष्टाचार की वजह से पड़ता है। भ्रष्टाचारी बीमारी बढ़ाता है लेकिन अब भ्रष्टाचारियों की खैर नहीं है। मौजूद समय में जो भी भ्रष्टाचार करता है कानून का शिकंजा उस तक पहुंच ही जाता है।

भ्रष्टाचार करने वाला चाहे जितने बड़े परिवार अथवा नाम का हो कानून सबके लिए बराबर काम कर रहा है। यह बातें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को राजाजीपुरम स्थित पीएनटी ग्राउंड पर दो दिवसीय अटल स्वास्थ्य मेले के उद्घाटन अवसर पर कहीं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी की स्मृति में राजाजीपुरम स्थित पीएनटी ग्राउंड पर दो दिवसीय अटल स्वास्थ्य मेला आज से शुरू हुआ है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि स्वस्थ जीवन ही जीवन है। आपके पास एक ही विकल्प है स्वस्थ रहना। माया का सुख भी तभी मिलेगा, जब निरोगी काया होगी।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि एक समय था जब आम जनता को दिल्ली से चलने वाला पैसा पूरा नहीं मिलता था लेकिन आज के समय में 100 प्रतिशत मिल रहा है। अटल जी की जो आकांक्षा और भावनाएं थीं वह आज पूरी हो रही हैं। अटल जी होते तो देखते कि उनका सपना सार्थक हो रहा है। आज भारत किसी के दृष्टिकोण का मोहताज नहीं है, हमारा देश पूरी दुनिया को दिशा दे रहा है। एक समय था कि स्वास्थ्य के मामले में हमने अंग्रेजियत को अपना लिया था लेकिन मौजूदा सरकार ने आयुष मंत्रालय का गठन कर हमें अपनी पुरानी पद्धति को अपनाने का अवसर दिया है। अटल स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन कर उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह मेरे लिए भावुक पल है।

प्रतिभा तभी काम आयेगी जब स्वास्थ्य अच्छा होगा

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत दुनिया में तीसरी महाशक्ति बनने जा रहा है। इसके लिए सबका स्वस्थ होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रतिभा कितनी भी अच्छी हो लेकिन स्वास्थ्य अच्छा नहीं होता तो कुछ भी नहीं कर पायेंगे। इसलिए स्वस्थ रहना ही हमारे पास एकमात्र विकल्प है। इस पर भी सोचना होगा कि हम बीमार ही न पड़ें। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को लेकर उपराष्ट्रपति ने कहा जब उनसे मुलाकात होती है तो उनसे मार्गदर्शन प्राप्त करता हूं। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के काम की भी उपराष्ट्रपति ने तारीफ की।

महंगाई को लेकर मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

ये कैसा विकसित भारत?

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि को लेकर रविवार को केंद्र पर निशाना साधा और आश्चर्य जताया कि यह किस तरह का विकसित भारत है। खरगे ने एक्स पर एक पोस्ट में वीडियो साझा की जिसमें महंगाई को दर्शाने के लिए दूध, प्याज, टमाटर और चीनी जैसी आवश्यक वस्तुओं की वर्ष 2014 की कीमतों की तुलना में मौजूदा कीमतें बताई गई। कांग्रेस प्रमुख ने वीडियोके साथ लिखा, महंगाई-नॉमिक्स, यह किस तरह का विकसित भारत है? जहां भारतीय जनता पार्टी लूटने में मास्टर है। कांग्रेस पार्टी अर्थव्यवस्था को संभालने के तरीके को लेकर केंद्र सरकार को घेर रही है और बढ़ती बेरोजगारी तथा महंगाई को लेकर चिंता जता रही है।

लैंगिक असमानता पर बोले सीजेआई चंद्रचूड़

अधिकारों के उल्लंघन के लिए निजता का बहाना नहीं दिया जा सकता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ ने रविवार को कहा कि कानूनों को घरों के भीतर मौजूद लैंगिक असमानता को दूर करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि निजता अधिकारों के उल्लंघन के लिए एक आड़ नहीं हो सकती है। वह देश के 19वें मुख्य न्यायाधीश ईएस वेंकटरमैया की स्मृति में बंगलुरू के नेशनल लॉ स्कूल में आयोजित एक व्याख्यान में बोल रहे थे। न्यायमूर्ति वेंकरमैया की बेटी न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश हैं और देश की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश बनने की कतार में हैं।

सीजेआई ने स्मारक व्याख्यान देते हुए कहा कि सार्वजनिक और निजी दोनों स्थानों पर प्रतिभागियों की सुरक्षा के लिए कानून के उद्देश्य का विस्तार किया जाना चाहिए। इसके बाद उन्होंने कहा कि वह लैंगिक भेदभाव को सार्वजनिक और निजी अंतर के नजरिए से देखेंगे। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय दंड संहिता में प्रावधान है कि जब दो या दो से अधिक व्यक्ति झगड़े में पड़कर सार्वजनिक शांति भंग करते हैं तो उन्हें अपराध करने वाला कहा जाता है।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, यह तभी दंडनीय है, जब सार्वजनिक स्थल पर हो अन्यथा नहीं। इस प्रकार कानून का जोर केवल झगड़ों अंतर्निहित गुण या दोष पर नहीं है, बल्कि यह कहां हो रहा है, इस पर है। एक संवैधानिक रूप से शासित समाज को सार्वजनिक और निजी की इस बाइनरी से परे देखने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक और निजी चीजों के इस विरोधाभास ने कई वर्षों से हमारे कानूनों को नारीवादी और आर्थिक आलोचना का आधार बनाया है। अभिव्यक्ति की आजादी के अस्तित्व के लिए इसे इन दोनों स्थानों में मौजूद होना चाहिए।

नागपुर में सोलर एक्सक्लूसिव कंपनी में हुआ ब्लास्ट

अब तक सात लोगों की मौत

नागपुर (एजेंसी)। नागपुर में सोलर एक्सक्लूसिव कंपनी में जबरदस्त ब्लास्ट हुआ है। घटना रविवार को हुई है जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई है। सोलर एक्सप्लोसिव कंपनी में कास्ट बूस्टर प्लांट में यह धमाका पैकिंग के दौरान हुआ है। माना जा रहा है कि ब्लास्ट बेहद गंभीर है और हादसे में मरने वालों की तादाद में इजाफा हो सकता है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक मरने वालों में चार महिलाएं और तीन पुरुष शामिल है, जबकि हादसे में तीन लोग बुरी तरह घायल हुए हैं। घायलों का नजदीकी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। यह जानकारी एसपी नागपुर ग्रामीण हर्ष पोद्दार ने साझा की है। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों की मान्य तो यह सोलर कंपनी नागपुर की अमरावती रोड पर बनी हुई है। माना जा रहा है कि हादसा रविवार की सुबह नौ बजे के समय हुआ जब एक्सप्लोसिव को पैक किए जाने का काम किया जा रहा था। चश्मदीदों की माने तो ब्लास्ट बहुत तेज था और इस ब्लास्ट में कई मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए हैं। ब्लास्ट में अब तक सात लोगों की मौत की खबर है और तीन लोग घायल है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विस्फोट सुबह नौ बजे बाजारगांव इलाके में 'सोलर इंडस्ट्रीज' की 'कास्ट बूस्टर' इकाई में हुआ। उन्होंने बताया कि कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक जब धमाका सुबह हुआ तो उस समय यूनिट में कुल 12 कर्मचारी उपस्थित थे।

इंडिया गठबंधन में फिर तकरार

केजरीवाल ने पंजाब में 13 सीटों पर चुनाव लड़ने के दिए संकेत

नई दिल्ली। वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले सभी केंद्रीय पार्टियों के नेता लगातार अलग-अलग राज्यों के दौरे करने में व्यस्त हो गए हैं। इसी घड़ी में पंजाब के बठिंडा में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी एक रैली में हिस्सा लिया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को 1125 करोड रुपए की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की है और विकास क्रांति दिल्ली में हिस्सा भी लिया है। इस विकास क्रांति रैली में दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के अलावा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी मौजूद रहे। इस दौरान अरविंद केजरीवाल केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। इसके अलावा उन्होंने इस रैली में एक बड़ा इशारा किया है जिसके बाद इंडिया गठबंधन को लेकर चर्चा जोरों पर होने पर लगी है।

उत्पीड़न को लेकर महिला कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

केंद्र व प्रदेश सरकार पर लगाया अनदेखी का आरोप

नमामि भारत संवाददाता

लखनऊ। कांग्रेस महिला विभाग की की ओर से शनिवार को प्रदेश में हो रही महिला उत्पीड़न की घटनाओं के विरोध और कानून व्यवस्था को लेकर प्रदर्शन किया गया। महिलाएं जुलूस के रूप में विधानसभा तक जा रही रहीं थी, लेकिन पुलिस ने पार्टी कार्यालय से चंद कदम आगे उन्हें रोक लिया। इस दौरान महिलाओं ने सड़क पर ही धरना दिया। प्रदेश महिला कांग्रेस (मध्य जोन) की अध्यक्ष ममता चौधरी के नेतृत्व में शनिवार दोपहर करीब एक बजे महिलाओं का जुलूस पार्टी कार्यालय से आगे बढ़ा। केंद्र व प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए महिलाएं हाथ में तख्तियां लिए हुए थीं। वे प्रदेश सरकार पर अपराधियों को संरक्षण देने, महिला उत्पीड़न की घटनाएं दर्ज नहीं करने का आरोप लगाते हुए आगे बढ़ रही थीं कि माल एवेन्यू मोड़ पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोक लिया। आक्रोशित महिलाएं वहीं सड़क पर धरने पर बैठ गई। इस दौरान हुई सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा ही महिलाओं का उत्पीड़न किया गया है, लेकिन सत्ता का संरक्षण प्राप्त होने की वजह से उन पर कोई उचित कार्यवाही नहीं हुई। बल्कि उन्हें चुनाव लड़ने का अवसर दिया गया। सोनभद्र का मामला इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है।

उपलब्धि | महाराष्ट्र पहले स्थान पर

देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य बना उत्तर प्रदेश

नमामि भारत संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को देश की नंबर एक अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने की दिशा में चल रहे प्रयासों को एक ताजा रिपोर्ट ने बल दिया है। इन्वेस्टिंग और स्टॉक मार्केट पर नजर रखने वाले प्रमुख ऑनलाइन ब्लॉगिंग प्लेटफार्म soic.in ने सेंसस और सीएलएसए (क्रेडिट लियोनिस सिक्योरिटीज एशिया) पर आधारित एक क्रिएटिव ग्राफिक में बताया है कि देश की जीडीपी में शेयर के मामले में उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र के बाद दूसरे स्थान पर आ गया है। सरकारी आंकड़ों में उत्तर प्रदेश जीडीपी शेयर के मामले में तीसरे पायदान पर था। यह योगी सरकार की एक और बड़ी उपलब्धि है। निश्चित तौर पर इसके बाद सीएम योगी का अगला लक्ष्य नंबर वन जीडीपी शेयर वाला राज्य बनने का होगा।

अब नंबर वन पर नजर

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर शेयर किए गए इस क्रिएटिव में उत्तर प्रदेश को जीडीपी शेयर के मामले में दूसरे स्थान पर दिखाया गया है। इसके अनुसार जहां देश की कुल जीडीपी में महाराष्ट्र 15.7% जीडीपी शेयर के साथ पहले पायदान पर है तो वहीं उत्तर प्रदेश 9.2% जीडीपी शेयर के साथ दूसरे स्थान पर है। उत्तर प्रदेश ने जीडीपी शेयर के मामले में तमिलनाडु (9.1%), गुजरात (8.2%) और पश्चिम बंगाल (7.5%) जैसे राज्यों पर बढ़त बनाई है। कर्नाटक (6.2%), राजस्थान (5.5%), आंध्र प्रदेश (4.9%) और मध्य प्रदेश (4.6%) जैसे राज्य उत्तर प्रदेश से काफी पीछे हैं।

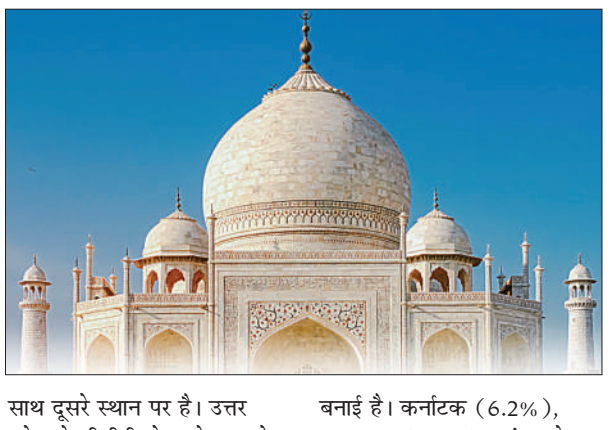

7 वर्षों में सीएम योगी ने बदली प्रदेश की तस्वीर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में 14वें स्थान से दूसरे स्थान पर आ चुका है। लॉ एंड ऑर्डर, कनेक्टिविटी, इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार के कारण ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से प्रदेश को 40 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव मिले हैं जो जल्द ही धरातल पर उतरने जा रहे हैं। इससे प्रदेश में लाखों रोजगार के अवसर सृजित होंगे। वर्तमान में प्रदेश लगभग 2 लाख करोड़ रुपए का निर्यात कर रहा है। बैंकों का ऋण-जमा अनुपात 42-43 प्रतिशत से बढ़कर 56 प्रतिशत हो चुका है, इसे 60 प्रतिशत तक ले जाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। आज यूपी रिवेन्यू सरप्लस राज्य है। प्रदेश की 56 प्रतिशत आबादी कामकाजी है। 96 लाख एमएसएमई इकाइयां स्थापित हुई हैं। सीएम योगी ने कभी बीमारू माने जाने वाले उत्तर प्रदेश को विकास की दौड़ में अग्रणी स्थान पर ला खड़ा किया है। मुख्यमंत्री योगी ने उत्तर प्रदेश को देश का ग्रोथ इंजन बनाने के साथ ही 2027 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य रखा है।

दर्ज हुए चश्मदीदों के बयान

अश्वजीत अनिल गायकवाड़ के खिलाफ एसआईटी गठित

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के एक वरिष्ठ नौकरशाह के बेटे अनिल गायकवाड़ ने ठाणे के एक होटल के पास 26 वर्षीय एक महिला को अपनी कार से कुचल दिया। बताया जा रहा है कि महिला उसके गर्लफ्रेंड है और हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल हुई है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इस मामले की जांच के लिए अब एसआईटी का गठन कर दिया गया है। इस संबंध में सीपी ठाणे जय जीत सिंह ने बताया कि मामले की गहन जांच के लिए डीसीपी जोन 5 अमर सिंह जाधव के तहत एक एसआईटी का गठन किया गया है, जिसमें अश्वजीत अनिल गायकवाड़ और अन्य को आरोपी बनाया गया है। सभी पहलुओं पर विचार किया जा रहा है। गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और फोरेंसिक साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। पुलिस जांच के अनुसार आरोपी व्यक्ति महिला का प्रेमी बताया जाता है। वहीं जानकारी के मुताबिक घटना 11 दिसंबर की है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी अश्वजीत गायकवाड़, रोमिल पाटिल और सागर शेल्के के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 323 (जानबूझकर चोट पहुंचाना), 279 (लापरवाही से गाड़ी चलाने), 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान) के तहत कासारवडावली थाने में मामला दर्ज किया है।

नमामि भारत
सोमवार, 18 दिसंबर 2023
www.namamibharat.com

97वें बलिदान दिवस पर याद किये गये अमर शहीद राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी

हवन व शांति पाठ के बाद अमर शहीद को दी गई श्रद्धांजलि

नमामि भारत संवाददाता

गोंडा। ''शहीदों की चिताओं पर लगेगें हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा''* के संकल्प के साथ स्वतंत्रता संग्राम के अमर नायक शहीद राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी जी के 97वें बलिदान दिवस के अवसर पर जिला कारागार में आर्य समाज द्वारा वैदिक मंत्रों के साथ हवन-पूजन एवं शांति पाठ सम्पन्न कराया गया। लाहिड़ी जी के बलिदान दिवस पर अमर शहीद को बतौर मुख्य अतिथि आयुक्त, देवीपाटन मंडल तथा गणमान्य नागरिकों, अधिवक्ताओं तथा समाजसेवियों द्वारा श्रृद्धासुमन अर्पित किए गए। जिला कारागार में हवन-पूजन करने के उपरान्त एडीएम, एएसपी, सीआरओ, नगर मजिस्ट्रेट, सीओ सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने जेल परिसर में लाहिड़ी जी के बलिदान स्थल पर स्थापित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनकी शहादत को याद किया। अमर शहीद लाहिड़ी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के उपरान्त लाहिड़ी जी को सलामी दी गई और राष्ट्रगान की धुन बजाई गई। श्रद्धांजलि सभा एवं सलामी के उपरान्त आयोजित समारोह में सर्वधर्म समभाव के तहत सभी धर्मों के धर्म गुरूओं द्वारा शांति किया गया। इस अवसर पर लाहिड़ी जी के जीवन एवं बलिदान पर प्रकाश डालते हुए अपर जिलाधिकारी ने अमर शहीद लाहिड़ी जी के अन्तिम वाक्य ''मैं मरने नहीं जा रहा, अपितु आजाद भारत में पुनर्जन्म लेने जा रहा हूं'' दोहराते हुए कहा कि लाहिड़ी जी का जीवन राष्ट्र प्रेम का एक जीवन्त उदाहरण है। हम सबको उनसे प्रेरणा लेते हुए देश हित के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहिए, यही लाहिड़ी जी के लिए सच्ची श्रृद्धांजलि होगी। मुख्य राजस्व अधिकारी ने कहा कि लाहिड़ी जी जैसे व्यक्तित्व और सच्चे राष्ट्र भक्तों के बलिदानों के कारण ही हम सब भारतीय आज आजाद भारत में सांस ले पा रहे हैं। उन्होंने लोगों का आहवान करते हुए कहा कि इस अवसर पर हम सबको निःस्वार्थ भाव से राष्ट्र सेवा का संकल्प लेना चाहिए और आजादी के दीवानों के सपनों का भारत बनाने में अपना योगदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश को गुलामी की दास्तां से मुक्ति दिलाने के लिए 26 वर्ष की उम्र में अपने देश के लिए फांसी के फन्दे को हंसते हुए चूमने वाले अमर शहीद लाहिड़ी जी का सम्पूर्ण जीवन प्रेरणा से भरा हुआ है। समारोह के दौरान एडीएम तथा एएसपी व अन्य अधिकारियों द्वारा लाहिड़ी उद्यान परिसर में पौधरोपण भी किया गया। आयोजित समारोह में मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राम अचल आचार्य सहित अन्य सेनानियों के परिजनों को माला पहनाकर व अंगवस्तत्र भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम विद्यालय के बच्चों एवं अन्य लोगों सहित अन्य स्कूल के छात्र-छात्राओं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं देश भक्ति गीत का प्रस्तुतीकरण किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन जेल अधीक्षक द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य राजस्व अधिकारी महेश प्रकाश, एएसपी शिवराज, सिटी मजिस्ट्रेट, उप जिलाधिकारी सदर गोंडा सुशील कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए चंद्रशेखर, सीओ सिटी विनय कुमार सिंह, जेल अधीक्षक व जेल प्रशासन के समस्त अधिकारी व कर्मचारी, खंड विकास अधिकारी झंझरी, समाजसेवी धर्मवीर आर्य, आर्य समाज सहित अन्य गणमान्य नागरिक, अधिकारीगण, स्कूली छात्र-छात्राएं एवं अन्य अधिकारीगण व जनसामान्य के लोग उपस्थित रहे।

आईआईटी रूड़की ने जीता मोस्ट इनोवेटिव इंस्टीट्यूट पुरस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नवाचार एवं उत्कृष्टता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के एक शानदार प्रमाण में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की (आईआईटी रूड़की) एक बार फिर भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) औद्योगिक नवाचार पुरस्कारों के 10वें संस्करण में विजयी हुआ है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की ने शीर्ष इनोवेटिव रिसर्च इंस्टीट्यूशन के लिए ÷ग्रैंड जूरी अवार्ड÷ और 2023 के लिए ÷मोस्ट इनोवेटिव इंस्टीट्यूट÷ पुरस्कार जीतकर दोहरी मान्यता हासिल की। यह प्रतिष्ठित दोहरा सम्मान अग्रणी अनुसंधान एवं नवाचार के प्रति संस्थान की असाधारण प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जो इस तरह की विशिष्ट मान्यता का लगातार चौथा वर्ष है। परिवर्तनकारी अनुसंधान एवं सामाजिक प्रभाव के प्रति अपने अटूट समर्पण को यह प्रदर्शित करता है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की %आत्मनिर्भर भारत% और टिकाऊ समाधानों के लिए समर्पित है, जो अपने शोध को राष्ट्रीय एजेंडे के साथ जोड़ता है। संस्थान सहयोग, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और रचनात्मकता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के माध्यम से नवाचार को फिर से परिभाषित करती है। शिक्षा और उद्योग को जोड़ने पर मुख्य ध्यान देने के साथ, ग्रामीण टेलीहेल्थ ऐप और पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकियों सहित आईआईटी रूड़की के प्रभावशाली आविष्कार, %विकसित भारत 2047% के दृष्टिकोण के अनुरूप, आर्थिक और पारिस्थितिक स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। संस्थान एक असाधारण नवाचार एवं अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करता है जो छात्रों और संकाय का दृढ़ता से समर्थन करता है, रचनात्मकता और अभूतपूर्व अनुसंधान की संस्कृति को बढ़ावा देता है। संस्थान सक्रिय रूप से शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देती है, जिसके परिणामस्वरूप मूल्यवान बातचीत और प्रौद्योगिकी का आदान-प्रदान होता है। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में हाल की पहल सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बीच अंतर को पाटने के लिए आईआईटी रूड़की की प्रतिबद्धता को उजागर करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि नवीन अनुसंधान उद्योग की प्रगति और सामाजिक प्रगति में प्रभावी ढंग से योगदान देता है। आईआईटी रूड़की का गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र नवाचार और सहयोग के लिए एक समग्र दृष्टिकोण का उदाहरण देता है, जो प्रयोगशाला से बाजार तक प्रभावशाली परिणाम देता है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की दो अभूतपूर्व नवाचारों के साथ स्थिरता के मामले में सबसे आगे है। सबसे पहले, उन्होंने पेपर कप के लिए एक विशेष कोटिंग विकसित की है, जो उन्हें आसानी से रिसाइकल करने योग्य बनाती है और प्लास्टिक कचरे की समस्या से निपटती है। यह पानी में घुलनशील फॉर्मूला न केवल लागत प्रभावी साबित होता है बल्कि एकल-उपयोग प्लास्टिक को कम करने की वैश्विक पहल के अनुरूप भी है। दूसरी पहल, आईआईटी रूड़की ने मुद्रण के लिए जल-आधारित स्याही प्रस्तुत की है, जो हानिकारक उत्सर्जन को काफी कम करते हुए लागत-प्रभावशीलता और पर्यावरण-अनुकूलता प्रदान करती है। आईआईटी रूड़की के नेतृत्व में किए गए दोनों आविष्कार स्वच्छ, हरित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक हैं, जो आत्मनिर्भर भारत और टिकाऊ समाज की पहल का समर्थन करते हैं। व्यापक संदर्भ में, संस्था वैश्विक चुनौतियों से निपटने और नवीन समाधानों के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (यूएन एसडीजी) में योगदान देने के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है। पानी में घुलनशील कोटिंग और स्याही फॉर्मूलेशन जैसी उल्लेखनीय परियोजनाएं, संयुक्त राष्ट्र एसडीजी द्वारा उल्लिखित वैश्विक विकास के सिद्धांतों के साथ संरेखित, जिम्मेदार उपभोग, पर्यावरणीय नवाचार और समग्र टिकाऊ प्रथाओं के प्रति आईआईटी रूड़की के समर्पण को रेखांकित करती हैं।

संस्थान एक समृद्ध शोध वातावरण प्रदान करता है, जो नवाचार और ऊष्मायन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। संस्थान अपने ऊष्मायन और नवाचार पोर्टफोलियो को बढ़ाता है, एक पारदर्शी प्रायोजित अनुसंधान नीति के माध्यम से अत्याधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देता है और उन्नत प्रयोगशालाओं के विस्तार के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। हाल की पहलों में फोटोनिक्स, क्वांटम संचार प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान, ड्रोन, बांध सुरक्षा, टिकाऊ ऊर्जा, टिकाऊ ग्रामीण विकास और भारतीय ज्ञान प्रणाली जैसे क्षेत्रों में बहु-विषयक अनुसंधान केंद्रों की स्थापना शामिल है। यह रणनीतिक दृष्टिकोण विभिन्न क्षेत्रों में समग्र प्रगति के केंद्र के रूप में आईआईटी रूड़की की स्थिति को सशक्त बनाता है।

भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय में वैज्ञानिक सचिव डॉ. (श्रीमती) परविंदर मैनी ने आईआईटी रूड़की को यह पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला, ÷नवाचार न केवल आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है बल्कि संगठनों को बदलाव के बीच भी प्रासंगिक बने रहने की अनुमति देता है। भारत के विविध परिदृश्य और आबादी के साथ, निरंतर अनुसंधान और नवाचार की आवश्यकता हमेशा महसूस की गई है, जिससे प्रगति और निरंतर प्रासंगिकता के लिए यह अनिवार्य हो गया है।

आईआईटी रूड़की के निदेशक प्रोफेसर कमल किशोर पंत ने संस्थान की ओर से पुरस्कार स्वीकार किया और कहा, ÷हम इस मान्यता से सम्मानित महसूस कर रहे हैं, जो नवाचार एवं अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए आईआईटी रूड़की की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह पुरस्कार एक नवीन और रचनात्मक संस्कृति को बढ़ावा देने में हमारे सभी संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्वानों व कर्मचारियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत के लिए एक श्रद्धांजलि है। हम अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए उत्साहित हैं और विज़न 2047 के साथ जुड़कर शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में उपलब्धि की इस क्षमता को बनाए रखने के लिए समर्पित हैं।

आईआईटी रूड़की के अभूतपूर्व समाधान, पानी में घुलनशील कोटिंग्स से लेकर पर्यावरण-अनुकूल अपशिष्ट जल उपचार तक, न केवल इसके महत्वपूर्ण सामाजिक प्रभाव को दर्शाते हैं बल्कि राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के अनुरूप भी हैं। प्रोफेसर कमल किशोर पंत - निदेशक आईआईटी रूड़की, प्रोफेसर अक्षय द्विवेदी ङ्क कुलशासक - प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक परामर्श व प्रोफेसर साई रामुडु मेका ङ्क सह कुलशासक कॉरपोरेट इंटरेक्शन द्वारा पुरस्कार स्वीकार करना न केवल प्रशंसा बल्कि उपलब्धि के इस स्तर को बनाए रखने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर सम्पन्न

नमामि भारत संवाददाता

गोण्डा। नव ज्योति बाल विकास सेवा समिति द्वारा संचालित संत कबीर इंटर कॉलेज परसदा बेलसर में शनिवार को निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमे लगभग 150 मरीजों के नेत्रों का उपचार हुआ। इस दौरान मोतियाबिंद से पीड़ित 25 मरीजों का निःशुल्क सफल ऑपरेशन किया गया और अच्छे क्वालिटी का लेंस आँखों में डाला गया।

जिला आंध्रता निवारण समिति एवं जीवन दीप चिकित्सालय के वरिष्ठ नेत्र सर्जन डा. पी. के. श्रीवास्तव एवं डा. विनोद कुमार सिंह के नेतृत्व में मरीजों का सफलतापूर्वक ऑपरेशन सम्पन्न हुआ। विद्यालय के प्रबंधक अशोक कुमार तिवारी ने मरीजों को जलपान की व्यवस्था कर मरीजों का सहयोग किया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या संगीता तिवारी ने मरीजों का भरपूर सहयोग किया। शिविर में आये हुए सभी मरीजों ने विद्यालय प्रबंधक अशोक तिवारी की भूरि-भूरि प्रशंसा की और समय-समय पर सामाजिक कार्यों को आयोजित करने के लिए धन्यवाद दिया।

सपा जिला उपाध्यक्ष फुरकान अंसारी ने दिया त्यागपत्र

नमामि भारत संवाददाता

पलिया कलां। समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष पलिया के दिग्गज सपा नेता व प्रखर वक्ता फुरकान अंसारी ने अपने पद एवं पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है। श्री अंसारी द्वारा अध्यक्ष को भेजे गए पत्र में पार्टी की आंतरिक गुटबाजी, तानाशाही पूर्ण रवैया एवं जन समस्याओं के प्रति लगातार निष्क्रियता से आहत होकर अपने पद व प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे स्वयं को समस्त उत्तरदायित्व से मुक्त करने का आग्रह किया है। उन्होंने समाजवादी पार्टी लखनऊ उत्तर प्रदेश के प्रदेश कार्यालय को भी त्यागपत्र की प्रतिलिपि प्रेषित की है। श्री अंसारी द्वारा अचानक दिए गए त्यागपत्र से क्षेत्रीय सपा कार्यकर्ता सकते में हैं।

वाहन चालकों को परिवहन कर्मियों ने पहनाई फूल मालाएं

उरई, जालौन। राजेश कुमार सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) प्रथम दल ने रविवार को उरई शहर के शहीद भगत सिंह चैराहा (मच्छर चौराहा) पर यातायात कर्मियों के सहयोग से सडक सुरक्षा अभियान चलाया। जिसमें बिना हेलमेट, सीटबेल्ट के चालक एवं वाहन स्वामियों को परिवहन विभाग एवं उनके परिवार की ओर से %फूलमाला% पहनाते हुये अनुरोध किया कि वाहन चलाते समय हमेशा दो पाहिया वाले हेलमेट, व चार पहिया वाहन चलाते समय सीटबेल्ट का प्रयोग करें एवं सड़क सुरक्षा के मानकों का पालन करें। ऐसे वाहन चालक/वाहन स्वामियों कों मौके पर ही एकत्रित कर राजेश कुमार, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी ने शपथ भी दिलवाई।

महिला के साथ की मारपीट, गाली गलौच कोतवाली में दिया शिकायती पत्र

कालपी, जालौन। कोत़वाली क्षेत्र के ग्राम गढगँवा निवासिनी महिला ने पारिवारिक लोगों पर मारपीट कर कपडा उतारने का आरोप लगाया है। उसने इस मामले का शिकायती पत्र पुलिस को सौंपा है। महेवा ब्लाक क्षेत्र के ग्राम गढगँवा गांव निवासी श्रीपाल गुजरात में रहकर नौकरी करता है और घर पर उसकी पत्नी देवकी अपने बच्चो के साथ रहती है लेकिन उक्त महिला ने रविवार को पुलिस को दिए शिकायती पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि वह घर के दरवाजे पर खडी थी इसी दौरान उसके पारिवारिक महेश पाल,मिथिला,जसपाल सहित आधा दर्जन लोग गाली गलौज करने लगे थे मना किया तो सभी ने उसे गली में खींच लिया और लाठी डण्डो से जमकर मारापीटा तथा जाते जाते उसको निर्वस्त्र कर गये और कहाकि शिकायत की तो जान से मार देंगे। वही पुलिस ने मारपीट का शिकार हुई महिला को इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल कराया है।कोतवाली पुलिस के अनुसार मामले की हकीकत जाँची जा रही है जो भी सही पाया जायेगा उसी के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

मण्डल में पहली बार कोई दुल्हन विदाई के बाद हेलीकॉप्टर से पहुंची ससुराल

नमामि भारत संवाददाता

- **देखने वालों का लगा ताता, दुल्हन मैकेनिकल एंजीनियर तो दूल्हा नोएडा में रन पैसा डॉट कॉम कंपनी का मालिक**
- **हजारों की भीड़ घंटों जाम में लोग जूझते रहे सुरक्षा को लेकर भारी पुलिसबल व फायर बिग्रेड की गाड़िया रही मौजूद**

गोण्डा। छपिया के असनहरा गांव में दुल्हन की विदाई होकर हेलीकॉप्टर से आना लोगों के कौतूहल का विषय रहा। देखने वालों की काफी भीड़ मौजूद रही। मण्डल में पहली बार कोई दुल्हन विदा होकर अपने ससुराल हेलीकॉप्टर से आयी है।

विकास खंड छपिया के असनहरा गांव निवासी ओम प्रकाश वर्मा के सुपुत्र दीपक वर्मा की शादी 15 दिसंबर को कन्नौज जिले के सराय मारूफ, कीरतपुर निवासी वीर विक्रम सिंह कटियार की सुपुत्री शिवा कटियार के साथ सम्पन्न हुयी । 16 दिसंबर को दुल्हन की विदाई होकर छपिया में तीन बजे हेलीकॉप्टर लैंड हुआ। हेलीकॉप्टर छपिया के जे आर राम सुरेमन बालिका इंटर कॉलेज के प्रांगण में लैंड किया।

असनहरा गांव निवासी ओम प्रकाश वर्मा हरियाणा रेवाड़ी में बी. डी. इंडिया लिमिटेड कंपनी में इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के पद पर तैनात हैं। दीपक वर्मा नोएडा में रन पैसा डॉट कॉम कंपनी चलाते हैं। शिवा कटियार बी.टेक.की पढ़ाई पूरी कर मैकेनिकल इंजीनियर के पद पर फरीदाबाद में पोस्ट है । कन्नौज से छपिया हेलीकॉप्टर से दुल्हन को देखने के लिये हजारों लोगों की भीड़ लगी रही। फायर व पुलिस विभाग के जवान मौजूद रहे। पहले एक बजे तक हेलीकॉप्टर को लैंड होना था लेकिन दिल्ली में कुहासा होने के कारण वहां से उड़ान भरने में देरी हुयी। पहले एक बजे तक हेलीकॉप्टर को लैंड होना था लेकिन दिल्ली में कुहासा होने के कारण वहां से उड़ान भरने में देरी हुयी।

12 लाख रुपए किराये के रूप में जेआर एयरलाइंस ने लिए

जे.आर. एयरलाइन्स दिल्ली की सात सीटर हेलीकॉप्टर थी। जिसे विनम कटारिया, अभिनव त्रिपाठी सहित तीन लोग पायलेटिंग कर रहे थे। लगभग बारह लाख रूपये व्यय हुआ है। एक घंटे मे 190 लीटर ईंधन लगता है।

नेकी की दीवार पर कंबल वितरण समारोह का आयोजन

नमामि भारत संवाददाता

गोंडा। जनपद के मसकनवा कस्बे में नेकी की दीवार पर कंबल वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि कोठारी विष्णु स्वामी, भक्ति केशव स्वामी विशिष्ट अतिथि प्रबंधक अवधेश कुमार मिश्रा, वी के शुक्ल आयोजक विवेक विष्णु शुक्ल ने किया।ठंड को देखते हुए क्षेत्र के गरीबों में जनसहयोग से कंबल वितरण किया गया।झिंगुरी, सजना, विरमा, रेखा अनूपा, गरिमा, शान्ती, मीना उर्मिला, सरोजा, शिवा, गोपाल, विजय, रूपे, रतन, राम सुख, बनारसी माया राम सहित 51 पात्र लोगों को कंबल वितरित किया गया। आयोजक विवेक विष्णु शुक्ल ने बताया कि जनसहयोग से जरूरतमंद लोगों में कम्बल वितरित किया गया। विशिष्ट अतिथि ने कहा कि कम्बल वितरण एक नेक कार्य है। सभी को इस कार्य में सहयोग करना चाहिए। आयोजक विवेक शुक्ला ने आभार व्यक्त किया। पूर्व विभागाध्यक्ष डां राघव राम शुक्ल, संचालक विवेक शुक्ला, प्रबंधक ज्ञान प्रकाश पाण्डेय, सुधांशु गुप्त, खगेंद्र पांडेय, विक्की मिश्रा,डॉ अशोक शुक्ल, गंगा प्रसाद तिवारी, नीरज गुप्त, भरत लाल त्रिपाठी, राम जी गुप्ता, अवनीश प्रताप सिंह, अलोक पाण्डेय, भोला तिवारी, डॉ वी एन शर्मा, रविंद्र तिवारी, विवेक धर द्विवेदी ,अरविं उपाध्याय,अरूण पाण्डेय, राजहंस मिश्रा, ओम प्रकाश तिवारी रहे।

महिलाओं को चौपाल लगाकर किया गया जागरूक

नमामि भारत संवाददाता

गोंडा। जनपद के समस्त थाना क्षेत्र के अन्तर्गत बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा गांवो में भ्रमण कर प्राथमिकता के आधार पर महिला/बालिकाओं को जागरूक करने के साथ ही महिला सम्बन्धित समस्याओं के निस्तारण कराने के सम्बन्ध में ग्राम चौपाल का आयोजन किया जा रहा है तथा रैली निकालकर नारी सुरक्षा, नारी सम्मान एवं नारी स्वावलंबन आदि अधिकारो के प्रति महिलाओं/ बालिकाओं को जागरूक किया जा रहा है।

अब महिलाओं व बालिकाओं को अपनी समस्या व शिकायत लेकर पुलिस चौकी व अन्य पुलिस कार्यालय बार-बार नही आना पड़ेगा अपितु शक्ति दीदी नियमित अन्तराल पर ग्राम चौपाल के माध्यम से विभिन्न गांवो में उपस्थित होकर महिलाओं/ बालिकाओं को जागरूक करने के साथ ही उनसे संवाद कर उनकी शिकायतों का गुण दोष के आधार पर निराकरण कराया जाएगा। रविवार को जनपद के समस्त थानों की महिला बीट अधिकारीगणों (शक्ति दीदी) द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में रैली निकालकर महिलाओं/ बालिकाओं को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान एवं नारी स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया गया तथा जगह जगह चौपाल लगाकर व गांव/ वार्डों में भ्रमण कर बच्चों/ महिलाओं/ बालिकाओं को मिशन शक्ति अभियान 4.0 के बारे में पम्पलेट बांटकर व जनजागरूक करते हुए आत्मरक्षा के बारे में बताया गया तथा हेल्पलाइन नम्बरों 1090, 181, 112, 1076, 1098, 108, 102, 1930 आदि के बारे में अवगत कराया गया तथा उनकी शिकायतों को सुनकर निस्तारित किया गया।

नौ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ कलाश यात्रा के साथ शुरू

धानेपुर (गोंडा)। नगर पंचायत धानेपुर के बेलवार पुरवा में नौ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ कलश यात्रा के साथ शुरू हो गया। कलश यात्रा का आयोजन क्षेत्र के प्रसिद्ध व्यवसाई रामचंद्र लोहिया द्वारा किया गया।कलश यात्रा में सैकड़ो की संख्या में महिलाओं, बालिकाओं व पुरुषों ने प्रतिभाग किया। कलश यात्रा में शामिल सैकड़ो की संख्या में महिलाओं बालिकाओं ने हाथ में कलश लेकर पूरे कस्बे का भ्रमण करती हुई मां काली मंदिर पहुंची उसके बाद पूरबगली में स्थित श्री शिव पार्वती मंदिर होते हुए श्रीमद् भागवत कथा स्थल पहुंची। कलश यात्रा के दौरान धार्मिक भजनों की गूंज रही। वृंदावन से पधारे कथा वाचक राधेश्याम शास्त्री जी महाराज के साथ आए पुरोहितों ने संयुक्त रूप से पूजा पाठ कराकर कलश में जल भरवाया ।इस दौरान श्रद्धालुओं के भक्तिमय जयकारों से पूरे कस्बे का वातावरण भक्तिमय में हो गया। मंडप की परिक्रमा के बाद कलश को स्थापित कर दिया गया।श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ कार्यक्रम में मंडप पूजन के साथ महायज्ञ शुरू हो गया। आयोजक रामचंद्र लोहिया ने बताया की वृंदावन से पधारे राधेश्याम शास्त्री जी महराज के द्वारा नौ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ किया जा रहा है। कलश यात्रा के दौरान भगवान प्रसाद लोहिया,प्रेमचंद लोहिया, संतोष लोहिया,संजय लोहिया, बैजनाथ लोहिया,सत्यम,रवि, सूर्यकुमार गुप्ता व राकेश कौशल के साथ ही काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

प्रमुख सचिव ने चिकित्सालय का किया निरीक्षण, निरीक्षण के नाम पर दिखावा करके चलते बने

नमामि भारत संवाददाता

अयोध्या। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत जानने के लिए रविवार को अवकाश के दिन पहुंचे प्रमुख सचिव स्वास्थ्य पार्थ सेन सारथी निरीक्षण के नाम पर दिखावा करके वापस लौट गए। जिला चिकित्सालय में निरीक्षण के दौरान चार चिकित्सा अधिकारी अस्पताल से नदारत मिले। उनके खिलाफ किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई।

इमरजेंसी में भर्ती एक महिला ने जानकारी दी की चिकित्सा बाजार की दवा लिखते हैं। प्रमुख सचिव ने उसे भी नजरअंदाज कर दिया। जिला अस्पताल प्रशासन ने जिन बेडो को निष्प्रयोग कहकर बाहर फेंक दिया था उन बेडों को उन्होंने नीलाम करने के निर्देश दिए। 6 करोड़ की लागत से अनियमित रूप से की गई सामानों की खरीद के सवाल को भी उन्होंने दरकिनार करते हुए कहा के शासन की ओर से सामान जनता के सहयोग के लिए दिए गए हैं। प्रमुख चिकित्सा स्वास्थ्य पार्थ सेन सारथी रविवार को जिला चिकित्सालय, श्री राम चिकित्सालय का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने सर्वप्रथम श्री राम चिकित्सालय का निरीक्षण किया और चिकित्सको के साथ बैठक की। इसके बाद प्रमुख सचिव जिला अस्पताल पहुंचे जहां उन्होंने सर्वप्रथम इमरजेंसी ओपीडी का निरीक्षण किया। चिकित्सकों से दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली । इसके बाद उन्होंने महिला वार्ड में जाकर मरीज से जानकारी की। एक महिला तीमारदार ने बताया कि दवाई बाजार से खरीदनी पड़ रही है। इसके बाद उन्होंने सिटी स्कैन कक्ष का निरीक्षण किया ।प्रमुख सचिव ने वहां जानकारी ली की क्या रात में भी सीटी स्कैन किया जाता है।

तो स्टाफ ने बताया कि रात में सीटी स्कैन बंद रहती है। इस पर भड़के प्रमुख सचिव ने निर्देश दिया की रात्रि में भी मरीज को सीटी स्कैन की सुविधा दी जाए। इसके बाद प्रमुख सचिव ने रविवार के कारण बन्द पडी ओपीडी को खुलवाकर उसका भी निरीक्षण किया। दवा के डिस्प्ले में उपलब्ध दवाइयों की सूची स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। इसके बाद प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक के कक्ष में उन्होंने चिकित्सकों के साथ बैठकर बंद कमरे में मंत्रणा की।वहां से बाहर निकालने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा की जिला अस्पताल में आयुष्मान कार्ड धारक मरीज भी भर्ती होने लगे हैं। दवाओं की पूरी व्यवस्था है।

चार चिकित्सक मौके पर मौजूद नहीं थे । उनको बुलवाया गया है। मीडिया की ओर से जिला चिकित्सालय में अनियमित रूप से की गई सामानों की खरीद को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग के लिए शासन से सामानों की खरीद की गई है।

इसके लिए कोई डिमांड की आवश्यकता नहीं होती है। प्रमुख सचिव कुल मिलाकर जिला अस्पताल प्रशासन की मनमानी पर पर्दा डालते दिखे। उन्होंने अनियमित रूप से की गई 6 करोड रुपए के सामानों की खरीद पर पूरी तरीके से पर्दा डाल दिया। निरीक्षण में प्रमुख सचिव के साथ आपद निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अरुण कुमार पवन में डॉक्टर संजय जैन प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर बृज कुमार डीपीएम राम प्रकाश पटेल सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

हृदय के राम के आयोजन का मकसद...

देश को सांस्कृतिक धरोहर से मजबूत करना: महापौर

अयोध्या (नभसं.)। हृदय में राम कार्यक्रम का आयोजन मां सरयू के पावन तट पर स्थित राम की पैड़ी में सिद्ध पीठ तीन कलश तिवारी मंदिर के महंत महापौर गिरीशपति त्रिपाठी के संयोजन में अगहन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी प्रभु श्री राम के विवाह महोत्सव के अवसर पर रविवार को किया गया।जो श्री महाराज जी द्वारा विगत कई वर्षों से भारत के संस्कृत विरासत को सजाने के लिए और युवाओं को प्रभु श्री राम के चरित्र श्री प्रेरणा लेने के लिए किया जा रहा है हृदय के राम के आयोजन का मकसद ही है भारत को सांस्कृतिक धरोहर से मजबूत करना और इससे युवाओं को जोड़ना जिससे हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत मजबूत हो और युवा प्रेरणा लेकर के भटके ना बल्कि

प्रभु श्री राम के द्वारा स्थापित मर्यादा का पालन करें और गांधी जी ने जो सपना राम राज्य का देखा था उसको पूरा करें।कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दुर्गा प्रसाद के निर्देशन में कार सेवक पुरम, श्री वेदांत विद्यापीठ, निशुल्क गुरुकुल तथा वीर राघव के संस्कृत विद्यालय के बच्चों ने स्वस्तिवाचन से किया इसके उपरांत प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत की अयोध्या को पॉलिथीन मुक्त करने के लिए उपाध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह ने उपस्थित सभी नागरिकों को शपथ दिलाईकार्यक्रम के संयोजक शाश्वत पाठक ने कहा कि ऑनलाइन ऑफलाइन श्री राम के चरित्र पर प्रतिभाग करने वाले सभी बच्चों का भविष्य उज्जवल हो। इस अवसर पर महंत गिरीशपति त्रिपाठी महाराज ने कहा की जो भगवान को जान जाता है वह भगवान का हो जाता है अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि हमें जन जन तक भगवान के चरित्र को पहुंचना है। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा का महोत्सव हमारे निकट है हम सभी को उसमें सहभागी बनना चाहिए और प्राण प्रतिष्ठा को भव्य बनाना चाहिए जिससे अयोध्या में जो आए वह अयोध्या का ही होकर रह जाए। श्री महाराज जी ने बताया कि प्रभु श्री राम अपने माता-पिता की आज्ञा से वन गये और सहर्ष स्वीकार किया और कहा कि मैं बड़भागी हूं कि मुझे आपके आशीर्वाद से संतों का दर्शन होगा इसलिए हम सभी को खासकर अयोध्या वासियों को देशवासियों को प्रभु श्री राम के चरित्र का अनुसरण करके उसे पर चलना होगा। अयोध्या के आयुक्त गौरव दयाल ने कहा कि हृदय में राम यह कार्यक्रम नहीं बल्कि मनन और युवाओं का प्रेरणा स्रोत है प्रत्येक बच्चे को राम के आदर्शों पर चलना होगा और राम से ही भारतीय इतिहास है हृदय में राम प्रत्येक बच्चे को भारतीय इतिहास से परिचय कर रहा है। इस अवसर पर नगर आयुक्त विशाल सिंह, सहायक नगर आयुक्त बागीश शुक्ला, अंकिता शुक्ला, उपसभापति जय नारायण सिंह, युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह, पार्षद अनिल सिंह अनुज दास, महेंद्र शुक्ला, रिशु पांडे, इंजीनियर रवि तिवारी, श्रीनिवास शास्त्री, सुनील अवस्थी, दीपक शुक्ला, डॉक्टर कनक बिहारी पाठक, पटेल दुर्गा प्रसाद, राहुल सिंह, रोहित शर्मा, पार्षद चंदन सिंह, रमेश गुप्ता राणा विनोद पाठक अभय यादव, श्रीकांत द्विवेदी, अल्केश यादव, सत्य प्रकाश मिश्र, दीपक चौधरी, कुलदीप मौर्य, विजय पांडे, योगेश्वर सिंह, श्रवण तीर्थ कमेटी के अध्यक्ष अनुपम पांडे, विनय जायसवाल सही तो दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

गांवों का विकास सरकार की पहली प्राथमिकता: रोली सिंह

नमामि भारत संवाददाता

अयोध्या। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रोली सिंह ने विकास खंड पूरा बाजार ग्राम पंचायत रामपुर सरधा मे खड़ंजा सोलिंग व पक्के नाला का लोकार्पण करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए व्यक्त किया।उन्होंने कहा कि गांव का विकास सरकार की पहली प्राथमिकता है इसलिए जब तक गांव में सड़कों का जाल नहीं बिछ जाता और गांव की गलियां पक्की नहीं हो जाती तब तक निर्माण कार्य जारी रहेगा इसके लिए प्रत्येक जनप्रतिनिधि को गांव के विकास के लिए पूरा ध्यान देना होगा।

जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक कुमार सिंह रोहित ने कहा की ग्राम पंचायत रामपुर में राज वित्त

आयोग योजना से 18 लाख रुपए की लागत से निर्मित 800 मीटर खड़ंजा मार्ग और 14 लाख रुपए की लागत से 200 मीटर एवं 18 लाख रुपये की लागत से 250 मीटर निर्मित पक्के नाले का लोकार्पण आज हुआ है। उन्होंने उन्होंने कहा कि रामपुर सरधा में सबसे अधिक स्ट्रीट लाइट, दो मार्गों पर पुलिया, तिलकराम के खेत से प्रभाव पब्लिक स्कूल तक सीसी सड़क 300 मीटर का कार्य अभी प्रस्तावित है जिसका निर्माण जल्द शुरू हो जाएगा। इस अवसर पर प्रधान संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष /अध्यक्ष पूरा अभिषेक सिंह सूर्यवंशी अंकुर ,ने ग्राम पंचायत में विकास कार्यों के लिए जिला पंचायत अध्यक्ष का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में राम अभिलाष पांडे ,सूर्यभान सिंह, जनार्दन सिंह ,मयंकेश्वर सूर्यवंशी, श्री नारायण मिश्रा, रामकिंकर मिश्रा ,शिवांश मिश्रा, प्रेम कुमार ,मनोज, दिनेश, सहित तमाम लोग उपस्थित थे।

अपना दल कमेरा वादी की समीक्षा बैठक संपन्न हुई

नमामि भारत संवाददाता

अयोध्या। विकास खंड बीकापुर क्षेत्र के उमरनी पिंपरी चौराहा पर अपना दल कमेरा वादी की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में मिशन 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ताओ से चर्चा परिचर्चा की गयी। जिसमें मुख्य अतिथि राय अखिलेश सिंह व्यापार मंच के प्रदेश अध्यक्ष व राम शिला पटेल अधिवक्ता हाईकोर्ट, 54 लोकसभा प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष विधि मंच अपनादल कमेरावादी उत्तर प्रदेश, दयाराम पटेल, स्वामी नाथ पटेल,बृजनाथ पटेल मुखिया दादा,विनायक पटेल, चन्द्रकेश पटेल, राम सागर पटेल,विक्रम वर्मा,राजपाल वर्मा, सुनील पटेल, आशीष पटेल. रोहित पटेल, धनपाल वर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

महानायक राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी को अर्पित की श्रद्धांजलि

नमामि भारत संवाददाता

अयोध्या। शहीद भगतसिंह स्मृति ट्रस्ट के चेयरमैन सत्यभान सिंह जनवादी ने काकोरी के महानायक राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भारत के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजेंद्र नाथ लाहिरी काकोरी कांड के नायक रहे । उनको 17 दिसंबर 1927 को गोंडा जेल में अन्य काकोरी कांड के 3 क्रांतिकरियों [अशफाक उल्ला खान, रामप्रसाद बिस्मिल और रोशन सिंह] से 2 दिन पहले जेल मैनुअल को तक पर रखके जालिम अंग्रेजो ने सुबह होने से पहले फैंसी दे दी थीआज उनका शहादत दिवस है।

फाँसी के दिन की सुबह का एक प्रसंग गोंडा जेल में अंकित है । उस दिन भी सुबह सुबह लाहिड़ी व्यायाम कर रहे थे। जेलर ने पूछा कि मरने के पहले व्यायाम का क्या प्रयोजन है? लाहिड़ी ने सहज भाव से उत्तर दिया - ÷जेलर साब ! मैं अगले जन्म में भी स्वस्थ शरीर के साथ ही पैदा होना चाहता हूँ ताकि अपने अधूरे कार्यों को पूरा कर देश को स्वतन्त्र करा सकूँ। इसीलिए मैं रोज सुबह व्यायाम करता हूँ। आज मेरे जीवन का सर्वाधिक गौरवशाली दिवस है तो यह क्रम मैं कैसे तोड़ सकता हूँ? मैं मरने नहीं जा रहा, अपितु भारत को स्वतन्त्र कराने के लिये पुनर्जन्म लेने जा रहा हूँ।

लाहिरी का जन्म बंगाल (आज का बांग्लादेश) में पबना जिले के अन्तर्गत मड़याँ (मोहनपुर) गाँव में 29 जून 1901 के दिन क्षिति मोहन लाहिड़ी के घर हुआ। उनकी मां का नाम बसन्त कुमारी था। उनके जन्म के समय पिता क्रान्तिकारी क्षिति मोहन लाहिड़ी व बड़े भाई बंगाल में चल रही अनुशीलन समिति की गुप्त गतिविधियों में योगदान देने के आरोप में कारावास की सलाखों के पीछे कैद थे। दिल में राष्ट्र-प्रेम की चिन्गारी लेकर मात्र नौ वर्ष की आयु में ही वे बंगाल से अपने मामा के घर वाराणसी पहुँचे। वाराणसी में ही उनकी शिक्षा दीक्षा सम्पन्न हुई।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजित हुआ कार्यक्रम

अयोध्या। विकसित भारत संकल्प यात्रा का पड़ाव रविवार को विकासखंड बीकापुर की ग्राम पंचायत भरहु खाता तथा पाली पूर्व मे था। कार्यक्रम के दौरान एक बार फिर स्कूल ही बच्चों ने मनमोहन प्रस्तुति की। कार्यक्रम का शुभारंभ दोनों ही स्थान पर सरस्वती वंदना तथा दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान मथुरा प्रसाद गुप्ता तथा सोनू सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित भाजपा नेता चेतराम गुप्ता राजेंद्र तिवारी ने किसानों तथा स्कूली छात्र एवं छात्राओं को प्रमाण पत्र तथा पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक विकास अधिकारी अवधेश प्रताप सिंह तथा यास्मीन बानो ने किया। कार्यक्रम में नोडल अधिकारी के रूप में उपस्थित सहायक पंचायत विकास अधिकारी रवींद्र वर्मा ने उपस्थित ग्रामीणों से रूबरू होते हुए शान द्वारा ग्रामीणों के निमित्त चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बाबत जानकारी साझा की। कार्यक्रम में विकसित भारत संकल्प यात्रा के प्रचार वाहन के माध्यम से ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से रूबरू होते हुए उनका संदेश सुना। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कृषि विभाग स्वास्थ्य विभाग जल मिशन विभाग खाद एवं रसद विभाग राजस्व विभाग पंचायती राज विभाग समेत अनेक विभागों के प्रतिनिधियों ने शिरकत की।

प्रदेश के मदरसों में संचालित शिक्षा व्यवस्था और अधिक सुधार के प्रति सरकार प्रयासरत : डा तनवीर रिजवी

अयोध्या। मरदसा शिक्षा परिषद के सदस्य डा तनवीर रिजवी का कहना है कि प्रदेश के मदरसों में संचालित शिक्षा व्यवस्था और अधिक सुधार के प्रति सरकार प्रयासरत है। समय समय पर प्रदेश में स्थित मदरसों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए निरीक्षण भी किया जाता रहा है।उक्त बातें उन्होंने सर्किट हाउस में भाजपा पदाधिकारियों द्वारा किए गये स्वागत के बाद कही। महानगर मंत्री व अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रभारी आकाश मणि त्रिपाठी ने बताया कि सरकार सबका साथ सबका विकास के पथ पर चलते हुए सबका विश्वास हासिल करने के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही है। इसमें सबका प्रयास समाहित है। इस अवसर पर मो आसिफ अंसारी, नसीम अख्तर अंसारी, सुरैया बेगम, तरबेज हसन, सद्दाम खान, तौहीद खान आदि मौजूद रहे।

महिला से दुष्कर्म, आठ पर रिपोर्ट और एक गिरफ्तार

कानपुर। पंजाब की महिला को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म व लाखों की नकदी, गहने हड़पने के मामले में पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। रविवार को उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेजा जाएगा। पंजाब के फगवाड़ा निवासी महिला ने गोविंदनगर स्थित अपने ननिहाल में रहकर नौवीं व 10वीं की पढ़ाई की थी। करीब 12 साल पहले उसकी शादी पंजाब में हो गई। महिला का अपने पति से विवाद होने पर वह अपने बचपन की दोस्त के घर रहने आ गई थी। आरोप है कि दोस्त ने गोविंदनगर सात ब्लॉक निवासी जगमोहन कपूर उर्फ प्रिंस से उनकी मुलाकात कराई। प्रिंस ने शादी का झांसा देकर इसी साल तीन जून को शहर बुलाकर दुष्कर्म किया। आरोप है कि जगमोहन ने अपने माता-पिता व साथियों के खाते में 7.50 लाख रुपये ट्रांसफर करवाए। जगमोहन ने अपने साथियों संग मिलकर गालीगलौज की नकद 2.50 लाख समेत करीब 10 लाख के गहने भी हड़प लिए। पैसे वापस मांगने पर जगमोहन ने अपने साथियों संग मिलकर गालीगलौज की। हत्या की धमकी दी। शुक्रवार को महिला ने एडीसीपी साउथ अंकिता शर्मा से शिकायत की थी। जांच एसीपी बाबूपुरवा अमरनाथ को सौंपी गई थी।

जन चौपाल में लाभार्थियों को सौंपे गए प्रमाण पत्र

नमामि भारत संवाददाता

अयोध्या। विकासखंड मिल्कीपुर के ग्राम पंचायत तरमा में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान आयोजित जन चौपाल कार्यक्रम में लाभार्थियों को आवास की चाभी, आयुष्मान कार्ड समेत विभिन्न योजनाओं के प्रमाण पत्र सौंप गए।

नोडल अधिकारी एडीओ पंचायत सुरेंद्र कुमार राव की अगुवाई में आयोजित जन चौपाल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिलाअध्यक्ष कमला शंकर पाण्डेय तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य अशोक मिश्रा शामिल

हुए।कार्यक्रम में जन समस्याओं को सुनने के साथ-साथ ग्राम पंचायत के लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास की चाभी, 25 परिवारों को आयुष्मान कार्ड का वितरण,छोटे बच्चों को अन्नप्राशन, व्यक्तिगत शौचालय, किसान सम्मान निधि आदि का प्रमाण पत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ अरविंद कुमार सिंह तथा संचालन गौतम वर्मा ने किया। कार्यक्रम मे एडीओ एजी राम सुभाय,आपूर्ति विभाग के एआरओ शैलेंद्र प्रताप शुक्ला,प्रधान प्रतिनिधि श्याम लाल चौरसिया,पंचायत सचिव अतुल सिंह, लेखपाल सुरभि चतुर्वेदी प्रधानाध्यापक उमेश कुमार श्रीवास्तव,जगदंबा पांडेय,पंचायत सहायक सबीना बानो,रोजगार सेवक महेश चौरसिया,एएनएम श्रुति राय,मंडल अध्यक्ष अर्जुन सिंह, अशोक पांडेय,घनश्याम सिंह, मुमताज अहमद,राजकुमार तिवारी, जगदीश प्रसाद, शिवराम यादव, साहब दीन,मोहम्मद सरवर, सरोज विंद, विपिन कुमार, विजय कुमार, विजय लक्ष्मी सिंह, फुलमना, पंकज त्रिपाठी, सालिकराम, विद्यावती, जितेंद्र यादव, कलावती,आंगनबाड़ी कार्यकत्री सरिता जायसवाल,आशा बहू पूनम,आशा यादव, समूह सखी प्रतिज्ञा यादव,राजेंद्र कुमार समेत कई अन्य मौजूद रहे।

सरकारी की योजनाओं का लाभ शत प्रतिशत पात्रों को मिला है: सांसद

नमामि भारत संवाददाता

अयोध्या। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत विकासखंड मसौधा के ग्राम फिरोजपुर उपरहार में कैम्प लगाया गया। कैम्प का उद्घाटन मुख्य अतिथि सांसद लल्लू सिंह ने किया। विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में लोगो को केन्द्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारें में जानकारी दी गई।

सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि अंतिम व्यक्ति के उत्थान की अवधारणा को आत्मसात करते हुए अंतिम व्यक्ति को योजनाओं का लाभ दिया गया है। गरीबों को आवास, शौचालय, गैस व विद्युत कनेक्शन दिया गया है।

इलाज के लिए आयुष्मान भारत के तहत पांच लाख की व्यवस्था की गई है। सरकार के सर्वांगीण, सर्वसमावेशी व सर्वस्पर्शी विकास से कोई वर्ग व कोई भी क्षेत्र छूटने नहीं पाया है।

सरकारी की योजनाओं का लाभ शत प्रतिशत पात्रों को मिला है। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बाद सांसद लल्लू सिंह का स्थानीय लोगो ने स्वागत किया। मौके पर मंडल अध्यक्ष कमलेश सिंह, जिला महामंत्री स्थानीय लोगो की मौजूदगी रही।

उदय खत्री के देहावसान पर हिंदू महासभा ने प्रकट किया शोक

नमामि भारत संवाददाता

अयोध्या। काकोरी एक्शन डे के अमर नायक क्रांतिवीर रामकृष्ण खत्री के पुत्र उदय खत्री(75)की देहावसान होने पर हिंदू महासभा के प्रवक्ता एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अधिवक्ता मनीष पांडेय ने शोक प्रकट करते हुए कहा कि उदय खत्री एक विलक्षण व्यक्तित्व के स्वामी थे, स्वाधीनता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले प्रमुख क्रांतिकारी बलिदानियों की पावन स्मृति को अक्षुण्ण रखने हेतु वे 1990 से ही क्रांतिवीर रामकृष्ण खत्री द्वारा स्थापित शहीद स्मृति समारोह समिति का संचालन कर रहे थे, उम्र की इस मोड़ पर भी वे प्रति माह नगर की विद्यालयों में विद्यार्थियों के मध्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के विषय में कार्यक्रमों का आयोजन कर उनके मन में निरंतर देश सेवा का भाव जागृत किया करते थे।

हम निर्बाध विद्युत उत्पादन करने के लिए प्रतिबद्ध: पलेई

नमामि भारत संवाददाता

अयोध्या। एनटीपीसी टांडा द्वारा आयोजित कार्यक्रम के प्रारंभ में ऋषभ जायसवाल, वरि0 प्रबंधक (योजना एवं प्रणाली) द्वारा एनटीपीसी टांडा परियोजना पर आधारित एक परिचयात्मक प्रस्तुति की गई। इसके पश्चात नैगमिक सामाजिक दायित्व गतिविधियों पर आधारित एक लघु फिल्म की भी प्रस्तुति की गई।वार्ता में मीडिया

परियोजना के आस-पास के ग्रामीणों के सर्वांगीण विकास के लिये कई प्रभावशाली योजनाओं के तहत एनटीपीसी टांडा पूर्णनिष्ठा एवं लगन से कार्य किया है

प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए परियोजना प्रमुख पलेई ने कहा की एनटीपीसी टांडा को सदैव आप सभी का सकारात्मक एवं रचनात्मक सहयोग मिलता रहा है। उन्होने मीडिया प्रतिनिधियों की मुक्तकंठ से सराहना की, जिन्होनें टांडा परियोजना की रचनात्मक एवं कल्याणकारी गतिविधियों को प्रचार माध्यमों से सदैव जनसामान्य तक पहुंचाने में प्राथमिकता दी है।

वार्ता के दौरान मीडिया प्रतिनिधियों के सभी प्रश्नों का जबाब देते हुए पलेई ने बताया कि हम निर्बाध विद्युत उत्पादन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इस अवसर पर उन्होने अपने नैगम सामाजिक दायित्व कार्यक्रम के तहत किए गए कार्यो की चर्चा करतें हुए बताया की परियोजना के आस-पास के ग्रामीणों के सर्वांगीण विकास के लिये कई प्रभावशाली योजनाओं के तहत एनटीपीसी टांडा पूर्णनिष्ठा एवं लगन से कार्य किया है, जिससे आस-पास के ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार आया है।

भगवान राम के आदर्श को जीवन में उतारे: सांसद लल्लू सिंह

नमामि भारत संवाददाता

अयोध्या। सरायराशी में जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह व उनके प्रतिनिधि आलोक कुमार सिंह रोहित ने दो दिवसीय राम विवाह महोत्सव का आयोजन समारोह पूर्वक किया हैआयोजन का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद लल्लू सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। सांसद लल्लू सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि राम के आदर्श को जीवन में उतर कर आगे बढ़े जिससे जीवन में सदैव प्रगति पथ पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ते रहे गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि भगवान राम ने समाज में जो आदर्श स्थापित किया है वह विश्व में और कहीं नहीं दिखता उन्होंने कहा कि हम लोगों का सौभाग्य है कि हम लोगों का जन्म अयोध्या की धरती पर हुआ है उन्होंने कहा कि इसे संजोग या सौभाग्य कहे की जिस समय अयोध्या में भव्य

राम मंदिर बन रहा है उसे समय भगवान राम के गुरु वशिष्ठ जी की गद्दी पर महापौर के रूप में महंत गिरीश पति त्रिपाठी विराजमान है ।विशिष्ट अतिथि महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि पाच सौ वर्षो के संघर्ष के बाद अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बन रहा है उन्होंने अयोध्या को विश्व स्तर का नगर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी जी का आभार जताते हुए कहा कि इसे संयोग व सौभाग्य कहे की भगवान राम के गुरु वशिष्ठ जी की गद्दी के महंत गिरीश पति त्रिपाठी इस समय अयोध्या नगर के महापौर हैं जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कहा कि राम विवाह महोत्सव कार्यक्रम के आयोजन से दर्शकों पर भगवान राम के आदर्शों की अमित छाप पड़ती है और वे सत्मार्ग पर चलकर अपना जीवन कृतार्थ करते हैं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व क्षेत्रीय गणमान्य लोगों को जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह व उनके प्रतिनिधि आलोक कुमार सिंह रोहित ने राम मंदिर का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

निजी अस्पताल में जच्चा-बच्चा की मौत, परिजनों ने लगाया प्रसव में लापरवाही का लगाया आरोप

फर्रुखाबाद। कायमगंज कोतवाली क्षेत्र में एक निजी अस्पताल में प्रसव के बाद जच्चा-बच्चा की मौत हो जाने के मामले में पति ने अस्पताल की संचालिका होम्योपैथी डॉ. व सरकारी अस्पताल की नर्स के खिलाफ तहरीर दी है। महिला के पति ने प्रसव में लापरवाही का आरोप लगाया है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव प्रेमनगर निवासी विवेक कुमार की पत्नी रीना देवी को गुरुवार रात प्रसव पीड़ा होने पर आशा के माध्यम से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दूसरे दिन अस्पताल से कहीं और ले जाने की सलाह दी। आशा के कहने पर परिजनों ने नई बस्ती रोड स्थित मंजुला अस्पताल में भर्ती करा दिया। वहां होम्योपैथी डॉ. नताशा तिवारी व सरकारी अस्पताल की नर्स मंजुला तिवारी मिलीं। उन्होंने 11 हजार रुपये जमा करा लिए। नताशा के पति ने 2500 रुपये की दवाई दी। नर्स मंजुला ने खुद को डॉक्टर बताते हुए उसी दिन प्रसव करा दिया।

नमामि भारत
सोमवार, 18 दिसंबर 2023
www.namamibharat.com

संसद में धुंआ : कहीं साजिश तो नहीं?

सुरेश हिंदुस्थानी

संसद में हुई घटना के निहितार्थ कुछ भी हों, लेकिन सुरक्षा का विषय कभी राजनीतिक नहीं होना चाहिए। आरोपियों की कार्यवाही के बाद लोकसभा में जिस प्रकार का दृश्य दिखाई दिया, उससे एक भय पैदा हुआ। सांसद इधर उधर भागने लगे। कुल मिलाकर आतंक की स्थिति निर्मित हो गई थी। यह एक प्रकार से सुरक्षा बलों की नाकामी ही थी।

लोकतंत्र में सरकार की कार्यप्रणाली से सहमत या असहमत होना एक जायज प्रक्रिया का हिस्सा माना जाता है। रचनात्मक विरोध होना लोकतंत्र को और भी अधिक मजबूत बनाने का कार्य करता है। लेकिन अभी हाल ही में लोकसभा के अंदर जिस प्रकार से कुछ लोगों ने विरोध किया, उसे लेकर कई प्रकार के सवाल भी उठ रहे हैं। तथ्यात्मक बात यह है कि विपक्षी राजनीतिक दलों ने आरोपियों पर कार्यवाही के बजाय सरकार को निशाने पर लिया है। हालांकि यह सच भी है कि सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की होती है। इसलिए सरकार की ओर से इस मामले जिम्मेदारी वाला व्यवहार किया जाना चाहिए, लेकिन विपक्ष का रवैया भी देश हित का होना चाहिए। क्योंकि नाकामी को लेकर राजनीति करना देश घातक होती है। देश के प्रति जिम्मेदारी सभी की है। यहां सुरक्षा में चूक तो है ही, पर आरोपियों का व्यवहार और तरीका भी पूरी तरह से अनुचित ही था।

वर्तमान में देश की सभी समस्याओं के लिए जिम्मेदार ठहराने के लिए केंद्र सरकार को निशाने पर लेना एक आम बात होती जा रही है। इसके लिए राष्ट्रीय एकता और संप्रभुता की मयार्दाओं को भी लांघने का कृत्य भी ज्यादा कदा दिखाई देता है। यह बात सही है कि विविधता वाले भारत देश में कोई एक बात सबको सही लगे, यह हो ही नहीं सकता, लेकिन लोकतंत्र यही कहता है कि उस बात को चाहने वाले अधिक हैं तो बड़ी खुशी के लिए छोटे दुख को तिरोहित कर देना चाहिए। व्यक्तिगत स्वार्थ व्यक्ति को अधिकांशतः गलत मार्ग पर ही ले जाने के लिए प्रेरित करता है। व्यक्तिगत स्वार्थ के वशीभूत होकर उठाया गया कदम कुछ हद तक सांत्वना दी सकता है, लेकिन जिससे अधिकांश समाज को लाभ मिलता है, वह आने वाले समय में हमारे लिए भी सकारात्मक प्रमाणित होता है।

विपक्ष का रवैया आरोपियों के हौसले बढ़ाने वाला है, वे आरोपियों पर नरम और सरकार पर गर्म हो रहे हैं। हालांकि यह भी सर्वथा सत्य है कि देश की संसद पर इस प्रकार का कृत्य सरकार द्वारा प्रायोजित सुरक्षा पर भी अनेक प्रकार के

सवाल स्थापित करता है। विपक्ष की ओर से उठाए जाने वाले सवाल जायज हैं, लेकिन सुरक्षा के मुद्दे को राजनीतिक रूप से उठाना अत्यंत गंभीर है। विपक्षी दल के सांसद भी देश की संसद का हिस्सा हैं, इसलिए उनकी भी भारत की संवैधानिक संस्थाओं के प्रति जिम्मेदारी कम नहीं होती। सरकार के हर कदम की आलोचना करना मात्र ही राजनीति नहीं होती। राजनीति में देश भाव दिखना चाहिए। आज देश का राजनीतिक वातावरण एक प्रकार से प्रदूषित जैसा दिखाई देता है। देश में इस राजनीतिक प्रदूषण के लिए हर राजनीतिक दल जिम्मेदार है। क्योंकि आज के राजनीतिक दल एक दूसरे को नीचा दिखाने और स्वयं को स्थापित करने की राजनीति करते दिखाई देते हैं। वास्तविकता यह है कि इस प्रकार की राजनीति किसी भी प्रकार से देश हितैषी नहीं कही जा सकती, लेकिन सवाल यह भी है की संसद की मजबूत सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते हुए कुछ लोग असंसदीय हरकत कर देते हैं। यह घटना सरकार के सुरक्षा इंतजामों पर गहरे सवाल अंकित करती है। अगर विपक्षी दल सरकार के गृह मंत्री पर सवाल उठाते हैं तो इसमें गलत क्या है। गृह मंत्री को जवाब देना ही चाहिए। क्योंकि गृहमंत्री जवाब नहीं देंगे तो कौन देगा? यहां पर सवाल यह भी आता है कि अगर गृह मंत्री जवाब देने के लिए आते हैं तो क्या विपक्ष उनको सुनने को तैयार होगा? यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है कि कई बार विपक्षी दल चर्चा से भागे हैं। हालांकि सुरक्षा बलों ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार होने वाले आरोपियों से पूछताछ हो रही है।

इस घटना को चाहे कुछ भी रूप दिया जाए, लेकिन इतना अवश्य कहा जा सकता है कि यह सभी मोदी सरकार के विरोधी हैं। विपक्षी दल इन आरोपियों के बारे में यह वकालत करते दिखते हैं कि वह बेरोजगारी के कारण मोदी सरकार से दुखी थे, और वे सरकार के विरोध में आक्रोश व्यक्त कर रहे थे। परंतु विपक्षी दलों को यह भी समझना चाहिए कि क्या आक्रोश व्यक्त करने का यह तरीका ठीक था? इसका प्रथम दृष्टया उत्तर यही होगा कि विरोध करने का स्थान संसद नहीं होना चाहिए। जैसे विरोध के अन्य आंदोलन होते हैं, वैसे ही लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करना चाहिए। यहां एक सवाल यह भी आ रहा है कि जो विरोध करने वाले हैं, उनको संबल कौन दे रहा है? क्या भाजपा के वे सांसद उनको संबल दे रहे हैं, जिन्होंने उनका पास बनबाने में सहयोग किया, या फिर यह भी विरोधियों की साजिश का हिस्सा है। क्योंकि एक सांसद अपनी ही सरकार के विरोध करने वालों को इस प्रकार का कृत्य करने की अनुमति नहीं दे सकता। और अगर यह सच है तो भाजपा के लिए और भी गंभीर बात है।

संसद में हुई घटना के निहितार्थ कुछ भी हों, लेकिन सुरक्षा का विषय कभी राजनीतिक नहीं होना चाहिए। आरोपियों की कार्यवाही के बाद लोकसभा में जिस प्रकार का दृश्य दिखाई दिया, उससे एक भय पैदा हुआ। सांसद इधर उधर भागने लगे। कुल मिलाकर आतंक की स्थिति निर्मित हो गई थी। यह एक प्रकार से सुरक्षा बलों की नाकामी ही थी। हालांकि यह और भी बड़ी घटना हो सकती थी, क्योंकि आरोपी जिस प्रकार से संसद के अंदर पहुंचने में सफल हो गए, उसके आधार पर कहा जा सकता है कि ऐसे ही खतरनाक इरादों वाले भी पहुंच सकते थे। इसके बाद फिर वैसा ही दृश्य उपस्थित होने में देर नहीं लगती, जो पूर्व में 13 दिसंबर को दिखाई दिया। यहां सवाल यह भी है कि आरोपियों ने इसी दिन को क्यों चुना? क्या इसके तार भी उस घटना से जुड़े हैं। इस बात की जांच की जानी चाहिए। खैरङ्ख जो भी हो घटना को हल्के में नहीं लेना चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष को भी इसकी गंभीरता समझना चाहिए। क्योंकि यह सब सुनियोजित तरीके से किया गया था। नारे लगाना और स्मोक बम फोड़ना उस स्थान पर सामान्य बात नहीं है, जहां ऐसा करना प्रतिबंधित हो। इस घटना को देश मानस के हिसाब से देखना चाहिए, राजनीतिक दृष्टि से नहीं।

संपादकीय

लोकसभा के उपचुनाव क्यों नहीं कराए गए?

लोकसभा की चार सीटें खाली हैं और चुनाव आयोग ने उन पर उपचुनाव नहीं कराए। क्यों नहीं कराए इसका बहुत अजीब सा जवाब चुनाव आयोग के पास है, जो उसने बॉम्बे हाई कोर्ट में दिया। बॉम्बे हाई कोर्ट ने पुणे लोकसभा सीट को लेकर चुनाव आयोग पर बहुत सख्त टिप्पणी की है। पुणे की सीट भाजपा के सांसद गिरीश बापट के निधन से खाली हुई थी। बापट का निधन इस साल 29 मार्च को हुआ था। यानी जब उनके निधन से सीट खाली हुई तब उस सीट का कार्यकाल एक साल से ज्यादा बचा हुए था। फिर भी चुनाव आयोग ने उप चुनाव नहीं कराया। अब जबकि लोकसभा चुनाव की घोषणा होने में चार महीने का समय बचा है और लोकसभा का कार्यकाल भी छह महीने से कम का रह गया है तो बॉम्बे हाई कोर्ट ने चुनाव आयोग को सख्ती के साथ कहा है कि वह पुणे सीट पर जल्दी से जल्दी उपचुनाव कराए।चुनाव आयोग इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करेगी। सर्वोच्च अदालत से इस मामले में राहत मिल जाएगी और उपचुनाव नहीं कराना होगा लेकिन सवाल तो वहां भी पूछा जाएगा कि जब 29 मार्च को सीट खाली हुई तो उपचुनाव क्यों नहीं कराया गया? क्या वहां भी आयोग का यही तर्क होगा कि उसकी पूरी मशीनरी मार्च 2023 से ही 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों में बिजी थी इसलिए उपचुनाव नहीं कराए गए? जस्टिस गौतम एस पटेल और जस्टिस कमल आर खाटा की बेंच ने इस तर्क को अजीबोगरीब माना है और बहुत सख्त टिप्पणी करते हुए कहा है कि किसी भी क्षेत्र को बिना प्रतिनिधित्व के नहीं छोड़ा जा सकता है। अदालत ने यहां तक कहा है कि यह पूरे संवैधानिक ढांचे को तहस-नहस करने जैसा है कि किसी क्षेत्र को बिना प्रतिनिधि के छोड़ दिया जाए।सोचें, चुनाव आयोग के इस तर्क पर कि उसकी पूरी मशीनरी एक साल से लोकसभा चुनाव की तैयारियों में बिजी है इसलिए पुणे लोकसभा सीट पर उपचुनाव नहीं कराए गए! पता नहीं अदालत के संज्ञान में यह बात लाई गई या नहीं कि चुनाव आयोग ने पुणे का चुनाव नहीं कराया लेकिन उसके बाद पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए और अनेक राज्यों में उपचुनाव हुए। मई में पंजाब की जालंधर लोकसभा सीट पर उपचुनाव कराया। उसके साथ ही ओडिशा, उत्तर प्रदेश और मेघालय में तीन विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव कराया। मई के बाद अगस्त में चुनाव आयोग ने झारखंड, केरल, पश्चिम बंगाल सहित छह राज्यों में सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव कराया। नवंबर में नगालैंड की एक सीट पर उपचुनाव हुआ। क्या तब चुनाव आयोग की मशीनरी लोकसभा चुनाव की तैयारियों में बिजी नहीं थी?महाराष्ट्र की पुणे सीट के अलावा देश में तीन और लोकसभा की सीटें खाली हैं। भाजपा के रतनलाल कटारिया के निधन से अंबाला सीट और कांग्रेस के बालूभाऊ नारायणराव धनोरकर के निधन से चंद्रपुर सीट खाली है, जबकि अफजल अंसारी को सजा होने की वजह से उत्तर प्रदेश की गाजीपुर सीट खाली है। ये तीनों सीटें मई में खाली हुईं। जहां तक मार्च में खाली हुई पुणे सीट का मामला है तो ऐसा लग रहा है कि किसी राजनीतिक मकसद से वहां चुनाव नहीं कराया गया।

चिंतन-मनन

अनुशासन का पाठ

गुरु अंबुजानंद के पास अनेक शिष्य शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। उनका आश्रम लंबे समय से चल रहा था। अब चूंकि अंबुजानंद काफी वृद्ध हो गए थे, गुरुकुल चलाना उनके लिए कठिन हो रहा था। वह अपने शिष्यों में से ही किसी एक को गुरुकुल का सारा कार्यभार सौंपना चाहते थे। एक दिन उन्होंने अपने 18 श्रेष्ठ विद्यार्थियों को अपने पास बुलाया। उन्होंने उनसे कहा, आप सभी प्रतिभाशाली, मेहनती और ईमानदार हैं। यदि मैं आपको शिक्षा के लिए किसी विशेष क्षेत्र में नियुक्त करना चाहूं तो आप कौन-कौन से क्षेत्र को चुनना चाहेंगे?

यह सुनकर सभी शिष्य कुछ देर सोचते रहे और फिर 17 विद्यार्थियों ने अपने-अपने मनपसंद क्षेत्रों के नाम गुरु को बता दिए। अठारहवां शिष्य आयुष अभी तक कुछ सोच ही रहा था। उसे चुप देखकर गुरु ने पूछा, बेटा आयुष, तुमने अपने लिए किसी क्षेत्र का चुनाव नहीं किया? गुरु की बात सुनकर आयुष ने सिर झुकाकर कहा, गुरुजी, मैंने आपसे ही शिक्षा ग्रहण की है। मैं आपके द्वारा सीखी गई शिक्षा को जन-जन तक फैलाना चाहता हूं। इसके लिए मुझे किसी क्षेत्र विशेष का चुनाव करने की आवश्यकता नहीं है। मैं हर क्षेत्र में आपके द्वारा प्रदान की गई शिक्षाओं को दूसरों तक पहुंचाना चाहूंगा।

हालांकि क्षेत्र से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है आपके दिए गए मूल्य या संस्कार का प्रसार, जो शास्त्रों से अलग है। मैं चाहता हूं कि लोग उसे जानें ताकि वे नैतिक दृष्टि से भी श्रेष्ठ हों। मात्र पुस्तकीय ज्ञान से कुछ नहीं होने वाला है। आपने जो अनुशासन का पाठ हमें पढ़ाया है, उसे तो मैं विशेष रूप से सिखाना चाहूंगा। ज्ञान पाने के लिए व्यक्तित्व को एक खास सांचे में ढालना पड़ता है। आपने जिस तरह हमें ढाला है, मैं भी दूसरों को ढालना चाहूंगा। आयुष की बात सुनकर गुरु अंबुजानंद का चेहरा प्रसन्नता से खिल उठा। उन्होंने उसे गले से लगाकर कहा, बेटा, आज से यह गुरुकुल तुम्हारी देखरेख में ही चलेगा।

बीमा कंपनियों की लूट सरकार मौन, इरडा की आंखें बंद

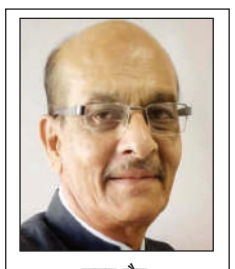

सनत जैन

केंद्र सरकार के तमाम प्रयासों के बाद भी देश के 87 फीसदी लोगों के पास जीवन बीमा की पॉलिसी नहीं है। 73 फीसदी लोग स्वास्थ्य बीमा से वंचित हैं। राष्ट्रीय बीमा अकादमी की जो रिपोर्ट आई है, वह काफी चौंकाने वाली है। भारत में 26 वर्ष से लेकर 45 वर्ष आयु के 90 फीसदी लोगों को जीवन बीमा का लाभ अभी तक नहीं पहुंचा है। छोटे शहरों में 77 फीसदी लोगों को पर्याप्त कवर वाली जीवन और स्वास्थ्य बीमा की सुरक्षा नहीं मिल पा रही है। स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी में जमकर लूट हो रही है। स्वास्थ्य बीमा और जीवन बीमा पॉलिसी बेचने वाली निजी कंपनियां पाल्सी होल्डर के साथ लूट कर रही हैं। पाल्सी बेचते समय और प्रीमियम जमा करने की शर्तें अलग हैं। उस समय पॉलिसी होल्डर को अपने नियम कायदे-कानून नहीं बताना, उनका स्वास्थ्य परीक्षण नहीं करना और बीमा पॉलिसी बेच देना। निजी कंपनियों के लिये बहुत आसान है। लेकिन जब मुआवजा देने की बात आती है, तब यह कंपनियां मुकर जाती हैं। नियम कायदे कानून और शर्तों की आड़ में बिना ठोस कारण बताए उनके मेडिक्लेम के केस खारिज कर दिए जाते हैं। कुछ इसी तरीके की शिकायतें अब जीवन बीमा पालिसी की भी सामने आने लगी हैं। कई वर्षों तक प्रीमियम जमा करने के बाद जब व्यक्ति की मौत होती हैख् तो तरह-तरह के कारण बताकर उसके परिवार जनों को बीमा राशि का भुगतान नहीं किया जाता है।

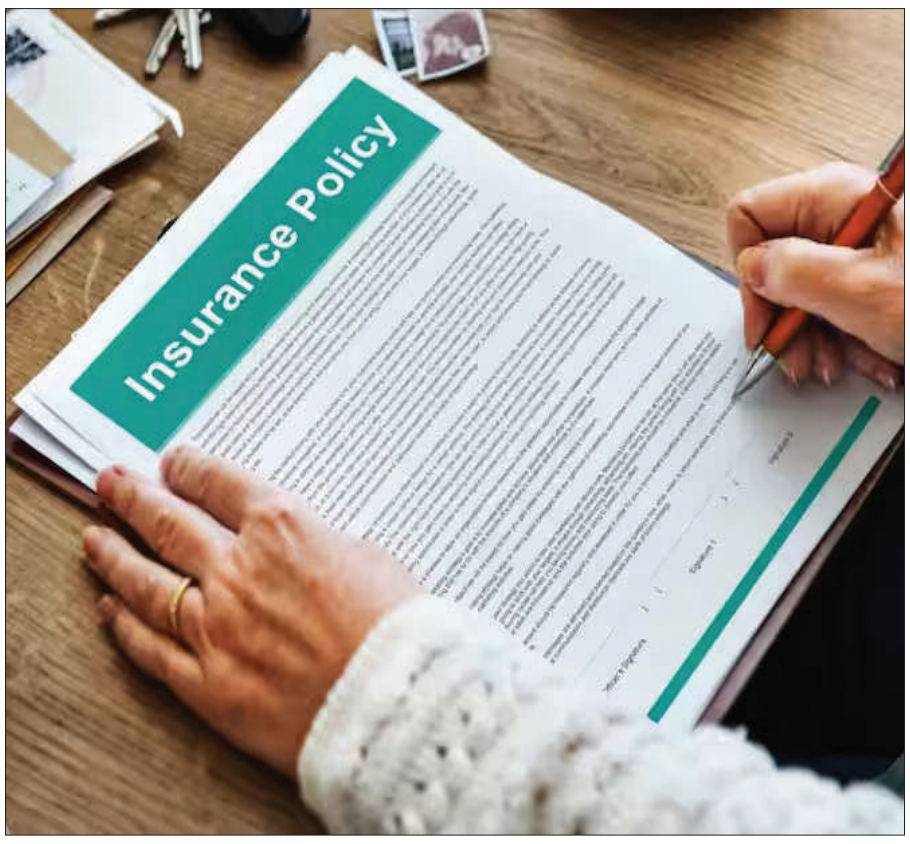

मेडिक्लेम के 80 फीसदी क्लेम को बीमा कंपनियों ने बिना कारण बताए ठुकरा दिया है। जिन्होंने मेडिक्लेम की बीमा पॉलिसी ली थी, वह अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। कोरोना के बाद स्वास्थ्य बीमा लेने की लोगों में समझ बढ़ी है। लोग अपने परिवार की सुरक्षा के लिए मेडिक्लेम पॉलिसी बड़े पैमाने पर लेने लगे हैं। जब मेडिक्लेम की पॉलिसी बेची जाती है, उस समय पोलसी होल्डर को कुछ नहीं बताया जाता है। लेकिन जब कोई क्लेम आता है तो उसे बिना ठोस कारण बताएं खारिज कर दिया जाता है। पिछले 1 साल में हेल्थ इंश्योरेंस से जुड़ी 29153 शिकायतें लोकपाल के पास पहुंची। इनमें लगभग 12348 लोकपाल के पास पहुंची है। जिनमें से 80 फीसदी बिना सुनवाई के लोकपाल महोदय द्वारा खारिज कर दी गई हैं। लोकपाल भी बीमा कंपनियों के एजेंट की तरह काम करते हुए दिख रहे हैं। जब कोई भी शिकायत लोकपाल के यहां पहुंचती है, तो पॉलिसी होल्डर को 18 पेज की नियम और शर्तें थमा दी जाती हैं। शर्तें जो भी थी, यह पॉलिसी देते समय क्यों नहीं थमाई गई। इसका निराकरण भी बीमा लोकपाल नहीं करता है। बीमा कंपनियों की यदि इस तरीके की शर्तें हैं, तो उन्हें पॉलिसी देने के पहले उन्हें अनिवार्य स्वास्थ्य परीक्षण कराना चाहिए। जब पाल्सी का नवीनीकरण करते हैं, तब भी उन्हें स्वास्थ्य परीक्षण कराकर ही पॉलिसी बेचना चाहिए। लोन और एडवांस के समय बैंकों द्वारा जो अनिवार्य पॉलिसी दी जाती हैं, उसमें भी पैसे काटने के पहले स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य होना चाहिए। क्लेम की राशि क्यों काटी जा रही है, इसका भी कारण बीमा कंपनियों को बताना चाहिए। बीमा कंपनियां करोड़ों रुपए की लूट बीमा के नाम पर कर रहे हैं। अनिवार्य बीमा के नाम पर जजिया कर की तरह लोगों से प्रीमियम की वसूली की जा रही है। जब क्लेम देने की बारी आती है, तब तरह-तरह के नियम कायदे कानून बताकर क्लेम रिजेक्ट करना अपराधिक कृत्य माना जाना चाहिए। बीमा कंपनियों की कार्यप्रणाली इसी बात से समझी जा सकती है, कि राष्ट्रीय उपभोक्ता निवारण सहित अन्य आयोग में 1.60 लाख बीमा क्लेम पेंडिंग पड़े हुए हैं। बीमा लोकपाल द्वारा पिछले 1 साल में 5972 मामलों में ग्राहक के पक्ष में तथा 3270 मामलों में बीमा कंपनियों के हक में फैसले दिए हैं। बीमा कंपनियों ने सबसे प्रीमियम तो वसूल किया है, लेकिन क्लेम देने के मामले में बहुत पीछे हैं। बीमा कंपनियां ग्राहकों को ठगकर अरबों रुपए की कमाई प्रतिवर्ष कर रहे हैं। सरकार आंख में पट्टी बांधकर बैठी हुई है। बीमा लोकपाल भी बिना सुनवाई किए हुए क्लेम की शिकायतों को खारिज कर रहे हैं। बीमा नियामक आयोग इरडा की चुप्पी से अब लोगों में नाराजी बढ़ने लगी है। बीमा कंपनियों की ठगी निर्बाध रुप से जारी है।

वैश्विकी : पाकिस्तान इन, इंड़िया आउट

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिका का जो बाइड़न प्रशासन भारत के साथतकरार जारी रखने पर आमादा लगता है। दूसरी ओर, अमेरिका और पाकिस्तान के रिश्ते में गर्मजोशी लाकर भारत को संदेश दिया जा रहा है। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को भारत के हवाले करने की बजाय अमेरिका उसे अभिव्यक्ति की आजादी का प्रतीक साबित करने में लगा है। अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के प्रमुख क्रिस्टोफर की हाल की भारत यात्रा से यह आशा बंधी थी कि पन्नू प्रकरण अब सुलझा लिया गया है, लेकिन इस यात्रा के तुरंत बाद अमेरिकी प्रशासन ने पन्नू प्रकरण पर भारतीय मूल के अमेरिकी सांसदों को जांच की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए एक ब्रीफिंग का आयोजन किया था। ये सांसद 'समोसा कांग्रेस' के सदस्य हैं।

इन सांसदों अमी बेरा, रोहित खन्ना, प्रमिला जयपाल, राजा कृष्णमूर्ति और थानेदार ने एक वक्तव्य जारी किया जिसमें अमेरिका के पक्ष को ही उजागर किया गया। इन सांसदों ने भारत सरकार से आग्रह किया कि वह पन्नू की हत्या की साजिश को गंभीरता से ले तथा इसमें शामिल लोगों के विरुोद्ध कार्रवाई करे।

वास्तव में ये सांसद भारत के प्रति अमेरिका के नये

रवैये को ही जाहिर कर रहे थे। विदेश नीति के जानकारों के अनुसार बाइड़न प्रशासन भारत को संदेश देना चाहता है कि वह अपने आतंकवादी विरोधी अभियान को अमेरिका और उसके सहयोगी देशों तक नहीं फैलाए। दूसरे शब्दों में उसका कहना है कि भारत एंग्लो-सेक्शन देशों (अमेरिका, कनाड़ा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड़) में भारत विरोधी तत्वों और खालिस्तानी पृथकतावादियों की गतिविधियों के संबंध में आंख मूंद ले। भारत विरोधी आतंकवादियों और पृथकतावादियों को इन देशों में पनाह मिलती है तथा उनकी गतिविधियों पर कोईरोक नहीं है। वास्तव में भारत विरोधी इन गुटों के कई सदस्य अमेरिकी सीआईए सहित अन्य विदेशी खुफिया एजेंसियों के एजेंट हैं। इस घटनाक्रम में यह आश्चर्य की बात हीं है कि राष्ट्रपति बाइड़न ने गणतंत्र दिवस में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का निमंत्रण अस्वीकार कर दिया। इसके साथही इंड़ो-पेसिफिक पर केंद्रित क्वाड़ की शिखर वार्ता को भी टाल दिया गया। दोनों देशों के बीच यह मन-मुटाव सीमित और तात्कालिक है अथवा आगे जाकर यह बढ़रू भी सकता है, यह भविष्य की बात है। फिलहाल, अमेरिका ने पाकिस्तान को नये सिरे से तवज्जो देना शुरू कर दिया है।

पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल मुनीर और खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रमुख नदीम अंजुम ने हाल में वॉशिंगटन की यात्रा की है। इस दौरान उन्होंने विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड़ ऑस्टिन सहित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया। इसका तात्कालिक कारण यह हो सकता है कि लाल सागर और अरब सागर में यमन के हूती विद्रोहियों की गतिविधियों पर काबू पाने के लिए ताजा कार्रवाईकी जाए। गाजा में इस्त्राइल के नरसंहार का विरोध करने के लिए हूती लाल सागर से होकर गुजरने वाले इस्त्राइली जहाजों को निशाना बना रहे हैं। अब इसकी चपेट में इस्त्राइल के बंदरगाहों का उपयोग करने वाले अन्य देशों के जहाज भी आ गएहैं। लाल सागर और स्वेज नहर अंतरराष्ट्रीय व्यापार का एक प्रमुख जरिया है। हूती विद्रोहियों से इस जलमार्ग को सुरक्षित करना कठिन काम है। खतरा इस बात का भी है कि यदि अमेरिका और उसके सहयोगी देश विद्रोहियों के खिलाफ कोई कार्रवाई करते हैं, तो खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैनिक अड्डे. ड्रोन और मिसाइलों का निशाना बन सकते हैं। तेल क्षेत्रों और संयंत्रों की सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती है। इस क्षेत्रमें पाकिस्तान की भौगोलिक स्थिति का रणनीतिक महत्व है। बदलते हुए अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम में अमेरिका को इस समय पाकिस्तान की जरूरत है। इसके बदले में पाकिस्तान को क्या मिलेगा, यह बाद में स्पष्ट होगा।

मोदी सरकार के सामने अब यह सवाल है कि गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि के तौर पर किसे आमंत्रित किया जाए। भारत में जनमत तो इसके पक्ष में है कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन मुख्य अतिथि बनें और इसी दौरान बरसों से लंबित शिखर वार्ता का आयोजन हो।

नमामि भारत
सोमवार, 18 दिसंबर 2023
www.namamibharat.com

राम के अयोध्या आगमन पर झूम रहा है अमेरिका, प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर होगा उत्सव

वाशिंगटन । अगले माह अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा होना है। जिसकी तैयारियां बहुत तेजी से चल रहीं है। भारत सहित कई देशों में जश्न का माहौल है। राम आएंगे...जैसे भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम जगह जगह होने लगे हैं। अमेरिका में भी कई तरह के आयोजन हो रहे हैं। आयोजकों का कहना है कि शनिवार दोपहर समुदाय के लोग 'फ्रेडरिक सिटी मैरीलैंड के पास 'अयोध्या वे में श्री भक्त अंजनेय मंदिर में एकत्र हुए और इस रैली के साथ ही भारत में राम

मंदिर के निर्माण की खुशी में महीने भर के कार्यक्रमों की शुरुआत हो गई। अमेरिका में भी अमेरिकी हिंदू समुदाय के लोगों ने अयोध्या में राम मंदिर में अगले साल होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह की खुशी में वॉशिंगटन के एक उपनगर में कार रैली का आयोजन किया। इस दौरान हिंदूओं समुदाय के लोगों ने जय श्री राम के नारे लगाए। आयोजन के संबंध में विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका डीसी के अध्यक्ष महेंद्र सापा ने कहा,अमेरिका में 20 जनवरी को आयोजित होने वाले उत्सव में सभी परिवारों को आमंत्रित किया। 'हिंदुओं के 500 वर्ष के संघर्ष के बाद भगवान श्री राम मंदिर का उद्घाटन (मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा) की जा रही है और हम इसी खुशी में अगले साल 20 जनवरी को लगभग 1,000 अमेरिकी हिंदू परिवारों के साथ वाशिंगटन में एक ऐतिहासिक उत्सव आयोजित कर रहे हैं। उत्सव में राम लीला आयोजित की जाएगी, श्री राम की कथाएं सुनाई जाएंगी, श्री राम की पूजा की जाएगी, भगवान श्री राम एवं उनके परिवार के लिए भजन गाए जाएंगे। उन्होंने कहा, ''इस उत्सव में अलग-अलग आयुवर्ग के लोग भगवान श्री राम के जीवन पर आधारित लगभग 45 मिनट की ऐसी प्रस्तुति देंगे जो अमेरिका में पैदा हुए बच्चों को समझ आ सके।

कुवैत के शासक अमीर शेख का निधन, पीएम मोदी ने जताया शोक

कुवैत सिटी। कुवैत के शासक अमीर शेख नवाफ अल अहमद अल सबा का 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन पर पीएम नरेन्द्र मोदी ने शोक जताया है। गौरतलब है कि तीन साल का उनका शासन देश के अंदरूनी राजनीतिक विवाद का समाधान करने के प्रयास पर केंद्रित रहा। अमीर के निधन की घोषणा करते हुए एक शीर्ष अधिकारी ने बयान पढ़कर सुनाया, 'उदास मन और बड़े दुख के साथ हम कुवैत के लोग, अरब और इस्लामिक जगत तथा दुनिया के मैत्रीपूर्ण लोग महामहिम शेख नवाफ अल अहमद अल सबा के निधन पर शोक मनाते हैं। वह आज चल बसे। हालांकि, प्रशासन ने उनके निधन की वजह नहीं बताई है। बताया जा रहा है कि कुवैत के उपशासक एवं शेख नवाफ के सौतेले भाई शेख मिशाल अल अहमद अल जाबिर (83) दुनिया के सबसे अधिक उम्र के राजवंशीय राजकुमार समझे जाते हैं। वही फिलहाल कुवैत के अगले शासक बनने की कतार में हैं। वह अरब देशों के 80 साल से अधिक उम्र के नेताओं में से एक हैं। मिली जानकारी के अनुसार नवंबर के आखिर में शेख नवाफ को किसी अज्ञात बीमारी को लेकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब से तेल समृद्ध यह छोटा देश उनके स्वास्थ्य के बारे में लगातार चिंतित था। इधर पीएम नरेंद्र मोदी ने शेख नवाफ अल-अहमद अल-जबर अल-सबा के निधन पर शोक जताते हुए सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, महामहिम शेख नवाफ अल-अहमद अल-जबर अल-सबा के दुर्भाग्यपूर्ण निधन के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। हम शाही परिवार, नेतृत्व और कुवैत के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। वहीं ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने उनके निधन पर शोक प्रकट करते हुए कहा, 'महामहिम ब्रिटेन के मित्र थे और हमारे द्विपक्षीय संबंधों के लिए एवं पश्चिम एशिया में स्थायित्व को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने जो कुछ किया, उसके लिये हम उन्हें याद करेंगे।

इजराइल सैन्य अभियान समाप्ति से पूर्व बंधकों की रिहाई असंभव : हमास

गाजा । हमास ने कहा कि गाजा पट्टी में जब तक कि इज़राइल सैन्य अभियान समाप्त नहीं हो जाता, तब तक बंधकों की अदला-बदली पर कोई बातचीत नहीं करेगा । हमास ने शनिवार को एक बयान में कहा कि हमास आंदोलन कैदियों की अदला-बदली पर तब तक कोई बातचीत नहीं करने की अपनी स्थिति दोहराता है जब तक कि हमारे लोगों के खिलाफ सैन्य अभियान अंतत : समाप्त नहीं हो जाता। गौरतलब है कि फ़िलिस्तीनी आंदोलन हमास ने 7 अक्टूबर को सीमा पार गाजा पट्टी से इज़रायल के खिलाफ बड़े पैमाने पर रॉकेट हमला किया, जिसमें 1,200 से अधिक लोग मारे गए और लगभग 240 अन्य का अपहरण कर लिया गया। इज़रायल ने जवाबी हमले शुरू किए, गाजा की पूर्ण नाकाबंदी का आदेश दिया और हमास लड़ाकों को खत्म करने और बंधकों को बचाने के घोषित लक्ष्य के साथ फिलिस्तीनी इलाके में जमीनी घुसपैठ शुरू की। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार संघर्ष के चलते गाजा में अब तक 18,700 से अधिक लोग मारे गए हैं।

जहाज दुर्घटना में 61 प्रवासी डूबे

त्रिपोली ।86 लोगों को लेकर लीबिया से रवाना हुए एक जहाज़ के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमे सवार 61 प्रवासियो के डूबने की खबर है। लीबिया में संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर कहा, 'लीबिया के पास एक दुखद जहाज़ दुर्घटना के बाद महिलाओं और बच्चों सहित 61 प्रवासी डूब गए।

डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने किया गाजा में युद्धविराम का आह्वान

जिनेवा। गाजा पट्टी में तत्काल युद्धविराम के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस एडनोम घेब्रेयेसस ने शुक्रवार को मानवीय राहत के तत्काल, निरंतर और निर्बाध मार्ग का आह्वान दोहराया। जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र में मान्यता प्राप्त संवाददाताओं के संघ द्वारा आयोजित एक वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में टेड्रोस ने कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र में स्वास्थ्य स्थिति पर डब्ल्यूएचओ कार्यकारी बोर्ड के विशेष सत्र में अपनाए गए प्रस्ताव को 卐महत्वपूर्ण卐 बताया, जिसमें चिकित्सा कर्मियों सहित गाजा में मानवीय राहत के तत्काल, निरंतर और निर्बाध मार्ग का आह्वान किया गया था। प्रस्ताव में टेड्रोस से संकट के सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभावों पर रिपोर्टिंग जारी रखने, संकट के मानसिक स्वास्थ्य प्रभावों का आकलन करने, तकनीकी और भौतिक सहायता बढ़ाने और भागीदारों के साथ स्वास्थ्य एजेंसी के काम को मजबूत करने का भी आह्वान किया।

जहरीली हुई पाकिस्तान की हवा, कराना पड़ी कृत्रिम बारिश

इस्लामाबाद। दुनिया का सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर लाहौर है। यहां सांस लेना दूभर है। कई संगठन समुचित उपाय करने की मांग भी उठा चुके हैं। संगठनों के बने दबाव के कारण बीते रोज पाकिस्तान की पंजाब सरकार द्वारा कृत्रिम बारिश करवाई गई है। सरकार का दावा है कि लाहौर के दस इलाकों में किया गया यह प्रयोग काफी सफल रहा है।

पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि यह प्रयोग लाहौर के 10 इलाकों में किया गया और यह सफल रहा।उन्होंने कहा, क्लाउड सीडिंग प्रयोगों के कारण आज लाहौर के लगभग 10 प्रतिशत क्षेत्रों में बारिश हुई। उन्होंने कहा कि क्लाउड सीडिंग के लिए कम से कम 48 फ्लेयर्स तैनात किए गए थे। 15 किलोमीटर के दायरे के 10 इलाकों में हल्की बारिश देखी गई। प्रयोग के नतीजों का और आंकलन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री नकवी ने कहा, कृत्रिम बारिश के लिए एक भी पैसा खर्च नहीं किया गया। धुंध से निपटने के लिए सरकार कोई भी उपाय करने के लिए तैयार है। उन्होंने प्रांतीय राजधानी में हवा में प्रदूषकों को धोने के लिए कृत्रिम बारिश, जिसे क्लाउड सीडिंग भी कहा जाता है, शुरू करने में यूएई सरकार की मदद के लिए धन्यवाद दिया। पिछले महीने, स्थानीय मीडिया ने बताया कि पंजाब प्रांत लाहौर में चीन की मदद से कृत्रिम बारिश का प्रयोग करने की योजना बना रहा है, नकदी संकट से जूझ रहे देश में इस परियोजना पर 350 मिलियन रुपये खर्च होने का अनुमान है।

एक पारंपरिक गीत और नृत्य बैंड के सदस्य बुखारेस्ट, रोमानिया में शीतकालीन परंपराओं और रीति-रिवाजों के त्योहार सीटेटिया लुई बुकुर के दौरान भालू नृत्य करते हुए।

तूफान में 4 माह का बच्चा उड़ गया, कई फिट ऊपर आसमान में रहा, फिर भी सकुशल नीचे आया

वाशिंगटन। अमेरिका में एक बड़ा चमत्कार देखा गया है। जहां बहुत तेज गति से आए एक तूफान ने 4 माह बच्चे को पालने सहित उड़ा लिया। काफी देर तक बच्चा आसमान में ही झूलता रहा...लेकिन बाद में इतनी आसानी से नीचे आ गया है कि बच्चे की मां इसे भगवान का चमत्कार बता रही है। ये घटना टेनेसी की है। जहां शनिवार को देर रात आए एक तूफान ने सबकुछ उलट पुलट कर दिया। लोगों के घरों की छत उड़ गई और घर में रखा सामान भी बिखर गया। यहां तक की इंसान और जानवर भी इसकी चपेट में आने से घायल हुए हैं। बच्चे के माता-पिता का कहना है कि 'भगवान की कृपा से' उनका बच्चा जीवित पाया गया है. कपल ने कहा कि शनिवार को एक घातक बवंडर ने उनके घर को तहस नहस कर दिया। इसी दौरान घर की छत उड़ गई और उनके बच्चे का पालना भी उड़ गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हालांकि वह बच्चा चमत्कारिक रूप से बच गया और उसे मूसलाधार बारिश में गिरे हुए एक पेड़ के बीच पाया गया। तूफान में उस बच्चे, उसके एक साल के भाई और माता-पिता को केवल मामूली चोटें आई है। दो बच्चों की मां, 22 वर्षीय सिडनी मूर ने कहा कि जैसे ही तूफान आया उनके घर की छत उड़ गई। मूर ने एक स्थानीय समाचार स्टेशन को बताया कि 'तूफान बहुत तेजी से आया और मेरे बच्चे को पालने सहित उड़ा कर ले गया. इसके बाद उसके पिता उसे बचाने के लिए दौड़े इसी दौरान तूफान ने उन्हें भी अपनी चपेट में ले लिया. वह पूरे समय बस पालने को पकड़ने की कोशिश कर रहे थे।' जब ऐसा हो रहा था तो मूर ने अपने एक वर्षीय बेटे, प्रिंसटन को पकड़ लिया। उन्होंने आगे कहा कि 'जब घर की दीवारें गिर रही थीं तो मैंने बच्चे को पकड़ लिया।' मूर और एक वर्षीय बच्चा पलटे हुए ट्रेलर के नीचे आ गए, हालांकि उन्होंने बताया कि वह उन्हें गंभीर चोट के बिना बाहर निकालने में सक्षम थीं। उन्होंने 10 मिनट तक छोटे बेटे की तलाश की और आखिरकार उसे एक गिरे हुए पेड़ के पास पड़ा पाया.

इजरायल ने फिर कर दी बड़ी गलती...हवाई हमला कर अमेरिकी कर्मचारी को मारा

-कंपनी ने घटना को दु : खद बताया

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल और हमास के बीच जारी जंग में अब नए लगातार चूक होने और खुद अपना नुक्सान करने जैसी खबरें आम हो रही हैं। हमास से जंग लड़ते हुए इजरायल की सेना ने गाजा में महज 48 घंटे के भीतर दूसरी सबसे बड़ी गलती कर अपना ही नुकसान कर लिया है। दरअसल इजरायल ने हवाई हमले में अपने मददगार अमेरिका के ही एक कर्मचारी को मार गिराया। इससे एक दिन पहले इजरायल ने अपने ही 3 बंधकों को गाजा में गलती से मार दिया था।

इस तरह से गाजा में एक दिन पहले इजराइली सेना ने अपने ही 3 बंधकों को हवाई हमले में मार गिराया और अब फिर एक और बड़ी भूल उसने कर दी है। इजरायल ने गाजा में अमेरिकी एजेंसी के एक कर्मचारी को हवाई हमला कर ढेर कर दिया है। इससे अमेरिका में भी खलबली मची हुई है।

गौरतलब है कि इस युद्ध में अमेरिका ही इजरायल का सबसे बड़ा मददगार साबित हुआ है। अब जबकि इजरायली सेना ने बड़ी गलती करते हुए अमेरिकी कर्मचारी को ही निशाना बनाया और उसे ढेर कर दिया है तो हालात बिगड़ भी सकते हैं। जानकारी अनुसार

इजरायल के हवाई हमले में गाजा में यूएसएआईडी यानी अमेरिकी एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेव्लप्मेंट का एक कर्मचारी मारा गया है। इससे आशंका जाहिर की जा रही है कि अमेरिका इजराइल को युद्ध रोकने और बातचीत करने को कह सकता है। इसके अलावा अमेरिका इजराइल से अपने कर्मचारियों को बाहर कर युद्ध से ही बाहर हो सकता है। बहरहाल इन सब में इजराइल को ही खासा नुकसान होने वाला है, जिसका अंदाजा उसे खुद भी है।

परिवार समेत कर्मचारी की हुई है मौत

एक बयान में बताया गया कि गाजा पर हजराइल के हवाई हमले में हानी जेना, उनकी पत्नी, उनकी दो और चार वर्ष की दो बेटियां समेत परिवार के अन्य सदस्य मारे गए हैं। इसी बीच अमेरिकी कर्मचारी हानी जेना के एक सहयोगी ने उक्त जानकारी दी है। वहीं यूएसएआईडी ने अपने कर्मचारी के मारे जाने को गंभीरता से लिया और मानवीय मदद मुहैया कराने के लिए वहां मौजूद कर्मचारियों की व्यापक सुरक्षा किये जाने की अपील की है। एक रिपोर्ट के अनुसार जेना ने इससे पहले एक संदेश अपने सहयोगी को भेजा था जिसमें उसने लिखा था, कि 'मेरी बेटियां डरी हुई हैं और मैं उन्हें शांत रखने की कोशिश कर रहा हूं, लेकिन यह बमबारी भयावह है।'

एजेंसी ने क्या कहा?

इस पूरे मामले में अमेरिकी एजेंसी का कहना था कि इंटरनेट-प्रौद्योगिकी कार्मचारी जेना ने हवाई हमलों से बचने के लिए अपने परिवार के साथ गाजा सिटी में एक मकान में शरण ली हुई थी, लेकिन जेना और उनका परिवार हमले से बच नहीं सका। यूएसएआईडी के कर्मचारी व उसके परिवार की इजराइली सेना के हवाई हमले में हुई मौत से सभी स्तब्ध हैं। यूएसएआईडी की प्रवक्ता जेसिका जेनिंग्स ने शनिवार को ईमेल करते हुए कहा, कि 'यूएसएआईडी समुदाय इस युद्ध में निर्दोष नागरिकों और हानी जेना जैसे साहसी व्यक्ति सहित मानवीय सहायताकर्मियों के मारे जाने पर शोक व्यक्त करता है।

इजरायली सेना पर लगा अपनों के कत्ल का इल्जाम, नेतन्याहू की बढ़ी परेशानी

गाजा (एजेंसी)। इजरायली सेना आईडीएफ पर अपने ही लोगों के कत्ल करने का इल्जाम लग रहा है। इसके चलते आईडीएफ चौतरफा आलोचना झेल रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आईडीएफ ने उन तीन नागरिकों पर तब गोली चलाई जब वे हवा में सफेद झंडे लहरा रहे थे। इस गोलीबारी के बाद आईडीएफ पर उन आरोपों को बल मिल रहा है कि गाजा में वह हमास आतंकी ही नहीं आम नागरिकों को भी निशाना बना रही है। हाल ही में हमास द्वारा संचालित गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया था कि शहर में मरने वालों की तादाद 20 हजार पार कर गई है। इसमें दो तिहाई महिलाएं और बच्चे हैं। पहले जहां अमेरिका इस युद्ध में इजरायल का समर्थन कर रहा था, उसने भी अपने हाथ खींचने की तैयारी कर ली है। मीडिया रिपोर्ट में दो अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि जो बाइडेन सरकार ने गाजा पर इजरायली हमले के लिए नई योजना बनाई है। अमेरिका ने इजरायल से कहा है कि वो जितनी जल्दी हो सके गाजा पर जमीनी अभियान पूरा कर ले। इस नए प्लान ने इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के लिए भारी मुश्किल पैदा कर दी है।

गौरतलब है कि गाजा पट्टी में मच रहा कत्लेआम अब दुनिया भर के देशों के साथ अमेरिका को भी चिंता में डाल रहा है। जो बाइडेन सरकार को अपनी गिरती साख सता रही है। हाल ही में गाजा पट्टी पर अभियान के दौरान इजरायली सेना ने गलती से अपने ही लोगों पर गोलियां चला दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स आईडीएफ पर ऐसे आरोप लगा रही है कि इजरायल को मालूम नहीं था कि वो उसके ही नागरिक हैं, वह उन्हें फिलिस्तीन के आम नागरिक समझ रही थीं। इस कत्लेआम से इजरायल अब बैकफुट पर है। उसने मामले में हाई प्रोफाइल जांच के आदेश दिए हैं। वहीं इजरायली सेना की तरफ से बयान आया है कि वो घटना से गलती से हो गई। हमारे सैनिक पिछले काफी दिनों से कठिन परिस्थितियों में गुजर रहे हैं। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। हालांकि इजरायल के खेद प्रकट करने वाले बयान से यह मामला जल्द सुलझते हुए नहीं नजर आ रहा है। अब समाचार यह है कि अमेरिका ने इजरायल को गाजा पर जमीनी अभियान समाप्त करने की बात कही है। अमेरिका के नए प्लान ने बेंजामिन नेतन्याहू को नाराज कर दिया हैं।

चीनी विदेश मंत्री के गायब होने के पीछे पुतिन का हाथ बताया

बिजिंग (एजेंसी)। चीन और रूस की दोस्ती भले ही दुनिया में मशहूर है। लेकिन चीन के विदेश मंत्री किन गैंग के लापता होने को लेकर रूस पर बड़े आरोप लगाए गए हैं। एक रिपोर्ट में दावा किया है कि चीनी विदेश मंत्री के लापता होने के पीछे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का हाथ है। कहा जा रहा है कि पुतिन की टिप के कारण चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को अपने विदेश मंत्री को गायब करने लिए मजबूर होना पड़ा। एक रिपोर्ट के मुताबिक आशंका है कि चीनी विदेश मंत्री किन गैंग रूस के 'स्पाई वॉर' का शिकार हो गए हैं। हालांकि एक तरफ जहां चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग रूस के साथ मजबूती से खड़े हैं, वही किन गैंग चीन की विदेश नीति को रूस से दूर यूक्रेन के पक्ष में चला रहे थे। इससे पुतिन काफी नाराज हुए थे। हालांकि यह सब मई में शुरू हुआ जब एक चीनी प्रतिनिधिमंडल ने यूक्रेन का दौरा किया और राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की। यह बैठक पहला संकेत थी कि बीजिंग रूस-यूक्रेन युद्ध में अपना रुख बदल रहा है। इससे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन नाराज थे। उस बैठक के ठीक बाद चीन ने जी-7 बैठक में जापान जाने के लिए जेलेंस्की को चीनी हवाई क्षेत्र का उपयोग करने की भी अनुमति दी। जिसमें जेलेंस्की ने रूस पर जमकर निशाना साधा और दुनिया से अधिक समर्थन और सहायता की अपील की।

इधर चीन के विदेश मंत्री किन को पावर से दूर करने के लिए रूस ने जासूसी इनफॉरमेशन की मदद ली। रूस की ओर से बीजिंग को गुप्त सूचना दी गई कि किन गैंग का अमेरिका से करीबी संबंध हो सकता है। इस दावे के समर्थन में रूस ने मजबूत साक्ष्य दिए थे जिसने शी जिनपिंग को ठोस कार्रवाई करने के लिए मजबूर किया। हालांकि यह साफ नहीं है कि रूसी खुफिया विभाग ने चीन को क्या सबूत दिये थे। एक हाई-प्रोफाइल चीनी टीवी एंकर के साथ किन के विवाहेतर संबंध के बारे में संभवतः रूस ने पक्के सबूत दिए थे। किन को अमेरिका में एक सरोगेट मां की मदद से टीवी एंकर से एक बच्चा हुआ था। यह महिला अमेरिका और ब्रिटेन में रह चुकी थी। रूस ने कहा ता कि किन गैंग को एक ऐसी महिला ने भ्रष्ट किया जो पश्चिमी देशों के बेहद करीब थी। तभी से विदेश मंत्री गैंग लापता हो गए थे।

पृथ्वी के दो तरह के अंत का जिक्र मिलते हैं देखने को

-गर्मी से वायुमंडल का हर परमाणु बाहर उड़ जाएगा

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। क्या पृथ्वी का भी अंत होगा और होगा, तो वह कैसे होगा। कई वैज्ञानिकों ने विश्लेषण किया है कि ऐसा कैसे हो सकता है और इस बात की व्याख्या करने की कोशिश की है कि तमाम तरहों से पृथ्वी अपने आखिरी अंजामों तक कैसे पहुंच सकती है। पृथ्वी के अमूमन दो तरह के अंत का जिक्र देखने को मिलते हैं। एक तो सामान्य अंत, जैसा कि किसी ग्रह का हो सकता है।

जानकारी के मुताबिक सामान्य रूप से या तो पृथ्वी सूर्य में जाकर समा जाएगी या फिर सौरमंडल से बाहर निकल कर और बंजर चट्टान बन कर अनंत काल के लिए अंततारकीय अंतरिक्ष में भटकती रहेगी। वहीं असामान्य अंजाम में पृथ्वी इस सब से पहले ही नष्ट हो जाएगी।एक वैज्ञानिक धारणा के मुताबिक जहां समय के साथ सूर्य और अधिक गर्मी पृथ्वी पर फेंकेगा और वायुमंडल का हर परमाणु बाहर उड़ जाएगा। पृथ्वी की सतह पर गर्मी से सबकुछ राख हो जाएगा। इसके अगले पांच से सात अरब सालों में पृथ्वी का यही हाल हो सकता है और वह सूर्य से दूर होती जाएगी जबकि सूर्य तब तक बुध और शुक्र को निगल चुका होगा और पृथ्वी पूरी तरह से सूखी बंजर चट्टान बन कर अंतरिक्ष में भटकने लगेगी। एक दूसरी संभावना यह है कि पृथ्वी पर जीवन खत्म होने के बाद बंजर ग्रह के तौर पर भी वह सौरमंडल में रहेगी। इस दौरान कई बाते हो सकती हैं। एक संभावना में तो पृथ्वी से कोई पिंड टकरा कर उसे खत्म कर देगा या फिर निगल लेगा। क्या होगा यह काफी कुछ टकराव के प्रकार और टकराने वाले पिंड के आकार पर निर्भर करता है।

अगर पृथ्वी से कोई पिंड टकराता है और वह बहुत बड़ा पिंड होता है तो इस विशाल टकराव से पृथ्वी के टुकड़े टुकड़े भी हो सकते हैं और पृथ्वी की पूरा अस्तित्व ही छोटी बड़ी चट्टानों में बदल जाएगा और ये टुकड़े सौरमंडल के हिस्सों में बिखर जाएंगे। वहीं अगर टकराने वाला पिंड कोई तारा हुआ तो वह पृथ्वी को निगल भी सकता है। जरूरी नहीं बाहर से आने वाला पिंड सीधे पृथ्वी से टकारा ही जाए, बल्कि ऐसा भी हो सकता है कि यह विशालकाय पिंड सौरमंडल के पास के गुजरेगा और अपने गुरुत्व का ऐसा असर डालेगा जिसके प्रभाव में पृथ्वी सूर्य के प्रभाव से मुक्त होने लगेगी और उस पिंड की ओर जाने लगेगी।

इस पूरी प्रक्रिया के दौरान वह पिंड पृथ्वी को को ही सौरमंडल से हमेशा के लिए बाहर कर देगा। एक संभावना यह भी बताई जाती है कि सूर्य की गर्म होने की प्रक्रिया जारी रहने से पृथ्वी तो तप कर जीवन विहीन हो जाएगी और उसके बाद अगर वह सूर्य के असर से मुक्त नहीं हो सकी तो एक समय आएगा जब वह फिर सूर्य के पास जाने लगेगी और उसी में समा जाएगी। इसके बाद विशाल सूर्य से टकारने पर पृथ्वी का ही अस्तित्व खत्म हो जाएगा। लेकिन इसके अलावा असामान्य अंजाम के रूप में पृथ्वी पर जीवन के इस तरह से खत्म होने से काफी पहले भी किसी घटना से पृथ्वी का अंत हो सकता है।

एक लेख के मुताबिक कोई विशाल क्षुद्रग्रह या धूमकेतु पृथ्वी से टकराकर उसे खत्म कर सकता है या फिर सुपरनोवा या गामा विकिरण प्रस्फोट या भूचुंबकीय तूफान पृथ्वी को खत्म करने के लिए पर्याप्त हो सकता है।लेकिन इस बात की संभावना किसी ने भी नहीं जताई है कि इंसान किसी तरह से पृथ्वी को ही खत्म कर पाएगा। मालूम हो कि ब्रह्माण्ड में हर वस्तु का अंत निश्चित है। चाहे तारे हों, गैलेक्सी हो, ब्लैक होल ही क्यों ना हों। ऐसे में ग्रहों का भी अंत निश्चित ही होगा। लेकिन इसका कभी जिक्र नहीं होता है। दुनिया में चर्चाएं पृथ्वी पर इंसान और जीवन के अंत की तो बहुत होती हैं पर पृथ्वी के अंत की नहीं होती हैं।

तालिबान के डर से किसी ने पी लिया फिनाइल तो किसी ने खाया जहर

-अफगानिस्तान में महिलाएं हुईं बेबस, दमनकारी नीतियों ने शिक्षा से कर दिया दूर

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद से ही महिलाओं के लिए दमनकारी नीतियां लागू होने लगी। यहां लड़कियों को शिक्षा से दूर कर दिया गया। नौकरी बंद करा दी गई, और तो और सार्वजनिक जगहों पर जाना और घूमना-फिरना बैन कर दिया गया। यहां पर महिलाओं के हालात बहुत ज्यादा बिगड़े हैं। यहां पर सत्ता मिलते ही तालिबान ने धीरे-धीरे अपने अपनी दमनकारी नीतियां लागू करना शुरू कर दिया। इसका नतीजा ये हुआ है कि महिलाओं को दफ्तरों, यूनिवर्सिटी, नेशनल पार्क, जिम जैसी सार्वजनिक जगहों से पूरी तरह से दूर कर दिया गया है। बच्चियां छठी क्लास से ज्यादा पढ़ाई नहीं कर सकती हैं। यही वजह है कि अब धीरे-धीरे इसका असर भी बहुतायत में देखने को मिल रहा है। अफगानिस्तान में महिलाओं के बीच आत्महत्या के मामले बढ़ गए हैं। इसकी मुख्य वजह अकेलापन, घर से बाहर निकलने की आजादी नहीं होना, कमरो के भीतर कैद होना, पढ़ाई से रोक दिया जाना आदि है।

यहां पर हालात इस कदर खराब हो चुके हैं कि महिलाएं अब डिप्रेशन, तनाव और मानसिक बीमारियों का शिकार होती जा रही हैं। एक तरह से महिलाओं की स्थिति दिनों-दिन बदतर होती जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान में आत्महत्या और आत्महत्या की कोशिस पर विश्वसनीय आंकड़े इकट्ठा नहीं किए गए हैं। लेकिन राइट्स ग्रुप्स और डॉक्टरों का कहना है कि उन्होंने तालिबान शासन के दौरान आत्महत्या के मामले बढ़ते हुए देखे हैं। अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में मेंटल हेल्थ क्लिनिक चलाने वाले डॉ शिकीब अहमदी ने देश में बढ़ रहे आत्महत्या के मामलों पर एक स्पष्ट जानकारी साझा की है।

डॉ अहमदी ने बताया कि पिछले दो साल से तालिबान की वापसी के बाद उनके क्लिनिक पर आने वाली महिला मरीजों की संख्या में बड़ी तादाद में इजाफा हुआ हैद। यहां पर 40 से 50 फीसदी महिला मरीजों का इजाफा हुआ है। इसमें से 10 फीसदी महिलाओं ने आगे चलकर सुसाइड भी कर लिया। उनका कहना है कि वह देश में

महिलाओं के लिए अच्छे भविष्य की उम्मीद नहीं की जा सकती हैं। महिलाओं को यहां कोई भविष्य नजर नहीं आ रहा है, जिसकी वजह से वे अब आत्महत्याएं कर रही हैं। महिलाओं और बच्चियों ने आत्महत्या के लिए घर में मौजूद चीजों का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। घर से बाहर जाने की इजाजत नहीं होने की वजह से घर में मौजूद चूहे मारने का जहर, लिक्विड केमिकल, फिनाइल और फर्टिलाइजर खाकर जान लेना शुरू कर दिया है।

नमामि भारत
सोमवार, 18 दिसंबर 2023
www.namamibharat.com

काबिलियत की कोई उम्र नहीं होती, जिंदा रहने जोश बरकरार रखना चाहिए

फिल्म इंडस्ट्री में चार दशक लंबा करियर एक मील का पत्थर ही कहा जाएगा, लेकिन अभिनेता अनुपम खेर अपने 39 साल लंबे ऐक्टिंग सफर को इस तरह से नहीं देखते। इन दिनों वेब सीरीज द फ्रीलांसर-द कन्क्लूजन के लिए चर्चा बटोर रहे अनुपम के मुताबिक, वे अब भी सेट पर ये सोचकर जाते हैं कि उन्हें ऐक्टिंग के बारे में कुछ नहीं पता है।

मैं बूढ़े इंसान को अपने भीतर नहीं आने देता

इन दिनों वेब सीरीज द फ्रीलांसर-द कन्क्लूजन के लिए चर्चा बटोर रहे अनुपम खेर कहते हैं, आप तो डरा रही हैं कि चार दशक हो गए। इससे क्या होता है? मैं बेशक बहुत खुश हूं और भगवान का शुक्रगुजार हूं कि मुझे इस इंडस्ट्री में 39 साल तक काम करने का मौका मिला। 39 साल तक यहां डटे रहने के लिए आपमें बूता होना चाहिए। लेकिन मैं ऐसे नहीं सोचता कि अरे, मैंने इतना काम कर लिया। हॉलिवुड ऐक्टर-डायरेक्टर क्लिंट ईस्टवुड से उनके एक दोस्त ने पूछा कि भई, अगले हफ्ते क्या कर रहे हो, तुम्हारा 92वां बर्थडे है तो उन्होंने कहा कि मैं पिक्चर शुरू कर रहा हूं। उसने कहा कि तुम फिल्म शुरू कर रहे हो, तुम 92 साल के होने वाले हो तो ईस्टवुड बोले, आई डोंट लेट द ओल्ड मैन इन। मैं बूढ़े आदमी को अपने भीतर आने ही नहीं देता हूं। मेरा भी यही फलसफा है। मेरा ग्राफ ये रहा है कि जब मैं 28 साल का था, तब फिल्म सारांश में 65 साल के बुजुर्ग का रोल किया था। तब मुझे लगता था कि 65 साल का बुजुर्ग ऐसा दिखता है, जैसा फिल्म में मैंने गेटअप किया है। अब मैं 68 साल का हूं पर मैं वैसा लगता ही नहीं हूं और मुझे नहीं लगता कि अगले बीस साल तक मैं वैसा लगूंगा।

स्टीरियोटाइप्स तोड़ने की हमेशा कोशिश की है

अनुपम कलाकारों को किसी खांचे में बांधने के भी सख्त खिलाफ हैं। बकौल अनुपम, मुझे बूढ़े या उम्रदराज होने की कोई परेशानी नहीं है, लेकिन मेरा मानना है कि काम, टैलंट और कड़ी मेहनत की कोई उम्र, कोई सीमा नहीं होती। मेरी मां 87 साल की हैं, ऊपरवाले की कृपा से वो काफी ऐक्टिव हैं। मेरे फादर 84 की उम्र में 10-12 किमी चलते थे तो हमने उनसे सीखा है। मुझे अजीब लगता है कि लोग हमें क्लीशे बना देते हैं। एक खांचे में बांध देते हैं कि भई, ये तो अब बस यही रोल कर सकते हैं। क्यों? हम लव स्टोरी भी कर सकते हैं, मैं बस एक उदाहरण दे रहा हूं। असल में लोग अपनी मीडियोक्रिटी (औसत क्षमता) छिपाने के लिए ऐसा करते हैं कि दूसरों को एक खांचे में डाल देते हैं कि ये तो वर्दी में ही ठीक लगेंगे, ये ऐसे रोल में ही ठीक लगेंगे। मैंने हमेशा इसको तोड़ने की कोशिश की है। ऐक्टर के तौर पर भी, एक इंसान के तौर पर भी।

जिंदा हैं तो जिंदगी के प्रति जोश होना ही चाहिए

इतनी लंबी ऐक्टिंग पारी और ढेर सारे रोल करने के बावजूद क्या चीज अनुपम खेर को और ज्यादा और बेहतर काम करने के लिए प्रेरित करती है? यह पूछने पर वह कहते हैं, एक जीवन मिला है, आप रोज सुबह उठते हैं और सोचते हैं कि वाह, एक और सुबह देखी तो सुबह उठना, काम पर जाना, मेकअप लगाना, आप सोचिए, कितने हजारों-लाखों लोग मुंबई आकर अपनी किस्मत आजमाना चाहते हैं। हम लकी लोग हैं कि हमें अपना हुनर दिखाने का मौका मिला। अब इस बात को मैं ग्रांटेड (अहमियत न दूं) लूं कि मैं थक गया हूं शूटिंग कर करके। मुझे बहुत अफसोस होता है ये देखकर कि हमारी पूरी जिंदगी निकल जाती है इस कोशिश में कि लोग हमें पहचाने और जब हम सक्सेसफुल हो जाते हैं तो हम काले चश्मे पहन लेते हैं कि कोई हमें पहचाने ना, हमें तंग न करे। मैं ऐसे नहीं सोचता हूं। अभी भी कोई मेरी फोटो खींचे तो मुझे अच्छा लगता है कि वाह, मुझे अब भी पहचानते हैं। जिंदा रहने का जो जोश है वो बरकरार रखना चाहिए। वही आपको जिंदा रखता है। मेरी ये सोच काम के प्रति भी है, जीवन के प्रति भी है।

किरदार को ऐक्टिंग से अलग बनाना पड़ता है

द फ्रीलांसर में अनुपम खेर मुख्य किरदार अनिवाश कामत के मार्गदर्शक डॉक्टर आरिफ के किरदार में हैं। ऐसे कमांडिंग ऑफिसर जैसे किरदार वह पहले भी निभा चुके हैं। ऐसे में, यह रोल चुनने की वजह पूछने पर वह कहते हैं, काम भी तो करना है न। ऐसा तो नहीं सोच सकता कि जब तक अलग नहीं मिलेगा, घर पे बैठा रहूंगा। फिर कई बार आप खुद अपनी अदाकारी से किरदार को अलग बनाते हैं। ये अनुभव से आता है कि आप अपने हर रोल को कैसे अलग बनाते हैं, अलग गेट अप, अलग सोच, अपने काम को जितना मुश्किल बनाओगे, उतना अच्छा रहेगा। मैं हर रोल करते वक्त अपने को ये कहता हूं कि मैं ऐक्टिंग के बारे में कुछ नहीं जानता। आप आम काम करके कमाल नहीं कर सकते। उसके लिए आपको कुछ एक्स्ट्रा करना ही होगा। बाकी तो सब चीजें एक जैसी ही होती हैं, उन्हें आप कितना अलग कर सकते है।

मां श्रीदेवी के लिए इमोशनल हुईं जान्हवी

जान्हवी कपूर ने हाल ही में एक खुलासा किया है। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अपनी मां और दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी के बारे में बातचीत की। जान्हवी से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी शीशे के सामने खड़े होकर अपनी मां के डायलॉग्स बोले हैं? क्या कभी खुद की तुलना श्रीदेवी से की है? इस सवाल पर जान्हवी कपूर इमोशनल हो गईं। उनकी आंखों में आंसू आ गए। सवाल के जवाब में जान्हवी ने कहा- नहीं, मैं मम्मा के डायलॉग्स को रीक्रिएट नहीं करती। जब वे जीवित थीं, उन्हें खुद की फिल्में देखना पसंद नहीं था। उनके निधन के बाद मेरे लिए यह और भी मुश्किल हो गया कि एक एक्टर के तौर पर मैं उनके काम का निष्पक्षता से अध्ययन कर सकूं। मुझे पता है यह कुछ ऐसा है जो आज हर एक्टर करता है, खासतौर से जब मम्मा के काम की बात आती है। लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकती।

अब ज्यादा दबाव महसूस नहीं होता

जान्हवी कपूर जल्द ही एनटीआर 30 में जूनियर एनटीआर के साथ साउथ फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करंगी। कोराताला शिवा की डायरेक्शन में बनी यह फिल्म अगले साल 5 अप्रैल को रिलीज होगी। जान्हवी ने आगे कहा- अब जब मैं साउथ इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हूं, तो मैंने मां की पुरानी फिल्में देखना शुरू कर दिया है। हालांकि मैंने कभी भी उनका कोई डायलॉग बोलने की कोशिश नहीं की है। आजतक के साथ बातचीत के दौरान जान्हवी से पूछा गया कि चूंकि वे बॉलीवुड परिवार से आती हैं और उनकी मां इतनी बड़ी सेलिब्रिटी रही हैं, ऐसे में क्या उन्हें प्रेशर महसूस होता है? क्या ऐसा लगता है कि लोग उनके काम को काफी जज करते हैं? इस बात पर जान्हवी कपूर ने बताया कि हर स्थिति के दो पहलू होते हैं। जो लोग स्टार किड्स नहीं हैं और बाहर से आते हैं उनके लिए पहला मौका पाना बहुत मुश्किल होता है। बाहर से आए हुए लोगों के लिए चुनौतियां अनोखी हैं क्योंकि वे नहीं जानते कि कहां जाना है या किससे मिलना है। ये सच है कि मुझे उस संघर्ष का सामना नहीं करना पड़ा। मैं बस इस बात से खुश हूं कि मुझे काम करने का मौका मिला। मुझे अब ज्यादा दबाव महसूस नहीं होता।

मेनिफेस्टेशन टेक्निक में यकीन करती हैं जान्हवी

फिल्म एनटीआर 30 में जान्हवी कपूर के साथ एनटीआर लीड रोल में हैं। ये फिल्म 5 अप्रैल 2024 को वर्ल्ड वाइड रिलीज होगी। फिल्म को एनटीआर आर्ट्स प्रोडक्शन कंपनी के हरी कृष्णा के और युवा सुधा आर्ट्स के सुधाकर मिक्किलिनेनी प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म की बात करते हुए जान्हवी ने कहा था कि ऐसा कोई इंटरव्यू नहीं होगा जहां मैंने ये न कहा हो कि मुझे जूनियर एनटीआर के साथ काम करना है। शायद ये पहली बार है कि मैनिफेस्ट करने की इस टेक्नीक ने मेरे लिए काम किया।

चकाचौंध, ग्लैमर, छल और विश्वासघात की कहानी हैं रवीना टंडन की कर्मा कॉलिंग

जब दुनिया कदमों में हो, तो कर्मा कुछ नहीं बिगाड़ सकता- कुछ इस तरह का दमदार डायलॉग रवीना टंडन की आने वाली वेब सीरीज में सुनने को मिला। रवीना ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर सीरीज कर्मा कॉलिंग का ट्रेलर शेयर किया। कैप्शन लिखा- जैसा काम करोगे वैसा ही फल मिलेगा? कर्मा को आने दो, मैं संभाल लूंगी। रवीना टंडन इस वेब सीरीज में इंद्राणी कोठारी का किरदार निभाएंगी। इंद्राणी अलीबाग सोसायटी में राज करने वाली रानी हैं। चकाचौंध, ग्लैमर, छल और विश्वासघात की इस कहानी को रुचि नरेन ने डायरेक्ट किया है।

चकाचौंध, ग्लैमर, छल और विश्वासघात की कहानी

एक इंटरव्यू के दौरान रवीना टंडन ने सीरीज में निभाए गए इंद्राणी के किरदार के बारे में बात की। उन्होंने कहा- इंद्राणी कोठारी का मानना है कि दुनिया उनका मंच है। मैंने बहुत लंबे समय से ऐसा कोई किरदार नहीं निभाया है। कर्मा कॉलिंग निश्चित रूप से जो दिखता है उससे कहीं ज्यादा है। यह सीरीज अमीरों की दुनिया के विभिन्न पहलुओं को बखूबी दिखाती है। इंद्राणी जैसा किरदार निभाते हुए मैंने खुद को बतौर एक्टर बहुत एक्सप्लोर किया है। इस तरह का किरदार ना पहले कभी किया गया है ना कभी देखा गया है। मैं ऑडियंस का रिस्पॉन्स देखने के लिए काफी एक्साइटेड हूं। डायरेक्टर रुचि नरेन ने कहा- कर्मा कॉलिंग की कहानी कोठारी परिवार की है। इस बहुत अमीर परिवार में क्या होता है, कौन साजिश रचता है, प्रतिशोध, धोखे, विश्वासघात- कहानी इन सब पहलुओं के इर्द-गिर्द घूमती है। इतना कह सकती हूं कि ये सीरीज आपके लिए गिल्टी प्लेजर (दोषी आनंद) जरूर होगी। वहीं प्रोड्यूसर आशुतोष शाह ने कहा कि कर्मा कॉलिंग बेहद दिलचस्प सीरीज है। यह एक रोमांचक कहानी है जो अमीरों की दुनिया की एक मनोरम झलक पेश करती है। आशुतोष ने रवीना के टैलेंट और हार्ड वर्क की भी तारीफ की।

रवीना वेलकम टू द जंगल में नजर आएंगी

रवीना टंडन अक्षय कुमार के साथ वेलकम फ्रेंचाइजी की फिल्म वेलकम टू द जंगल में नजर आएंगी। यह फिल्म अगले साल रिलीज होगी। रवीना हाल ही में सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म वन फाइडे नाइट में नजर आई थीं। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा में 28 जुलाई को रिलीज हुई थी। इसके अलावा रवीना ब्लॉकबस्टर फिल्म केजीएफ- चैप्टर 2 में भी नजर आई थी।

एनिमल फेम अंशुल ने शेयर किए तेजस के शूटिंग एक्सपीरिएंस

कंगना रनोट स्टारर फिल्म 'तेजस' 27 अक्टूबर को रिलीज की गई थी। इसमें उनके साथ एक्ट्रेस अंशुल चौहान भी नजर आई थीं। हाल ही में साथ खास बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने कंगना के बारे में कुछ खास बाते बताई। उन्होंने कंगना के साथ काम करने का एक्सपीरिएंस शेयर किया। अंशुल ने बताया कि जब आप किसी अच्छे एक्टर के साथ काम करते हैं, तो इससे आपमें इंप्रूवमेंट आता है। उन्होंने कहा कंगना के साथ काम करके मैंने काफी कुछ सीखा है। रणबीर कपूर स्टारर फिल्म एनिमल में अंशुल उनकी छोटी बहन बनी हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि इन सभी एक्टर्स के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

रियल लाइफ में कैसी हैं कंगना रनोट

तेजस में कंगना की को-एक्टर रहीं अंशुल चौहान ने बताया कि कंगना एक मंझी हुई एक्ट्रेस हैं। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए एक्ट्रेस ने कहा- मैंने शूटिंग के दौरान उनके साथ काफी समय बिताया। मुझे तब ये एहसास हुआ कि वो भी हमारे जैसी ही बहुत साधारण सी इंसान हैं। उन्होंने बताया कि तेजस की शूटिंग के दौरान उन्हें काफी मुश्किलें आई थीं, क्योंकि इस फिल्म में एयर फाइट का सीन दिखाया गया है। फिल्म के ज्यादातर सीन क्रोमा पर शूट किए गए थे। एक्ट्रेस का कहना है कि क्रोमा पर शूट करने में थोड़ी समस्या आती है। वहां हमें ग्रीन पर्दे पर ही सारे इमोशन दिखाने पड़ते हैं। हमारे पास बहुत कम रिसोर्स होते हैं, सारी चीजें आपको इमेजिन करनी होती हैं। अंशुल के लिए क्रोमा पर फाइट सीन करना काफी नया एक्सपीरिएंस था।

अंशुल ने शाहरुख खान को 'किंग ऑफ बॉलीवुड' बताया

अंशुल ने रैपिड फायर राउंड के दौरान रणवीर सिंह को 'एनर्जेटिक' और शाहरुख खान को 'किंग ऑफ बॉलीवुड' बताया। फिल्म 'एनिमल' में अंशुल के पिता बने अनिल कपूर का नाम लेने पर एक्ट्रेस ने 'झक्कास' कहा। वहीं 'एनिमल' के डायरेक्टर संदीप वांगा रेड्डी को उन्होंने 'इंटेंस' नाम दिया। सोशल मीडिया पर चर्चा में रहने वाले इंफ्लूएंसर ओरी को उन्होंने 'मास्टरमाइंड ऑफ मार्केटिंग' कहा। एक्ट्रेस का नाम लेने पर उन्होंने दीपिका पादुकोण को 'हॉट' और रश्मिका मंदाना को 'क्यूट' का टैग दिया।

'तेजस' बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई नहीं कर पाई कंगना रनोट की फिल्म तेजस 2023 की बड़ी फ्लॉप साबित हुई थी। 27 अक्टूबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने चौथे दिन तक सिर्फ 40 लाख रुपए का ही कलेक्शन किया था। इस तरह 4 दिन में फिल्म का कलेक्शन केवल 4 करोड़ 15 लाख का हो पाया था। फिल्म के कलेक्शन से समझा जाता सकता है कि फिल्म दर्शकों को लुभाने में नाकाम रही थी। दरअसल दर्शक इसे देखने थिएटर गए ही नहीं थे। यही वजह रही है कि थिएटर के मालिकों को तेजस के सभी शोज भी कैंसल करने पड़ रहे थे। वहीं ट्रेड एक्सपर्ट कोमल नाहटा ने इस फिल्म के बारे में कोई भी बात करने से मना कर दिया था।

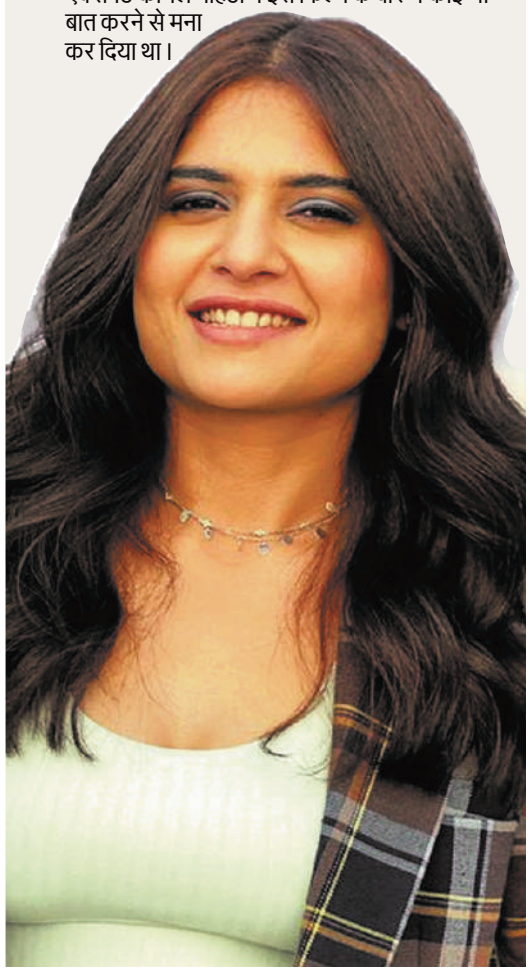

निधि दत्ता ने सम्भाली बॉर्डर-2 की कमान, स्क्रिप्ट और निर्देशन से करेंगी शुरूआत

साल 1997 में ज्योति प्रकाश दत्ता यानी जेपी दत्ता के डायरेक्शन में बनी फिल्म बॉर्डर रिलीज हुई। इसने कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और एक मास्टरपीस बनकर निकली। जेपी ने इसके बाद भी वॉर पर आधारित कई फिल्में बनाई, लेकिन बॉर्डर जैसा रिस्पांस नहीं मिल पाया। जेपी दत्ता की बेटी निधि दत्ता प्रोड्यूसर, डायरेक्टर और राइटर हैं। उन्होंने बॉर्डर 2 की कमान संभाली है। वह इस फिल्म की स्क्रिप्ट लिख रही हैं। इसे जेपी फिल्म के बैनर तले प्रोड्यूस कर रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह इसे निर्देशित भी करेंगी। फिलहाल फिल्म पोस्ट प्रोडक्शन में चल रही है। जेपी दत्ता की बॉर्डर में सुनील शेट्टी, सनी देओल, अक्षय खन्ना, जैकी श्रॉफ, पूजा भट्ट, तब्बू और राखी जैसे बड़ा कलाकार थे। फिल्म से सनी देओल के मीम्स और डायलॉग्स आज तक वायरल होते हैं और इस पर मीम भी बनते हैं। बीते कई सालों से सीक्वल फिल्मों का दौर चल रहा है। वरुण धवन और सारा अली खान स्टारर कुली नं 1, आलिया भट्ट-आदित्य रॉय कपूर की सड़क 2, आदित्य और श्रद्धा कपूर की आशिकी जैसी फिल्में 90 के दशक की फिल्मों सीक्वल और रीमेक रहे थे।

बॉर्डर जैसी एपिक फिल्म का भी रीमेक और सीक्वल बनाने की लंबे समय से मांग चल रही थी। लोगों की मांग को पूरी करने की जिम्मेदारी अब निधि दत्ता ने उठाई है। वह पिता के साथ मिलकर इसकी स्क्रिप्ट पर काम कर रही हैं। अब निधि दत्ता बॉर्डर 2 को आज की पीढ़ी के हिसाब से लिख रही हैं। इसके लिए दो स्टार को पहले ही फाइनल कर लिया गया है। एक हीरो का नाम सनी देओल हैं, जिन्होंने बॉर्डर में लीड और खास रोल निभाया था। वहीं, बॉर्डर 2 में दूसरे कंफर्म एक्टर का नाम आयुष्मान खुराना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में आयुष्मान अहम रोल में होंगे। वह पहली बार सनी देओल के साथ काम करने जा रहे हैं।

प्रभास ने कहा- 21 साल में बेस्ट डायरेक्टर के साथ काम करने का मौका मिला

सुपर स्टार प्रभास जल्द ही फिल्म सालार पार्ट 1- सीजफायर में नजर आएंगे। इस फिल्म को प्रशांत नील ने डायरेक्ट किया है। वहीं विजय किर्गंदुर फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। ये फिल्म 22 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। प्रभास ने कहा- सालार को हां कहने की पहली वजह तो प्रशांत नील ही थे। जब उन्होंने मुझे स्क्रिप्ट सुनाई तो उसमें बहुत सारे कमर्शियल एलिमेंट थे। ऑडियंस ने पहले कभी मुझे इस तरह के किरदार में नहीं देखा है। वे इस स्क्रिप्ट को अपने जिस स्टाइल के लिए जाने जाते हैं, उस तरह से तैयार कर रहे थे। हर महीने कुछ अच्छा करते जा रहे थे और फाइनली उन्होंने एक बहुत अच्छी स्क्रिप्ट बनाई। मेरे ख्याल से उन्होंने ऐसा पहले कभी नहीं किया है, मेरे ख्याल से उन्होंने इस फिल्म में बहुत सारा ड्रामा ऐड किया है और मुझे यह काफी एक्साइटिंग लगा।

प्रशांत के साथ काम करने का आपका एक्सपीरियंस कैसा रहा?

मेरे 21 साल की लाइफ में प्रशांत नील बेस्ट डायरेक्टर है। फन और रिलैक्सिंग। मैं इस चीज को लेकर बेसब्र था कि वो मुझे कब शूट के लिए बुलाएंगे। सेट पर जाने या फिर परफॉर्म करने से ज्यादा मैं प्रशांत के साथ टाइम बिताना चाह रहा था। ये पहली चीज थी मेरे मन में और मैंने पिछले 21 साल में कभी ये महसूस नहीं किया था। यह चीज मैंने 6 महीने के लंबे समय तक महसूस की, मेरे ख्याल से एक महीने में ही हम बेहद करीब आ गए थे।

आपके किरदार को शूट करने में कितने दिन का समय लगा?

प्रशांत हीरो डायरेक्टर हैं। अगर मैंने कहा कि मैं इस समय पर आऊंगा वह उसमें कंफर्टेबल थे। जब एक बार एक्टर्स सेट पर आ जाते हैं, जैसे मैं, श्रुति या पृथ्वी सर तब कोई चीज नहीं रुकती है। वह उनको बिठाते हैं ना कि इंतजार कराते हैं, बल्कि आप सेट पर हैं तो सिर्फ आपके शॉर्ट्स पर ही उनका ध्यान रहेगा। इस तरह से मुझे कभी सेट पर इंतजार नहीं करना पड़ा, जबकि हम उन्हें कहा करते थे कि प्रशांत हम इंतजार कर लेंगे या फिर कभी-कभी मैं उनके पास मॉनिटर के यहां बैठकर बात करता था। पहले शेड्यूल पर जब मैं पहुंचा था, मुझे याद नहीं कितने बजे लेकिन तब उन्होंने हर चीज रोक दी थी कि हीरो की एंट्री हुई है। अब हम सिर्फ हीरो के शॉर्ट्स लेंगे। तब मैंने उन्हें कहा कि अरे कोई बात नहीं, मेरी आधी फिल्मों में मैंने इंतजार किया है। जैसे बड़ी फिल्में हम करते हैं जिनके बड़े सेटअप होते हैं, वहां कुछ देर तक इंतजार करते हैं तो यह नॉर्मल है इसमें कोई प्रॉब्लम नहीं है। लेकिन ये ऐसे डायरेक्टर हैं जो अपने एक्टर्स को इंतजार नहीं कराते हैं। अगर वो सेट पर आएंगे तो वो शूट करेंगे।

सालार के सेट से जुड़ी कोई मेमोरीज्जो आप हमारे रीडर से शेयर करना चाहेंगे?

प्रशांत अपने हीरोज को कभी कोई टफ शॉट करने नहीं देते हैं। वह इस चीज का ध्यान रखते हैं। लेकिन फिल्म में बहुत सारा ब्लड इस्तेमाल हुआ है। हम जब शूटिंग कर रहे थे तब ठंड का मौसम था, आपने वैसे सभी चीजों को ट्रेलर में जरूर देखा होगा। फिल्म से वो ब्लड आपकी बॉडी में लग जाते हैं और ठंड के मौसम की वजह से वह बहुत ही ठंडा हो जाता है तो यह पूरी फिल्म में बेहद टफ पार्ट था।

नमामि भारत
सोमवार, 18 दिसंबर 2023
www.namamibharat.com

भारत का दमदार प्रदर्शन, दक्षिण अफ्रीका को 8 विकेट से मात

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। अर्शदीप और आवेश खान की शानदार गेंदबाजी के बाद साई सुदर्शन और श्रेयस के शानदार अर्धशतकों की बदौलत भारत ने पहले एक दिवसीय मैच में शानदार जीत दर्ज की। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच जोहान्सबर्ग के न्यू वांडरर्स स्टेडियम में खेले गए पहले एक दिवसीय मै भारत ने मेजबान दक्षिण अफ्रीका को 8 विकेटों से मत देते हुए सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। शानदार गेंदबाजी के लिए अर्शदीप सिंह को मैन आफ द मैच से नवाजा गया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने सधी हुई शुरूआत की और 23 रन पर अपना पहला विकेट रुतुराज गायकवाड के रूप में खोया। गायकवाड़ पांच रन बनाकर वियान मूल्डर की चौथे ओवर की चौथी गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। इसके बाद सुदर्शन और श्रेयष अय्यर के बीच 88 रन की साझेदारी हुई जिसने टीम की जीत को पक्का कर दिया। अय्यर ने 45 गेंदों पर 52 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और एक छक्का शामिल था। हालांकि 15.5 ओवर में अर्धशतक लगाकर फेहलुकवायो की गेंद पर मिलर के हाथों कैच आउट हो गए। इसके बाद सुदर्शन का साथ देने बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा आएं और वे आखिर तक नाबाद रहे। सुरर्शन ने 43 गेंदों पर 9 चौकों की मदद से नाबाद रहते हुए 55 रन बनाए और आखिर तक क्रीज में मौजूद रहते हुए भारत की झोली में जीत डालकर नाबाद वापस लौटे। तिलक वर्मा ने तीन गेंदों का सामना किया और 1 रन बनाया।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। अर्शदीप सिंह (5/37) और आवेश खान (4/27) की तूफानी गेंदबाजी की बदौलत

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 27.3 ओवर में 116 रन पर ढेर कर दिया। दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत खराब रही और अर्शदीप ने आते ही टीम को हिला दिया। मैच के दूसरे तथा अपने पहले ओवर की चौथी और पांचवी गेंद पर दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिया। अर्शदीप की आधी में टीम संभलती इससे पहले ही आवेश ने अपने रंग दिखाने शुरू कर दिए जिससे द. अफ्रीका को संभलने का मौका नहीं मिला। टीम की तरफ से एंडिले फेहलुकवेओ टोनी डी जोरजी ने सबसे ज्यादा क्रमशः 33 और 28 रन बनाए। अब भारत को जीत के लिए 117 रन की जरूरत है। भारतीय गेंदबाज अर्शदीप ने पहले गेंदबाजी भारत को शानदार शुरूआत दिलाई और दूसरे ओवर में दो विकेट झटके। उन्होंने 1.4 ओवर में रीजा हेंड्रिक्स (0) और फिर 1.5 ओवर में रासी वैन डेर डुसेन (0) को पवेलियन भेजा। अर्शदीप ने तीसरा विकेट टोनी डी जोरजी का निकाला और उन्हें 7.5 ओवर में केएल राहुल के हाथों आउट करवाया। टोनी 22 गेंदों पर 2 चौकों और इतने ही छक्कों से 28 रन बनाकर पवेलियनल लौटे। हेनरिक क्लासेन (6) 9.6 ओवर में अर्शदीप की गेंद को पढ़ने में नाकाम रहे और बोल्ड आउट हो गए।

कप्तान एडेन मार्करम भी फेल साबित हुए और आवेश खान की गेंद 11वें ओवर की पहली गेंद पर बोल्ड हो गए उन्होंने मात्र 12 रन बनाएं। इसी ओवर की दूसरी गेंद पर आवेश ने वियान मूल्डर को शन्यू पर एलबीडब्ल्यू किया। इसके बाद आवेश का तीसरा शिकार बने डेविड मिलर। उन्हें दो रन पर राहुल के हाथों कैच आउट करवाया। आवेश ने 18.1 ओवर में केशव महाराज को रुतुराज के हाथों कैच आउट करवकर भारत को आठवीं सफलता दिलाई। केशव मात्र 4 रन बनाकर वापस लौट गए। अर्शदीप ने पारी में पांचवा विकेट झटकते हुए एंडिले फेहलुकवेओ को शिकार बनाया और उन्हें 25.1 ओवर में 33 रन पर एलबीडबल्यू किया। अंतिम विकेट कुलदीप यादव के नाम रहा जिन्होंने 27.3 ओवर में नंद्रे बर्गर (7) को बोल्ड किया।

इससे पहले टॉस जीतने के बाद दक्षिण अफ्रीकी कप्तान एडन मार्कराम ने कहा, हम पहले बल्लेबाजी करेंगे। प्रयुक्त विकेट, हम पहले बल्लेबाजी करना चाहेंगे, दो स्पिनर खेल रहे हैं। यह एक शानदार दिन है, लोगों को सलाम। उम्मीद है कि दोनों टीमें अच्छा प्रदर्शन करेंगी। बर्गर ने पदार्पण करेंगे उसके लिए विशेष दिन।

अर्शदीप सिंह ने पहले वनडे में बनाया बड़ा रिकॉर्ड

टीम इंडिया के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह एकदिवसीय क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच विकेट लेकर एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया हैं। वे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक दिवसीय मैच में पांच विकेट लेने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बन गए हैं। 24 वर्षीय तेज गेंदबाज अर्शदीप ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच जोहान्सबर्ग में पहले वनडे के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। अर्शदीप गेंद से जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 10 ओवरों में 3.7 की इकॉनमी रेट के साथ 37 रन देकर 5 विकेट लिए। तेज गेंदबाज ने अपने पहले स्पेल में रीजा हेंड्रिक्स, टोनी डी जोरजी और रासी वान डेर डुसेन के विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया। बाद में उन्होंने खतरनाक दिख रहे हेनरिक क्लासेन और ऑलराउंडर एंडिले फेहलुकवायो को पवेलियन का रास्ता दिखाया। कुल मिलाकर वह भारत के लिए वनडे में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज हैं। पहली बार स्पिनर सुनील जोशी (5/6) ने 1999 में प्रोटियाज के खिलाफ पारी में पांच विकेट लिए थे। उसके बाद स्पिनर युजवेंद्र चहल (5/22 2018 सेंचुरियन में) और रवींद्र जड़ेजा (5/33 कोलकाता में 2023) थे। अपनी शानदार गेंदबाजी के प्रदर्शन के बाद अर्शदीप ने कहा कि वह चीजों को सरल रखने की कोशिश कर रहे थे और एक दिवसीय मैच में पांच विकेट लेकर अपने विकेटों की शुरुआत करना बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा, मैंने वनडे में अपना खाता नहीं खोला था। पारी में पांच विकेट के साथ शुरुआत करना बहुत अच्छा था। विकेट मददगार था। जब हमने बातचीत की, तो हमने सोचा कि ज्यादा हलचल नहीं होगी।

आईपीएल ऑक्शन का हो रहा बेसब्री से इंतजार, 19 को होगी नीलामी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 की शुरुआत से पहले 19 ?दिसंबर मंगलवार को दुबई में खिलाड़ियों की नीलामी होनी है। इसका सभी को बेसब्री से इंतजार हो रहा है। सभी 10 फ्रेंचाइजी टीमों के साथ ही फैन्स को भी आईपीएल के मिनी ऑक्शन का इंतजार है। इसके लिए 333 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है, जिसमें 214 भारतीय प्लेयर्स हैं। असल में देखा जाए तो 333 खिलाड़ियों की सूची में 116 कैप्ड, 215 अनकैप्ड और दो एसोसिएट खिलाड़ी शामिल हैं। कुल 119 विदेशी खिलाड़ी ऑक्शन पूल में उतरेंगे, जिसमें इंग्लैंड के सबसे ज्यादा 25 क्रिकेटर शामिल हैं। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के 21 और साउथ अफ्रीका के 18 खिलाड़ी रहेंगे। वहीं वेस्टइंडीज के 16, न्यूजीलैंड के 14, श्रीलंका के 8, अफगानिस्तान के 10, बांग्लादेश के 3, जिम्बाब्वे के 2, नीदरलैंड और नामीबिया के 1-1 खिलाड़ी भी ऑक्शन लिस्ट में शामिल हैं। हालांकि फाइनल ऑक्शन में 77 खिलाड़ियों पर सफलतम बोली लग सकती है, जिनमें विदेशी प्लेयर्स की संख्या 30 रहेगी।

ऑक्शन पूल में शामिल प्रमुख खिलाड़ियों में स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस, ट्रेविस हेड, डेरिल मिचेल और रचिन रवींद्र भी शामिल हैं। स्टार्क ने तो अरसे बाद आईपीएल नीलामी के लिए अपना नाम रजिस्टर कराया था। दो करोड़ के बेस प्राइस लिस्ट में तीन भारतीय खिलाड़ी हर्षल पटेल, शार्दुल ठाकुर और उमेश यादव हैं। 2 करोड़ बेस प्राइस में हैरी ब्रूक, ट्रेविस हेड, रिले रोसो, स्टीव स्मिथ, गेराल्ड कोएत्जी, पैट कमिंस, हर्षल पटेल, शार्दुल ठाकुर, क्रिस वोक्स, जोश इंगलिस, लॉकी फर्ग्यूसन, जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क, उमेश यादव, मुजीब उर रहमान, आदिल राशिद, रस्सी वैन डर डुसेन, जेम्स विंस, सीन एबॉट, जेमी ओवर्टन, डेविड विली, बेन डकेट, मुस्तफिजुर रहमान हैं।

वहीं 1.5 करोड़ रुपये बेस प्राइस में मोहम्मद नबी, डेनियल सैम्स, टॉम कुरेन, क्रिस जॉर्डन, टाइमल मिल्स, फिल साल्ट, कॉलिन मुनरो, जिमी नीशम, टिम साउदी, वानिंदु हसरंगा, जेसन होल्डर, शेरफेन रदरफोर्ड, झाय रिचर्डसन है। इसी तरह 1 करोड़ रुपये बेस प्राइस में एश्टन एगर, रिले मेरेडिथ, एश्टन टर्नर, गस एटकिंसन, सैम बिलिंग्स, माइकल ब्रेसवेल, काइल जेमिसन, एडम मिल्ने, डेरिल मिचेल, वेन पार्नेल, ड्वेन प्रिटोरियस, अल्जारी जोसेफ, रोवमैन पॉवेल, डेविड विजे भी शामिल किए गए हैं। गुजरात टाइटन्स और सनराइजर्स हैदराबाद के पास पर्स में काफी रुपये बचे हैं। ऐसे में मिनी ऑक्शन में इन दोनों पर सबकी निगाहें रहेंगी

रोहित शर्मा के कप्तानी से हटने पर वसीम जाफर हैरान, हार्दिक पर खड़े किए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा के मुंबई इंडियंस द्वारा 2024 आईपीएल सीज़न से पहले कप्तानी से हटाने पर वसीम जाफर ने हैरानी जाहिर की है। बता दें कि मुंबई इंडियंस द्वारा हार्दिक पंड्या को अपना कप्तान नियुक्त करने के एक दिन बाद भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर ने आश्चर्य जताया है। दरअसल शुक्रवार को फ्रैंचाइज़ी ने घोषणा की कि हार्दिक टीम के नए कप्तान होंगे। इसके बाद कप्तान के रूप में रोहित का दस साल का शासन समाप्त हो जाएगा।

गौरतलब है कि रोहित की कप्तानी में मुंबई ने पांच आईपीएल खिताब 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 जीते थे। बहरहाल, वसीम जाफर ने कहा कि हार्दिक पांड्या ने गुजरात का अच्छा नेतृत्व किया। उनके प्रदर्शन पर बहुत सारे सवालिया निशान थे क्योंकि वह लंबी छुट्टी के बाद वापस आए थे, और वह एक नई फ्रैंचाइजी की कप्तानी कैसे करेंगे, वह चौथे नंबर पर कैसे बल्लेबाजी करेंगे। उन्होंने पहले सीज़न 2022 में उन सभी सवालों के जवाब दिए।

न्यूयॉर्क कर सकता है टी20 विश्व कप में भारत-पाकिस्तान मुकाबले की मेजबानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 टी20 विश्व कप में भारत-पाकिस्तान मुकाबले की मेजबानी न्यूयॉर्क कर सकता है। गौरतलब है कि पुरुष टी20 विश्व कप वेस्टइंडीज और संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) में संयुक्त रूप से आयोजित होने वाला है। टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में भारत का मुकाबला पाकिस्तान से लॉन्ग आइलैंड, न्यूयॉर्क में अप स्टेडियम में हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद और स्थानीय आयोजन समितियां शुक्रवार को पूर्ण कार्यक्रम पर हस्ताक्षर करेंगी, जिसमें टूर्नामेंट 4 से 30 जून तक आयोजित किया जाएगा। लॉन्ग आइलैंड पर आइजनहावर पार्क, जो भारत-पाकिस्तान मैच की मेजबानी कर सकता है, में 34,000 सीटों वाला एक अस्थायी क्रिकेट स्टेडियम होगा और मैनहट्टन शहर में बड़ी संख्या में भारतीय और पाकिस्तानी मूल के लोगों की सुविधा होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि शेड्यूल में कुछ बदलाव अभी भी संभव हैं, लेकिन इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया अपने सभी ग्रुप मैच कैरेबियन में खेलेंगे। यह समझा जाता है कि इंग्लैंड के मैच अपने शुरुआती, पांच-टीम समूह में और, अगर वे उसमें से अर्हता प्राप्त करते हैं, तो सुपर 8 राउंड में सभी ब्रिटिश पर्यटक आकर्षण के केंद्र एंटीगा, बारबाडोस और सेंट लूसिया में होंगे।

बता दें कि आईसीसी निरीक्षक पिछले एक पखवाड़े से कैरेबियाई स्थलों का दौरा कर रहे हैं, जो इस सप्ताह गयाना में समाप्त होगा। हालांकि उन्होंने पाया कि कुछ सुधार और विस्तार अभी भी आवश्यक है, लेकिन उन्हें कोई महत्वपूर्ण समस्या नहीं मिली है। फाइनल के लिए स्थान की पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन इसके बारबाडोस में होने की संभावना है, जिसने पहले 2007 में 50 ओवर के विश्व कप और 2010 में टी20 इवेंट के फाइनल की मेजबानी की थी। 2007 में टूर्नामेंट के उद्घाटन संस्करण में ट्रॉफी उठाने के बाद से भारत ने पुरुष टी20 विश्व कप नहीं जीता है। वे बांग्लादेश में टूर्नामेंट के 2014 संस्करण में फाइनल में पहुंचे, लेकिन खिताबी मुकाबले में श्रीलंका से छह विकेट से हार गए।

भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले के लिए टीम घोषित की

नई दिल्ली - भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन और चार फरवरी को इस्लामाबाद में होने वाले डेविस कप विश्व ग्रुप एक प्ले ऑफ मुकाबले के लिए शनिवार को छह सदस्यीय टीम घोषित की। रामकुमार रामनाथन, एन श्रीराम बालाजी, युकी भांबरी, निकी कालियांदा पूनाचा, साकेत माइनेनी और दिग्विजय प्रताप सिंह को टीम में शामिल किया गया है। दिग्विजय प्रताप सिंह रिजर्व खिलाड़ी हैं। रामनाथन और पूनाचा एकल मैच खेल सकते हैं जबकि युकी, बालाजी और माइनेनी में से किन्हीं दो को युगल मैच के लिए चुना जा सकता है। रोहित राजपाल टीम के गैर खिलाड़ी कप्तान होंगे जबकि जीशान अली कोच की भूमिका निभाएंगे। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने विज्ञप्ति में बताया कि चयन समिति की बैठक की अध्यक्षता नंदन बल ने की तथा समिति के अन्य सदस्य बलराम सिंह, मुस्तफा घोष, साई जयलक्ष्मी, राजपाल, जीशान और सचिव अनिल धूपर भी इसमें उपस्थित थे। भारत ने इससे पहले आखिरी बार 1964 में पाकिस्तान का दौरा किया था और तब उसने 4-0 से जीत दर्ज की थी। भारत अभी तक पाकिस्तान से कभी नहीं हारा है। उसने पाकिस्तान के खिलाफ सभी आठ मुकाबले जीते हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी मुकाबला 2019 में तटस्थ स्थल पर खेला गया था। भारत ने इस मुकाबले में भी 4-0 से जीत हासिल की थी।

220 रन बनाने के बाद हारना निराशाजनक है, इंग्लैंड के खिलाफ मैच के बाद बोले रोवमैन पॉवेल

सेंट जॉर्ज। पहले बल्लेबाजी करते हुए 220 रन बनाने के बाद मैच हारने पर वेस्टइंडीज के कप्तान रोवमैन पॉवेल निराशा जताई हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत निराशाजन था कि हमने पहली पारी में 220 रन बनाएं और हम हार गए। गौरतलब है कि इंग्लैंड ने शनिवार को ग्रेनाडा के नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 5 मैचों की श्रृंखला के तीसरे टी20 मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ सात विकेट से जीत दर्ज की थी। मैच के बाद कप्तान पॉवेल ने अपनी टीम की बल्लेबाजी लाइनअप की प्रशंसा की और कहा कि यह सराहनीय था कि उन्होंने पहली पारी में कैसा प्रदर्शन किया। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि तीसरे टी20 मैच में उनका गेंदबाजी आक्रमण खराब था। पॉवेल ने कहा कि उन्हें श्रृंखला के अपने आगामी मैचों के लिए बेहतर योजनाओं के साथ आने की जरूरत है। 220 रन बनाने के बाद हारना स्पष्ट रूप से निराशाजनक है। जिस तरह से हमने समाप्त किया वह सराहनीय था। हमारी गेंदबाजी कमजोर थी। हमारे पास टीम में ऐसा करने के लिए गुणवत्ता वाले लोग हैं। हम छह हिटर हैं और हम जितना संभव हो उतना हिट करने की कोशिश करते हैं। हमें बेहतर योजनाओं के साथ आने की जरूरत है।

हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय पुरुष और महिला टीम बेल्जियम से हारी

वालेंसिया (एजेंसी)। भारतीय महिला और पुरुष हॉकी टीम को पांच देशों के टूर्नामेंट में बेल्जियम से हार का सामना करना पड़ा है। महिला टीम को शनिवार को बेल्जियम से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

भारत की ओर एकमात्र गोल वैष्णवी विट्ठल फाल्के ने 56वें मिनट में किया। वहीं बेल्जियम ने एम्ब्रे बैलेन्घिएन ने 22वें और लुईस वर्सावेल ने 37वें मिनट के गोल दाग कर मुकाबला जीत लिया। भारतीय महिला हॉकी टीम का अगला मुकाबला 19 दिसंबर को जर्मनी से होगा। वहीं पुरुष टीम को भी अपने दूसरे मैच में बेल्जियम से 2-7 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की ओर से अभिषेक और जुगराज सिंह गोल किए।

पहले क्वार्टर में बेल्जियम के सेड्रिक चार्लियर ने पहले मिनट, एलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने 10 वें मिनट और थिब्यू स्टॉकब्रोएक्स ने 13 मिनट में गोल किए। इसके बाद दूसरे क्वार्टर्ट में थिब्यू स्टॉकब्रोएक्स ने 16वें मिनट में टॉम बून ने 26 वें मिनट में तथा चौथे क्वार्टर में टॉम बून ने 46वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर दिया। इसके बाद अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने 53वें मिनट में गोल दाग कर स्कोर 2-7 कर दिया। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 19 दिसंबर को जर्मनी से मुकाबला करेगी।

तीरंदाज ज्योति सुरेखा हुई निराश...मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड में नाम नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व की नंबर 1 मिश्रित और टीम दोनों में प्रथम कंपाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम ने हांगझोउ में एशियाई खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड के लिए नजरअंदाज करने पर निराशा व्यक्त की है। बैडमिंटन पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाई-राज और चिराग शेट्टी का नाम खेल रत्न के लिए 12 सदस्यीय अवॉर्ड चयन समिति द्वारा दिया गया है। पिछले 6 महीनों में, सुरेखा ने कुल 13 इंटरनेशनल मेडल जीते हैं, जोकि कुछ इस प्रकार हैं, एशियाड में तीन स्वर्ण (व्यक्तिगत, टीम और मिश्रित टीम), विश्व चैंपियनशिप में एक स्वर्ण और रजत, विश्व कप में चार स्वर्ण और दो कांस्य और एशियाई चैंपियनशिप में एक स्वर्ण और रजत पदक। सुरेखा को सात विश्व चैंपियनशिप मेडल और तीन एशियाड स्वर्ण पदक मिले। उन्होंने 27 वर्ष की आयु तक 53 इंटरनेशनल और 62 राष्ट्रीय पदक जीते हैं।

सुरेखा ने कहा, मेरे पास कुल 148.74 अंक हैं, जो सभी आवेदकों में सबसे अधिक हैं और सातविक और चिराग को दिए गए अंकों से कहीं अधिक हैं। एशियाड में दोहरे स्वर्ण पदक से मैंने 30 अंक अर्जित किए और मिश्रित टीम से एक महिला टीम स्वर्ण, मुझे क्रमशः 22 और 20 अंक मिले। उन्होंने आगे कहा, उन्होंने 2023 विश्व चैंपियनशिप महिला टीम गोल्ड से 13.33 अंक और उसी समय हासिल किए गए व्यक्तिगत ब्रॉन्ज से 10 अंक अर्जित किए। फिर 2021 विश्व चैंपियनशिप में, मुझे व्यक्तिगत सिल्वर में 15 अंक मिले, 11.25 मिश्रित टीम सिल्वर और टीम सिल्वर के लिए 10 अंक मिले। 2019 विश्व कप में मुझे व्यक्तिगत कांस्य के लिए 10 अंक और टीम कांस्य के लिए 6.66 अंक मिले। ये सभी उपलब्धियां चार साल के अवॉर्ड चक्र में आई हैं, और कुल 148.74 अंकों की गिनती हुई है। उन्होंने कहा, मैं इस लापरवाही से बहुत निराश हूं। मेरा मानना है कि मेरी उपलब्धियां मेरे लिए बोलती हैं।

ल्यूटन के कप्तान लॉकयर को मैदान पर पड़ा दिल का दौरा, मैच रद्द

लंदन। ल्यूटन के कप्तान टॉम लॉकयर इस साल दूसरी बार दिल का दौरा पड़ने के कारण मैदान पर गिर पड़े जिसके कारण बोर्नमाउथ में खेला जा रहा इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता का मैच रद्द करना पड़ा। ल्यूटन ने बताया कि लॉकयर को तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। उनका परिवार उनके साथ है। वेल्स का यह डिफेंडर मैच के 59वें मिनट मैदान पर गिर पड़ा था। दोनों टीम के खिलाड़ी तुरंत ही उनके पास पहुंचे। ल्यूटन के कोच रॉब एडवर्डस भी तुरंत मैदान में चले गए। वह काफी परेशान दिख रहे थे। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी को मैदान पर ही उपचार दिया गया और बाद में उन्हें स्ट्रेचर पर बाहर ले जाया गया। तब तक उनकी स्थिति में थोड़ा सुधार हो गया था। उस समय मैच 1-1 से बराबरी पर था और रेफरी साइमन हूपर ने मैच को रद्द करने का फैसला किया। मैच रद्द किए जाने के बाद भी दर्शक स्टेडियम में मौजूद रहे। वे लॉकयर के समर्थन में नारे लगा रहे थे। ल्यूटन ने बयान में कहा, 'दोनों टीम के प्रशंसकों के प्रति हमें खेद है लेकिन अपने साथी और मित्र के इस तरह से मैदान छोड़ने के बाद दोनों टीम के खिलाड़ी खेल आगे जारी रखने की स्थिति में नहीं थे।' लॉकयर इससे पहले मई में वेम्बले स्टेडियम में खेले जा रहे एक मैच के दौरान नीचे गिर पड़े थे। उनके दिल का ऑपरेशन किया गया और बाद में उन्हें खेलना जारी रखने की अनुमति मिल गई थी। इस बीच मैनचेस्टर सिटी ने दो गोल की बढ़त के बावजूद क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ मैच 2-2 से ड्रॉ खेला और इस तरह से दो महत्वपूर्ण अंक गंवाए। सिटी का यह अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीसरा मैच था जिसमें उसने अंक बांटे। अन्य मैचों में न्यूकासल ने फुलहम को 3-0 से और चेल्सी ने शैफील्ड यूनाइटेड को 2-0 से हराया।

लियोन के टेस्ट में 500 विकेट, ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 360 रन से हराया

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के चौथे दिन रविवार को यहां पर्थ की खतरनाक पिच पर पाकिस्तान को 360 रन से हरा दिया जिसमें नाथन लियोन ने 500 टेस्ट विकेट की उपलब्धि अपने नाम की।

पाकिस्तान की दूसरी पारी चौथे दिन के अंतिम सत्र में 89 रन में सिमट गयी जिससे उसे ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट में लगातार 15वीं शिकस्त झेलनी पड़ी। मेजबान टीम ने लंच के आधे घंटे बाद पांच विकेट पर 233 पर दूसरी पारी घोषित कर पाकिस्तान को जीत के लिए 450 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया। लेकिन उछाल भरी पिच पर ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और कप्तान पैट कमिंस के सामने पाकिस्तान का शीर्ष क्रम चरमरा गया। इस दौरान पाकिस्तान के कई बल्लेबाजों को गेंद भी लगी।

हेजलवुड (13 रन देकर तीन विकेट) और स्टार्क (31 रन देकर तीन विकेट) ने मिलकर छह विकेट झटके जबकि कमिंस ने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम (14 रन) को आउट किया जो उनकी गेंद पर बल्ला छुआकर विकेटकीपर को कैच दे बैठे। आस्ट्रेलिया की तेज तर्रार गेंदबाजी का मेहमान टीम के बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। लियोन ने फहीम अशरफ को पगबाधा के रैफरल में सफलता हासिल कर अपने 500वें विकेट की उपलब्धि हासिल की जिसके बाद सभी खिलाड़ियों ने उन्हें गले लगा लिया।

वह शेन वॉर्न और ग्लेन मैकग्रा के बाद आठ खिलाड़ियों के इस 'एक्सक्लूसिव क्लब% में शामिल होने वाले तीसरे आस्ट्रेलियाई गेंदबाज बन गये हैं। लियोन ने फिर इसी ओवर में आमेर जमाल को आउट किया जो पाकिस्तान का आठवां विकेट था। इस तरह उन्होंने 18 रन देकर दो विकेट झटके। पाकिस्तान ने पहले सात ओवर में 17 रन के अंदर तीन विकेट गंवा दिये थे। सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक पहले ओवर में स्टार्क की खूबसूरत गेंद पर विकेटकीपर के हाथों कैच आउट हुए जिससे बायें हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अपने घरेलू मैदान पर 200वां टेस्ट विकेट हासिल किया।

कप्तान शान मसूद दो रन बनाकर हेजलवुड का शिकार हुए जबकि इमाम उल हक को स्टार्क ने एक और खूबसूरत गेंद पर पगबाधा आउट किया। इससे पहले उस्मान ख्वाजा अपने शतक से चूक गये, उन्होंने 90 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया लंच के बाद तेजी से रन जोड़ने की कोशिश में जुटा था। बायें हाथ के बल्लेबाज ख्वाजा (नौ चौके) और मिचेल मार्श (नाबाद 63 रन) ने 126 रन की भागीदारी निभायी। मार्श ने अपने घरेलू मैदान पर लगातार दूसरा अर्धशतक जड़ा।

ऑस्ट्रेलिया ने सुबह दो विकेट पर 84 रन से आगे खेलना शुरू किया तथा पहले घंटे में ही स्टीव स्मिथ (45) और ट्रेविस हेड (14) के विकेट गंवा दिए। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज पूरी तरह से हावी थे लेकिन ख्वाजा और मार्श ने उनका डटकर सामना किया। ख्वाजा ने 151 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया जबकि मार्श ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 68 गेंद में सात चौके और दो छक्के से नाबाद 63 रन बनाए।

अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे तेज गेंदबाज खुर्रम शहजाद ने स्मिथ को पगबाधा आउट करके पाकिस्तान को दिन की पहली सफलता दिलाई जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर

तीन विकेट पर 87 रन हो गया। यह मैच में दूसरा अवसर था जबकि शहजाद ने स्मिथ को आउट किया। शहजाद की तरह अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे आमिर जमाल (28 रन देकर एक विकेट) ने भी हेड को लगातार दूसरी पारी में आउट किया।

वनडे विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की जीत के नायक रहे हेड ने मिड ऑफ पर इमाम उल हक को कैच दिया। जमाल ने पहली पारी में 111 रन देकर 6 विकेट लिए थे। तीन मैचों की श्रृंखला का दूसरा टेस्ट मेलबर्न में 'बॉक्सिंग डे' को शुरू होगा जबकि तीसरा टेस्ट सिडनी में तीन से सात जनवरी को होगा।

बाबर आजम ने रचा इतिहास, 13 हजार रन बनाने वाले बैटर बने

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व टेस्ट कप्तान बाबर आजम ने 13 हजार रन बनाकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में खेले जा रहे पर्थ मुकाबले में पहली पारी के दौरान खास कीर्तिमान बनाया। कंगारू टीम के खिलाफ पाक बल्लेबाजों ने भले ही घुटने टेक दिए और उनके हाथ से मैच पूरी तरह से निकला दिख रहा हो लेकिन बाबर ने पूर्व कप्तान को तेज रन बनाने के मामले में पीछे छोड़ा। अब यह बैटर पाकिस्तान का सबसे तेज 13 हजार रन बनाने वाले बैटर बन चुका है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पाकिस्तान की टीम तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में खेलने उतरी है। गेंदबाजों की खस्ता हाल के बाद बल्लेबाजों ने भी पर्थ टेस्ट में घुटने टेक दिए। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया के 487 रन के जवाब में पूरी टीम महज 271 रन पर ही सिमट गई। भले ही मेजबान टीम ने फॉलोऑन ना देकर दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने का फैसला लिया लेकिन अपनी बढ़त को तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 300 रन तक पहुंचा दिया। पर्थ टेस्ट मैच के तीसरे दिन बाबर आजम महज 21 रन की पारी खेलकर वापस लौट गए। हालांकि इस पारी के दौरान ही उन्होंने एक खास रिकॉर्ड बनाया। वह इंटरनेशनल क्रिकेट में 13 हजार रन पूरा करने वाले पाकिस्तान के 5वें बैटर बन गए हैं। उन्होंने इस आंकड़े को सबसे तेज छूकर पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद को पीछे छोड़ा। पाकिस्तान की तरफ से इंजमाम उल हक, यूनिस खान, मोहम्मद यूसुफ, जावेद मियांदाद ने 13 हजार से ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाए थे। हालांकि पाकिस्तान की तरफ से सबसे तेज 13 हजार रन तक पहंचने का कीर्तिमान जावेद मियांदाद के नाम दर्ज था।

मोक्षदा एकादशी

श्री हरि पूजा से विशेष फल

हिंदू धर्म में एकादशी का व्रत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। प्रत्येक वर्ष चौबीस एकादशियाँ होती हैं। जब अधिकमास या मलमास आता है, तब इनकी संख्या बढ़कर 26 हो जाती है। मार्गशीर्ष मास के अगहन शुक्लपक्ष की एकादशी को मोक्षदा एकादशी कहा जाता है।

पद्मपुराणमें भगवान श्रीकृष्ण धर्मराज युधिष्ठिर से कहते हैं–इस दिन तुलसी की मंजरी, धूप–दीप आदि से भगवान दामोदर का पूजन करना चाहिए। मोक्षदाएकादशी बडे–बडे पातकों का नाश करने वाली है। इस दिन उपवास रखकर श्रीहरिके नाम का संकीर्तन,भक्तिगीत,नृत्य करते हुए रात्रि में जागरण करें। पूर्वकाल में वैखानस नामक राजा ने पर्वत मुनि के द्वारा बताए जाने पर अपने पितरोंकी मुक्ति के उद्देश्य से इस एकादशी का सविधि व्रत किया था। इस व्रत के पुण्य–प्रताप से राजा वैखानस के पितरोंका नरक से उद्धार हो गया। जो इस कल्याणमयीमोक्षदा एकादशी का व्रत करता है, उसके सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। प्राणियों को भवबंधन से मुक्ति देने वाली यह एकादशी चिन्तामणि के समान समस्त कामनाओं को पूर्ण करने वाली है। मोक्षदा एकादशी की पौराणिक कथा पढ़ने–सुनने से वाजपेययज्ञ का पुण्यफलमिलता है। मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी के दिन ही कुरुक्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीताका उपदेश दिया था। अतःयह तिथि गीता जयंती के नाम से विख्यात हो गई। इस दिन से गीता–पाठ का अनुष्ठान प्रारंभ करें तथा प्रतिदिन थोडी देर गीता अवश्य पढें। गीतारूपीसूर्य के प्रकाश से अज्ञानरूपीअंधकार नष्ट हो जाएगा।

मोक्षदा एकादशी व्रत–विधान

मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष को आने वाली यह एकादशी जन्म–मृत्यु के बंधन से मुक्त कराती है। इस व्रत को धारण करने वाला मनुष्य जीवन भर सुख भोगता है और अपने समय में निश्चित ही मोक्ष को प्राप्त होता है। मोक्ष दिलाने वाले इस दिन को मोक्षदा एकादशी भी कहते हैं।

विधि–विधान

इस दिन प्रातः स्नानादि कार्यों से निवृत्त होकर प्रभु श्रीकृष्ण का स्मरण कर पूरे घर में पवित्र जल छिड़ककर अपने आवास तथा आसपास के वातावरण को शुद्ध बनाएँ। पश्चात पूजा सामग्री तैयार करें। तुलसी की मंजरी (तुलसी के पौधे पर पत्तियों के साथ लगने वाला), सुगंधित पदार्थ विशेष रूप से पूजन सामग्री में रखें। गणेशजी, श्रीकृष्ण और वेदव्यासजी की मूर्ति या तस्वीर सामने रखें। गीता की एक प्रति भी रखें। इस दिन पूजा में तुलसी की मंजरियाँ भगवान श्रीगणेश को चढ़ाने का विशेष महत्व है।

चूँकि इसी दिन श्रीकृष्ण ने अर्जुन को रणभूमि में उपदेश दिया था अतः आज के दिन उपवास रखकर रात्रि में गीता–पाठ करते हुए या गीता प्रवचन सुनते हुए जागरण करने का भी काफी महत्व है। पूजा–पाठ कर व्रत कथा को सुनें, पश्चात आरती कर प्रसाद बाँटें।

व्रत–कथा

काफी समय पुरानी बात है, चम्पक नामक नगर में एक ब्राह्मण वास करता था। वहाँ का राजा वैखानस काफी दयालु था, वह अपनी प्रजा को संतान की तरह प्यार करता था। एक दिन राजा ने स्वप्न में देखा कि उनके पिता नरक में घोर यातनाएँ भुगत कर विलाप कर रहे हैं।

राजा की नींद खुल गई। अब वह बेचैन हो गया। प्रातः उसने अपने दरबार में सभी ब्राह्मणों को बुलाया और स्वप्न की सारी बात बता दी। फिर सभी ब्राह्मणों से प्रार्थना की कि कृपा कर कोई ऐसा उपाय बताओ, जिससे मेरे पिता का उद्धार हो सके। ब्राह्मणों ने राजा को सलाह दी कि यहाँ से थोड़ी दूरी पर महा विद्वान, भूत–भविष्य की घटनाओं को देखने वाले पर्वत ऋषि रहते हैं, वे ही आपको उचित मार्गदर्शन दे सकेंगे। तत्काल राजा पर्वत ऋषि के आश्रम में गया और ऋषिवर को प्रार्थना की कि हे मुनि! कृपाकर मुझे ऐसा उपाय बताइए जिससे मेरे पिता को मुक्ति मिल जाए। राजा की बात सुन ऋषि बोले, तुम्हारे पिता ने अपने जीवन काल में बहुत अनाचार किए थे, जिसकी सजा वे नरक में रहकर भुगत रहे हैं। यदि आप चाहते हैं कि आपके पिता की मुक्ति हो जाए तो आप मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष को आने वाली मोक्षदा एकादशी का उपवास करें। राजा वैखानस ने वैसा ही किया, फलस्वरूप उनके पिता को मोक्ष की प्राप्ति हुई। अतः जो भी व्यक्ति इस त्योहार को धारण करता है, उसे स्वयं को तो मोक्ष मिलता ही है, उसके माता–पिता को भी मोक्ष प्राप्ति होती है।

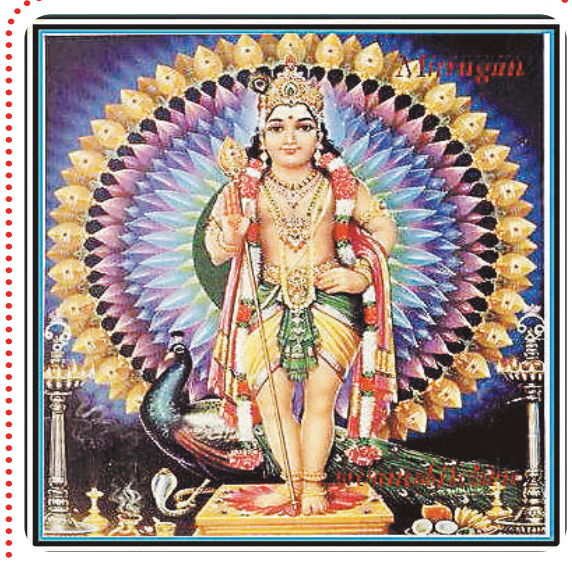

चंपा षष्ठी

पर मार्तण्ड पूजन

होलकर राजवंश के कुल देवता मल्हारी मार्तण्ड की चंपा षष्ठी की रात्रि बैंगन छठ का आयोजन होता है। खंडोबा को ही मल्हारी मार्तण्ड भी कहा गया। चौंसठ भैरवों में मार्तण्ड भैरव भी एक हैं। वैसे सूर्य को भी मार्तण्ड कहा गया है। जैसे बिहार में छठ पूजा, सूर्य पूजा का महत्व है, उसी तरह महाराष्ट्र में बैंगन छठ का। महाराष्ट्र और सुदूर मालवा में बसे मराठी भाषियों में मल्हारी मार्तण्ड की नवरात्रि का आयोजन मार्गशीर्ष प्रतिपदा से मार्गशीर्ष शुद्ध षष्ठी तक पाँच दिन के उपवास के उपरांत मल्हारी मार्तण्ड की षडरात्रि बोल सदानंदाचा येळकोट येळकोट के साथ संपन्न होती है। महाराष्ट्र में जैजूरी खंडोबा का मुख्य स्थान है, जो होळ गाँव के पास है। इंदौर के शासक इसी होळ गाँव के होने से होलकर कहलाए और खंडोबा उनके कुल देवता। इस अवसर पर बाजरे की रोटी एवं बैंगन के भुरते का प्रसाद वितरित किया जाएगा।

वास्तु

किस दिशा में लगाएं शिवशंभू का चित्रपट जिससे घर में आए सुख–समृद्धि

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में सकारात्मकता लाने के लिए देवी–देवताओं के चित्रपट अंकित किए जाते हैं। जिससे घर का वातावरण शुद्ध और पवित्र बना रहता है। घर में देवी–देवताओं के चित्रपट तो सभी लगाते हैं मगर सही दिशा में सही चित्रपट लगाकर कोई भी अपना जीवन सुख–समृद्धि से पूर्ण बना सकता हैं तो आइए जानते हैं वास्तु के अनुसार घर में शिवशंभू का चित्रपट घर में किस दिशा में लगाने से शुभ फल मिलता है।

शिवशंभू का चित्रपट घर में लगाने से प्रतिदिन उनके दर्शनों का शुभ अवसर प्राप्त होता है और उनका आशीर्वाद बना रहता है। इनका चित्रपट घर में ऐसे स्थान पर लगाएं जहां से आते–जाते सभी तरफ से दर्शन होते रहें।

शिवशंभू का चित्रपट लगाने के लिए उत्तर दिशा सर्वोत्तम है क्योंकि कैलाश पर्वत उत्तर दिशा में स्थित है और यह शिवशंभू का घर भी है। जिस स्थान पर चित्रपट को लगाना हो साफ और स्वच्छ करके गंगा जल छिड़क कर ही चित्रपट स्थापित करें।

घर बनाते समय पैसों की दिक्कत से बचने के लिए ध्यान रखने योग्य बातें

1 ध्यान रखे यदि आपका प्लाट पूर्वमुखी हो तो पूर्व ईशान में, दक्षिणमुखी है तो दक्षिण आग्नेय में, पश्चिममुखी है तो पश्चिम वायव्य में और उत्तरमुखी हो तो उत्तर ईशान में मुख्यद्वार रखकर भवन निर्माण करें। यदि पूर्व में पूर्व आग्नेय, दक्षिण में दक्षिण नैऋत्य, पश्चिम में पश्चिम नैऋत्य और उत्तर में उत्तर वायव्य में रखना मजबूरी हो तो ऐसी स्थिति में प्लाट को छोड़ देना ही समझदारी है, क्योंकि इन स्थानों पर मुख्यद्वार होने पर वास्तुनुकूल भवन निर्माण हो ही नहीं सकता।

2 प्लाट पर पूजा के बाद सर्वप्रथम भूमिगत पानी की टंकी और उसके बाद सोक पीट, चेम्बर इत्यादि बनाए इससे भवन निर्माण में पैसों की दिक्कत नहीं आती है। प्रभु की कृपा से कहीं से भी व्यवस्था हो जाती है। इसमें भरे पानी को भवन निर्माण के दौरान उपयोग में लाएं। सभी प्रकार के टैंक के साईज लम्बाई, चैड़ाई एवं गहराई 4, 6, 8, 10, 11 फीट आकार में रख सकते हैं। ध्यान रहे यह माप तैयार टैंक के अंदर का है, जैसे 4'×6'×6', 6'×6'×6', 4'×10'×8' साथ ही यह भी ध्यान रखें कि सभी प्रकार के टैंक के ऊपर का स्लैब उसके पास की जमीन के लेवल के बराबर होना चाहिए। किसी भी हालात में टैंक का स्लैब पास की जमीन के लेवल से ऊंचा नहीं होना चाहिए और उनमें लगने वाले पाईप भी जमीन के अंदर ही रहें।

3 भवन के आंगन, बरामदा, प्रत्येक कमरे, टॉयलेट बाथरूम सहित आदि के फर्श का लेवल इस प्रकार रखें कि साफ–सफाई के दौरान बहने वाला जल दक्षिण, पश्चिम और नैऋत्य से ईशान, उत्तर या पूर्व की ओर बहे। या फर्श समतल रखें ताकि ऐसा ना हो कि, भविष्य में सड़क का बार–बार डामरीकरण होने के कारण सड़क ऊंची हो जाए और प्लाट वह घर नीचा हो जाए।

4 टॉयलेट का पानी बाहर कमरों में ना आए उसके लिए कमरे और टॉयलेट के दरवाजे पर लगभग 2 इंच चैड़ी पत्थर की पट्टी लगा दे।

5 प्लाट की जमीन का लेवल यदि सड़क पक्की हो तो कम से कम 1 फीट ऊंचा रखे और कच्ची हो तो 2 फीट ऊंचा रखे और भवन का लेवल प्लाट के लेवल से कम से कम डेढ फीट ऊंचा रखे और यदि बेसमेंट बनाए तो ढाई से तीन फीट ऊंचा रखें।

अनंग त्रयोदशी

शक्ति, भक्ति व प्रेम का व्रत

अगहन शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी के दिन अनंग त्रयोदशी का व्रत रखा जाता है। अनंग त्रयोदशी व्रत भगवान भोलेनाथ को समर्पित है। इस व्रत में भगवान शिव के साथ ही साथ उनके भक्त कामदेव एवं उनकी पत्नी रति देवी की भी पूजा की जाती है। यह शक्ति, भक्ति एवं प्रेम का व्रत है। इस व्रत का प्रारम्भ कामदेव और रति ने किया था। अनंग त्रयोदशी व्रत की कथा सुन्दर और अलौकिक है।

अनंग त्रयोदशी व्रत विधि

अनंग त्रयोदशी के दिन व्रत रखने वाले को स्नानादि से निवृत होकर भगवान शंकर के साथ–साथ माता पार्वती एवं कामदेव और रति की भी पूजा करनी चाहिए। पूजा के पश्चात ब्रह्मण को भोजन करवाकर उन्हें यथासंभव दक्षिणा देकर उनसे आशीर्वाद ग्रहण करें। संध्या के समय पुनः इन सभी देवी–देवताओं की पूजा करने के बाद भोजना ग्रहण कर सकते हैं।

अनंग त्रयोदशी व्रत कथा

सती द्वारा दक्ष प्रजापति के यज्ञ में कूदकर आत्मदाह करने के बाद भगवान शिव विचलित हो उठे और सती के शव को कधे पर लेकर विचरन करने लगे। शिव के हृदय में उत्पन सती के मोह को समाप्त करने के लिए भगवान विष्णु ने सती के शव को अपने चक्र से खण्डित कर दिया। इसके बाद शिव का मोह समाप्त हो गया और वह योग साधना में लीन हो गए।

अनंग त्रयोदशी व्रत कथा

दूसरी ओर राक्षस राज तारकासुर का अत्याचार बढ़ता जा रहा था। उसने देवलोक पर आक्रमण करके देवराज इन्द्र को पराजित कर दिया। देवतागण अपनी दुर्दशा से काफी दुःखी हुए और ब्रह्मा जी के पास अपनी समस्या लेकर उपस्थित हुए, ब्रह्मा जी ने देवताओं की समस्या को सुनकर काफी विचार किया और कहा कि तारकासुर का अंत केवल शिव पुत्र कर सकता है। इस उत्तर को सुनकर देवतागण चिंतित हो उठे क्योंकि, शिव सती के वियोग में साधना में ध्यानमग्न थे। शिव को साधन से जगाना फिर उनका विवाह कराना देवता को असंभव कार्य लग रहा था।

देवताओं की परेशानियों को दूर करने के लिए कामदेव ने शिव को समाधि से जगाने का आश्वासन दिया। कामदेव रति के साथ मिलकर शिव को समाधि से जगाने में सफल हो गया किन्तु क्रोध में आकर शिव ने कामदेव पर अपनी तीसरे नेत्र खोल दी जिससे कामदेव जलकर भष्म हो गया। कमादेव के भष्म हो जाने पर रति विलाप करने लगी तब देवताओं ने शिव से सब हाल कह सुनाया।

देवताओं की बात सुनकर शिव जी को अपनी ग़लती का एहसास हुआ और उसने रति से कहा कि कामदेव अभी भी जीवित हैं किन्तु वह अनंग हैं अर्थात वह बिना शरीर के हैं। सशरीर कामदेव को पाने के लिए तुम्हें त्रेतायुग तक प्रतीक्षा करनी होगी। इस युग में जब विष्णु कृष्ण रूप में अवतार लेंगे तब उनके पुत्र प्रद्युम्न के रूप में कामदेव तुम्हें सशरीर प्राप्त होंगे।

अनंग त्रयोदशी के दिन कंदर्पेश्वर महादेव का दर्शन

कामदेव का एक नाम कंदर्प भी है। अनंग त्रयोदशी के दिन उज्जैन स्थित कंदर्पेश्वर महादेव का दर्शन अत्यंत पुण्यदयी माना गया है। इस दिन जो भक्त यहां आकर शिव का दर्शन प्राप्त करता है उसे देवलोक की प्राप्ति होती है।

अनंग त्रयोदशी का महात्म्य

रति को पद्युम्न के रूप में पुनः कामदेव मिलने की बात कहने के बाद शिव ने रति से यह भी कहा कि अनंग त्रयोदशी के दिन जो भक्त विधि पूर्वक व्रत और पूजन करेगा उनका दाम्पत्य जीवन खुशहाल होगा। उनकी गृहस्थी में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहेगी। इस व्रत को करने से संतान सुख भी प्राप्त होता है।

स्वामी, प्रकाशक एवंमुद्रक दिग्विजय चतुर्वेदी द्वारा सर्फ राज कौमी प्रेस,नादानमहल रोड, नक्खास लखनऊ मुद्रित एवं एलडीए-4, कानपुर रोड, निकट सीएमएस डिग्री कॉलेज सेक्टर-डी एलडीए कॉलोनी लखनऊ से प्रकाशित।
सपादक :- सुशील कुमार पाण्डेय - 9873896481